23 अक्टूबर 2025

गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण



निर्वाचन तैयारियों पर हुई अहम बैठक एसडीओ राकेश कुमार ने दिए सख्त निर्देश

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

लाडकी बहिन योजना में 164 करोड़ रुपए का घोटाला

- महाराष्ट्र में विपक्ष का हमला- पुरुषों को मिली राशि, एसआईटी की मांग

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र की बहुचर्चित लाडकी बहन योजना एक बार फिर विवादों में आ गई है। इस योजना में गरीब परिवारों की महिलाओं को हर महीने आर्थिक मदद देने का वादा किया गया था, लेकिन अब इसमें बड़े घोटाले के आरोप लग रहे हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि इस योजना के तहत हजारों पुरुषों को भी महिलाओं के नाम पर राशि दी गई। शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरद पवार गुट) ने इसे भाजपा नेतृत्व वाली महायुति सरकार की वोट लुभाने की



चाल बताया है। एनसीपी (एसपी) प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने आरटीआई के हवाले से दावा किया कि योजना के तहत 12,431 पुरुषों को 13 महीनों तक हर माह 1,500 रुपये दिए गए, जिससे कुल 24.24 करोड़ रुपये की राशि पुरुषों को पहुंच गई। यह योजना केवल उन महिलाओं के लिए थी जिनकी पारिवारिक आय 2.5 लाख रुपये से कम है। विपक्ष का आरोप है कि यह पूरा तंत्र जनता को भ्रमित कर चुनाव से पहले भाजपा और उसके सहयोगियों के पक्ष में वोट जुटाने के लिए रचा गया था। क्रास्टो ने कहा कि महायुति सरकार ने भाइयों को बहन बनाकर योजना का गलत इस्तेमाल किया और चुनावी फायदे के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग किया। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मांग की कि वह योजना के गलत क्रियान्वयन की जिम्मेदारी लें और एक विशेष जांच दल यानी एसआईटी गठित करें। शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने भी इस मामले पर कड़ा हमला बोलते हुए दावा किया कि योजना में 164 करोड़ रुपये तक की गड़बड़ी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकारी पैसे की हेराफेरी भाजपा और शिवसेना के लिए नई बात नहीं है, यह बृहन्मुंबई महानगरपालिका में भी हो रहा है।

सरकार की सफाई और कार्रवाई

महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने जुलाई में बताया था कि राज्य की सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने जांच के दौरान 26.34 लाख अपात्र लाभार्थियों की पहचान की थी। इनमें कुछ लोग ऐसे थे जो एक से अधिक योजनाओं से लाभ ले रहे थे, कुछ परिवारों में दो से अधिक सदस्य लाभार्थी थे और कुछ जगहों पर पुरुषों ने भी आवेदन किया था। इसके बाद इन सभी अपात्र आवेदकों के भुगतान को जून 2025 से अस्थायी रूप से रोक दिया गया। साथ ही, 2.25 करोड़ पात्र महिलाओं को जून माह का मानधन वितरित किया गया। राज्य सरकार ने कहा है कि जिलाधिकारियों के माध्यम से अपात्र लाभार्थियों की जांच जारी है। जिन आवेदकों को पात्र पाया जाएगा, उन्हें फिर से लाभ मिलना शुरू होगा। वहीं, विपक्ष का कहना है कि सरकार को इस योजना की सच्चाई जनता के सामने रखनी चाहिए और जिम्मेदारों पर कार्रवाई करनी चाहिए। आदित्य ठाकरे ने चेतावनी दी कि जो लोग सत्ता में हैं, वे यह न भूलें कि जनता सब देख रही है। यह मामला अब महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बन गया है।

लद्दाख में शांति स्थापित करने को लेकर हुई वार्ता

एजेंसी। नई दिल्ली



लद्दाख के लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसा के बाद आखिरकार बुधवार को पहली बार लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस की केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ बातचीत हुई। एलएबी और केडीए दोनों ही संगठनों ने बताया कि गृह मंत्रालय अधिकारियों के साथ हुई करीब तीन घंटे की वार्तालाप काफी सकारात्मक नजरिए से हुई। सरकार ने उनकी मांगों पर गंभीरता से गौर करने का आश्वासन दिया। जिस पर उनकी तरफ से भी सरकार को आश्वस्त किया गया कि वह भी कोई ऐसा कदम नहीं उठाएंगे। जो सरकार को गलत लगे। मीटिंग में शामिल हुए लेह एपेक्स बॉडी के को-चेयरमैन और पूर्व विधायक चेरिंग दोरजी ने एनबीटी को बताया कि एलएबी और केडीए दोनों संगठनों से तीन-तीन पदाधिकारी थे। इनमें लद्दाख के सांसद और केडीए के फाउंडर मोहम्मद हनीफा जान और उनके वकील भी शामिल हुए। बातचीत का मुख्य एजेंडा लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा की मांग रही। साथ ही क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के खिलाफ लगाए गए एनएसए को हटाना और उन्हें जेल से रिहा करना रहा। इनके अलावा हिंसा के बाद पुलिस ने लद्दाख के जिन नौजवानों को जेल में डाला था। उनकी रिहाई।

उर्मिला और बेल्ट्रॉन के माध्यम से काम कर रहे दो लाख से अधिक संविदाकर्मी होंगे स्थायी

जीविका दीदियों को मिलेगा सरकारी कर्मी का दर्जा : तेजस्वी यादव

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने चुनावी वादों से राज्य की सियासत में गर्मी ला रहे हैं। तेजस्वी ने बुधवार को कहा कि बिहार के लोगों ने बदलाव का मन बना लिया है। गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी से जनता परेशान है। उन्होंने दावा किया कि नीतीश सरकार हमारे घोषणापत्र की नकल कर रही है, लेकिन जनता असली और नकली में फर्क जानती है।ह्व तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार की महिलाओं को 10 हजार रुपये देने की योजना पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह राशि उधार के तौर पर दी जा रही है, चुनाव के बाद वसूली की जाएगी। तेजस्वी बोले कि हमारी सरकार बनते ही जिन परिवारों में एक भी सरकारी नौकरी नहीं है,



उनके एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। यह वादा सरकार बनने के 20 दिन के भीतर लागू होगा। तेजस्वी यादव ने बिहार की लाखों जीविका दीदियों के लिए बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब उनका शोषण नहीं होगा। हमारी सरकार बनते ही उन्हें सरकारी कर्मी का दर्जा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जीविका दीदियों को शुरूआती रुपए 30,000 वेतन और रुपए 2,000 मासिक अतिरिक्त भत्ता मिलेगा। इसके साथ ही उन्हें दो साल के लिए ब्याज-मुक्त ऋण, अब तक के सभी कर्जों पर ब्याज माफी, और 5 लाख का बीमा कवर देने की भी घोषणा की गई। तेजस्वी ने कहा कि हम जीविका दीदियों को सम्मान और सुरक्षा दोनों देंगे। वे बिहार की ताकत हैं, और अब उनका हक उन्हें मिलेगा। तेजस्वी यादव ने मंच से एक नई योजना का ऐलान किया एमएए योजनाह्व। उन्होंने समझाया कि इसका मतलब है एम से महिला, ए से अन्न और ए से आवास। तेजस्वी ने कहा कि ह्वहम माताओं और बहनों को अन्न और आवास देने की जिम्मेदारी लेंगे। कोई भी महिला भूखी या बेघर नहीं रहेगी।ह्व तेजस्वी यादव ने संविदा कर्मियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को भी अपने चुनावी घोषणापत्र में शामिल किया। उन्होंने कहा कि उर्मिला और बेल्ट्रॉन के माध्यम से काम कर रहे दो लाख से अधिक संविदाकर्मियों को स्थायी किया जाएगा। तेजस्वी बोले कि अब संविदाकर्मी न तो शोषित होंगे, न असुरक्षित। उन्हें मानसिक, शारीरिक और आर्थिक तनाव से मुक्त किया जाएगा। इस बार राजद ने 143 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। तेजस्वी यादव वैशाली जिले की राघोपुर सीट से मैदान में हैं, जो उनका पारंपरिक गढ़ माना जाता है। राजद ने 24 महिलाओं को टिकट दिया है और अपने पारंपरिक वोट बैंक का ध्यान रखते हुए 50 यादव और 18 मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। वहीं पार्टी ने 76 विधायकों में से 31 को टिकट से बाहर कर दिया है, जिससे संगठन में नए चेहरों को मौका मिला है। तेजस्वी यादव ने अपने भाषण में कहा कि ह्वयह चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, सोच और सिस्टम बदलने का है।ह्व उन्होंने जनता से अपील की बिहार अब ठहराव नहीं, बदलाव चाहता है। और हम उस बदलाव की शुरूआत करने जा रहे हैं।



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सुरक्षा में बड़ी चूक, लैंडिंग के दौरान हेलीपैड पर हेलिकॉप्टर के पहिए धंसे

एजेंसी। पत्तनमथिट्टा

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों केरल दौरे पर हैं। इस दौरान पत्तनमथिट्टा जिले के प्रमदम स्टेडियम में उनके साथ एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। दरअसल, जिस हेलीपैड पर उनका वायुसेना का हेलिकॉप्टर लैंड हुआ, वह वजन के कारण नीचे धंस गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हेलिकॉप्टर के उतरते ही हेलीपैड का हिस्सा कमजोर पड़ गया और पहिए जमीन में धंसने लगे। हालांकि राहत की बात यह रही कि कोई गंभीर घटना नहीं हुई। मौके पर तैनात पुलिस और फायर डिपार्टमेंट के कर्मियों ने तत्काल सतर्कता दिखाते हुए हेलिकॉप्टर को सुरक्षित स्थान पर खींच लिया। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हेलिकॉप्टर को धंसे स्थान से निकालते हुए सुरक्षाकर्मियों को धक्का लगाते देखा जा सकता है। बताया जा रहा है कि यह हेलीपैड नया था और इसे अंतिम समय में बनाया गया था। पहले हेलिकॉप्टर को पंबा के पास निलक्कल में उतारने की योजना थी, लेकिन खराब मौसम के चलते प्रमदम स्टेडियम को चुना गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, मंगलवार देर रात स्टेडियम में हेलीपैड का निर्माण किया गया था, लेकिन कंक्रीट पूरी तरह से नहीं जम पाया था। इसी वजह से हेलिकॉप्टर के उतरते ही जमीन बैठ गई। राष्ट्रपति मुर्मू 21 अक्टूबर को केरल पहुंचीं थीं। उनका सबरीमला मंदिर जाने का कार्यक्रम है। इसके बाद गुरुवार को वह तिरुवनंतपुरम स्थित राजभवन में पूर्व राष्ट्रपति के.आर. नारायणन की प्रतिमा का अनावरण करेंगी।

महाकाल मंदिर में महंत-पुजारी का भयंकर झगड़ा

एजेंसी। उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध श्रीमहाकालेश्वर मंदिर में बुधवार सुबह ऐसा नजारा देखने को मिला कि श्रद्धालु सकते में आ गए। गर्भगृह के अंदर महंत महावीर नाथ और पुजारी महेश के बीच विवाद अचानक धक्कामुक्की में बदल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महंत ने सिर पर भगवा वस्त्र लपेटा हुआ था, जबकि पुजारी महेश ने परंपरा अनुसार उनसे वस्त्र हटाने का निवेदन किया। इस मामूली बहस ने तबाही का रूप ले लिया और पुजारी महेश गर्भगृह में गिर पड़े। इस दौरान नंदी हॉल तक अपशब्दों की गूंज हुई। मंदिर प्रशासन के अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। भर्तृहरि गुफा के गादीपति पीर महंत रामनाथ महाराज ने महंत महावीर नाथ का समर्थन किया और कहा कि उनके साथ अभद्रता हुई है, जिसे सीसीटीवी फुटेज से भी साबित किया जा सकता है। पुजारी परिवार ने घटना की कड़ी निंदा की है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, मंदिर प्रबंध समिति ने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद ही आगे कार्रवाई की जाएगी।



900 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के जरिए स्टेशनों की निगरानी की जा रही है

छठ पूजा को लेकर रेलवे ने की तैयारी, 12,000 से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

एजेंसी। नई दिल्ली

दिवाली के बाद अब छठ पूजा की वजह से रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ देखने को मिल रही है। छठ पूजा पर लोग अपने घर जाकर विधि-विधान से इस त्योहार को मनाते हैं। छठ की शुरूआत होने में ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। 25 अक्टूबर से छठ पूजा की शुरूआत हो जाएगी। यही वजह है कि रेलवे स्टेशनों पर भारी संख्या में भीड़ भी देखने को मिल रही है।रेलवे बोर्ड ने छठ पूजा और त्योहारों के मौके पर



यात्रियों की भीड़ को देखते हुए बड़ी तैयारी की है। पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक परमेश्वर फुंकवाल ने बताया कि रेल मंत्री के निर्देश पर देशभर में 12 हजार से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसमें ईस्ट कोस्ट रेलवे की ओर से 367 स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं, जिनमें से अब तक 76 ट्रेनें शुरू हो चुकी हैं और 78 हजार से ज्यादा यात्री इसका लाभ उठा चुके हैं।फुंकवाल ने आगे बताया कि बताया कि सभी स्टेशनों पर सुरक्षा के लिए रेलवे सुरक्षा बल और अन्य अधिकारी तैनात किए गए हैं ताकि भीड़ की वजह से कोई अनहोनी न हो। साथ ही 900 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के जरिए स्टेशनों की निगरानी की जा रही है। बिहार के वैशाली में पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्रा ने बताया कि छठ पूजा को ध्यान में रखते हुए इसीआर की ओर से 1800 से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। अन्य रेलवे जोन से भी बिहार के लिए हजारों ट्रेनें चलाई गई हैं। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशनों पर प्रतीक्षालय बनाए जा रहे हैं ताकि लोग आराम से रुक सकें। भीड़ को संभालने के लिए लाइन की उचित व्यवस्था की जा रही है और जरूरत के अनुसार और अतिरिक्त ट्रेनें भी चलाई जाएंगी। रेलवे ने छठ पूजा के लिए विशेष तैयारी की है।

2020 के चुनाव में चारों विधानसभा में नोटा ने दिखाया था जलवा, 35 उम्मीदवारों से रहा आगे

- **महागठबंधन के कार्यकताओं में इस बार देखी जा रही है गहरी नाराजगी, जिले के सभी**



केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में बक्सर जिले के मतदाताओं ने लोकतंत्र की एक अलग मिसाल पेश की थी। जिले के डुमरांव, बक्सर, ब्रह्मपुर और राजपुर विधानसभा क्षेत्रों में कुल 10,641 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाकर मौन विरोध दर्ज कराया था। चुनावी गणित के लिहाज से भले यह जीत या हार का निर्धारण न करता हो, लेकिन यह आंकड़ा राजनीतिक दलों के लिए एक गहरी चेतावनी है। यह बताता है कि एक बड़ी संख्या में मतदाता असंतुष्ट हैं, लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सम्मान करते हुए उन्होंने मतदान किया। यह संख्या केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि मतदाताओं की उस सोच का प्रतीक है जो असंतोष के बावजूद लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निभाना नहीं छोड़ते। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में नोटा विकल्प का भी अपना एक चुनाव चिन्ह था। ईवीएम मशीन पर सबसे आखिरी विकल्प के तौर पर नोटा का बटन बनाया गया था, जिस पर मतदाताओं ने इनमें से कोई नही या नोटा विकल्प के पक्ष में अपना मतदान कर भागीदारी निभाई। चारों विधानसभा सीट के कई निर्दलीय उम्मीदवारों के वोटों से ज्यादा वोट नोटा के पक्ष में पड़े। जिले की चारों सीटों पर कुल 60 उम्मीदवारों ने अपनी किस्मत आजमाई थी, लेकिन इनमें से 35 उम्मीदवारों को नोटा से भी कम वोट मिले, जो इस बात का संकेत है कि मतदाता अब किसी भी अप्रभावी या अस्वीकार्य प्रत्याशी को नकारने से पीछे नहीं हट रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यदि नोटा को मिले ये वोट किसी एक उम्मीदवार के पक्ष में जाते, तो कई जगह परिणामों में बड़ा उलटफेर संभव था। नोटा के प्रति यह रुझान बताता है कि मतदाता अब सिर्फ नाम या चेहरे पर नहीं, बल्कि कार्य और विश्वास पर वोट करना चाहता है।

डुमरांव में 1877 व बक्सर में 3630 मतदाताओं ने चुना था नोटा का विकल्प

इतिहास, शिक्षा और राजनीति के केंद्र रहे डुमरांव विधानसभा में 2020 के चुनाव में कुल 1,877 लोगों ने नोटा का विकल्प चुना। यहां की जनता ने इस विकल्प के माध्यम से यह संदेश दिया कि उन्हें उपलब्ध प्रत्याशियों में कोई ऐसा नहीं दिखा जो उनके विकास, जनसरोकार और भरोसे का प्रतिनिधि बन सके। यह संख्या छोटी जरूर है, लेकिन यह बताती है कि मतदाता अब सोच-समझकर वोट देते हैं और किसी परंपरागत दबाव या जातीय समीकरण में नहीं फंसते। वहीं बक्सर सदर विधानसभा, जो जिले का राजनीतिक केंद्र माना जाता है, वहां नोटा का ग्राफ सबसे ऊंचा रहा। 3,630 मतदाताओं ने नोटा पर भरोसा जताया। यह आंकड़ा जिले में सबसे अधिक रहा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बक्सर में स्थानीय मुद्दों, उम्मीदवारों की छवि और वादाखिलाफी से नाराज मतदाताओं ने नोटा का सहारा लिया। कई मतदाताओं का कहना था कि उन्होंने वोट तो दिया, लेकिन किसी उम्मीदवार को नहीं, बल्कि बेहतर विकल्प की अनुपस्थिति के विरोध में।

ब्रह्मपुर में 2293 तो राजपुर में 2841 ने जताया लोकतांत्रिक असंतोष

ब्रह्मपुर विधानसभा में 2,293 वोट नोटा को मिले। यहां के ग्रामीण इलाकों में नोटा को लेकर काफी जागरूकता देखने को मिली थी। युवाओं और शिक्षित वर्ग के बीच चर्चा थी कि यदि कोई प्रत्याशी जनहित के मुद्दे पर गंभीर नहीं है, तो उसे नकारना ही लोकतांत्रिक जागरूकता का परिचायक है।

सभी अधिकारियों को पारदर्शिता, सतर्कता और समयबद्धता से कार्य करने के निर्देश

निर्वाचन तैयारियों पर हुई अहम बैठक एसडीओ राकेश कुमार ने दिए सख्त निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में निवार्ची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) डुमरांव राकेश कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न नोडल अधिकारी, पुलिस विभाग के पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी तथा तकनीकी कर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में निवार्ची पदाधिकारी ने निर्वाचन कार्यों से जुड़ी सभी तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की और कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी चुनाव कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन जिम्मेदारी और तत्परता से करें ताकि किसी प्रकार की लापरवाही की गुंजाइश न रहे।



-- शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और समन्वय पर जोर

निवार्ची पदाधिकारी ने विशेष रूप से सी-विजिल मोबाइल एप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मतदाताओं या किसी भी नागरिक द्वारा भेजी गई शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाए, ताकि आचार संहिता उल्लंघन की किसी भी संभावना को रोका जा सके। इस व्यवस्था से पारदर्शिता और जनता के विश्वास दोनों को मजबूती मिलती है।

मतदान दलों की प्रस्थान योजना और प्रेषण केंद्र की समीक्षा

श्री कुमार ने मतदान दलों के प्रस्थान से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि डिस्पैच सेंटर में सभी आवश्यक सुविधाएं और संसाधन समय पर उपलब्ध कराए जाएं। मतदान दलों की रवानगी सुचारू एवं समयबद्ध ढंग से होनी चाहिए, ताकि किसी भी चरण में अव्यवस्था या विलंब की स्थिति उत्पन्न न हो।

स्ट्रॉन्ग रूम और मतदान सामग्री की सुरक्षा सर्वोपरि

बैठक में स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष चर्चा हुई। एसडीओ ने निर्देश दिया कि स्ट्रॉन्ग रूम में त्रिस्तरीय सुरक्षा प्रणाली लागू रहे। इसमें पुलिस बल, सीसीटीवी निगरानी और 24 घंटे के गश्ती प्रबंध शामिल हों। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मतदान मशीनों की जांच और पारदर्शी प्रक्रिया

ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीन) और वीवीपैट (मतदाता सत्यापन पर्ची इकाई) के परीक्षण और तैयारी कार्यों की भी समीक्षा की गई। एसडीओ ने स्पष्ट किया कि इन उपकरणों की सुव्यवस्थित जांच (कमिशनिंग) पूरी पारदर्शिता के साथ की जाए। सभी चरणों में अधिकृत अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित हो और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन किया जाए।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः– सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

टुड़ीगंज स्टेशन के समीप ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

दानापुर-डीडीयू रेलखंड के टुड़ीगंज रेलवे स्टेशन के समीप टेज्न से गिर एक युवक की मौत हो गई है। घटना बुधवार की दोपहर करीब 12 बजे डाउन लाइन की है।

इसकी जानकारी मिलते ही कृष्णाब्रह्म थाने की डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची तथा उसे उठाकर डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उसके पॉकेट में मिले आधार कार्ड के आधार पर पुलिस ने उसकी शिनाख्त झारखंड के गोडा जिला के लमतिया थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटा सिमरा गांव निवासी स्व. भईया हेम्ब्रम के 29 वर्षीय पुत्र मनोज हेम्ब्रम के रूप में की। पुलिस ने उसके मोबाईल से ही उसके स्वजनों से संपर्क स्थापित कर इस घटना की जानकारी दी तथा शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेजा।

मिली जानकारी के अनुसार वह गुजरात में मजदूरी करता था तथा उसके परिवार के अन्य सदस्य भागलपुर में रहते है। वह गुजरात से भागलपुर जा रहा था, लेकिन टुड़ीगंज स्टेशन को पार करने के दौरान पश्चिमी रेलवे क्रासिंग के समीप वह अचानक टेज्न से गिर गया। आशंका जताई जा रही है कि गेट पर बैठ यात्रा करने के कारण यह हादसा हुआ है। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि स्वजनों के आने पर शव उन्हें सौंप दिया जाएगा।

डुमरांव में 1.54 लाख कैश बरामद, मजिस्टेज्ट की मौजूदगी में किया गया सील

केटी न्यूज/डुमरांव



डुमरांव पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक बाइक सवार से 1.54 लाख रूपए कैश बरामद किए है। पुलिस की पूछताछ में बाइक सवार न तो रूपयों के संबंध में कोई साक्ष्य दे सका और न ही इस मामले में उसने कोई संतोषजनक जबाव ही दिया, जिसके बाद पुलिस ने उक्त रूपयों को मजिस्टेज्ट की मौजूदगी में सील कर दिया। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इस संबंध में बताया कि पुलिस की एक टीम केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बलों के साथ स्टेशन रोड स्थित लालगंज कड़वी मोड़ के समीप वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी, इसी दौरान चक्की भोला डेरा निवासी उमेश कुमार पिता मुरली यादव जो बाइक से आए थे, उनके पास से 1.54 लाख रूपए नगद मिला। पुलिस टीम ने जब उक्त रूपयों के संबंध में पूछताछ की तथा साक्ष्य मांगे तो वे कुछ भी नहीं दे सके। इसके बाद पुलिस ने रूपयों को जब्त कर लिया तथा थाना में मजिस्टेज्ट सह डुमरांव के प्रभारी सीओ कुमार दिनेश के नेतृत्व में उसे सील कर दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि बाद में साक्ष्य देने के बाद रुपए रिलीज किए जाएंगे। पुलिस की इस कार्रवाई से मोटी रकम लेकर चलने वालों में हड़कंप मच गया है। बता दें कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता लागू है। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 50 हजार से अधिक कैश ले जाने की मनाही है।थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस आदर्श आचार संहिता का पालन कराने तथा विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूरी तरह से मुश्तैद है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

छठ एवं गोवर्धन पूजा को देखते हुए यूको बैंक से केसठ रोड तक चला अभियान



केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय प्रखंड के सोनवर्षा बाजार क्षेत्र में पंचायत बीडीसी अजय कुमार गुप्ता ने लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा और गोवर्धन पूजा को ध्यान में रखते हुए सफाई अभियान चलवाया। उन्होंने अपने निजी फंड से यूको बैंक सोनवर्षा से लेकर केसठ रोड स्थित एक हाता के पास तक फैली गंदगी को साफ कराया।स्थानीय लोगों ने बताया कि बाजार क्षेत्र में पिछले कई दिनों से कचरे और गंदगी का अंबार लगा हुआ था, जिससे राहगीरों और दुकानदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। आगामी पर्वों के मद्देनजर बीडीसी ने सफाई की पहल करते हुए जेसीबी को लगाकर नालियों की सफाई, कचरा उठाने और सड़कों की झाड़ू लगवाने का कार्य कराया। बीडीसी अजय गुप्ता ने बताया कि छठ पूजा के अवसर पर स्वच्छता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण में ही श्रद्धालु निश्चिंत होकर पूजा-अर्चना कर सकेंगे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील की कि सफाई अभियान को स्थायी बनाए रखने में सहयोग करें और कहीं भी कचरा न फेंकें।सफाई कार्य से लोगों में संतोष देखा गया। ग्रामीणों ने बीडीसी के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि उनके पहल से बाजार क्षेत्र स्वच्छ और सुंदर दिखने लगा है।



अगर महिलाओं को मिला होता मौका, तो डुमरांव की हवा कुछ और होती

- पुरुष वर्चस्व के साए में दबी रही आधी आबादी की आवाज, राजनीति को मिल सकता था नया चेहरा
- 2020 में अंजुम आरा को मिला था मौका, 2025 में सभी दलों ने महिलाओं को किया दरकिनार

पीके बादल/केसठ

डुमरांव विधानसभा की गलियों में इस चुनावी मौसम में फिर वही पुराने चेहरे, वही पुराने वादे हैं। पर जरा सोचिए, अगर इस बार भी किसी प्रमुख दल ने महिला उम्मीदवार को मैदान में उतारा होता तो तस्वीर शायद कुछ और होती।

मंचों पर भाषणों में महिला सशक्तिकरण की बात तो हर नेता करता है, लेकिन जब टिकट बांटने की बारी आती है, तो आधी आबादी का हिस्सा अब भी हाशिये पर रह जाता है। डुमरांव में कुल लगभग 3.28 लाख मतदाता हैं, जिनमें 1.56 लाख महिलाएं जो कुल मतदाता का लगभग 48 प्रतिशत शामिल हैं। ये वो तबका है जो हर बार वोट तो डालता है, पर अपने जैसे चेहरे को विधानसभा में पहुंचते नहीं देख पाता। एक बार 2020 में जब जेडीयू ने अंजुम आरा को प्रत्याशी बनाया था, तो लोगों ने सोचा था कि अब शायद बदलाव की शुरूआत होगी, लेकिन इस बार किसी भी दल ने महिला उम्मीदवार को टिकट न देकर उस उम्मीद को फिर कुचल दिया। अगर इस बार भी किसी महिला उम्मीदवार को मौका मिला होता, तो डुमरांव का चुनावी एजेंडा सिर्फ जातीय समीकरणों या पार्टी लॉयल्टी तक सीमित नहीं रहता। चर्चा होती की बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा, महिलाओं के रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और घरेलू हिंसा जैसे वास्तविक मुद्दों पर मतदाता भी मुद्दों पर सोचते, न कि केवल नामों पर। सामाजिक कार्यकर्ता रीता सिंह, रेखा देवी, पुष्पा देवी, उर्मिला देवी, कमला देवी, मंजू देवी समेत अन्य कहती हैं, महिलाएं जब आगे आती हैं तो राजनीति का स्वर बदलता है। वे संघर्ष की भाषा समझती हैं, इसलिए जनता से जुड़ने का उनका तरीका भी अलग होता है। डुमरांव में दशकों से वही चेहरे चुनावी मैदान में उतरते रहे हैं। सत्ता बदलती रही, पर सोच नहीं। अगर इस बार महिला उम्मीदवार उतरतीं, तो शायद राजनीतिक संवाद में संवेदना और ईमानदारी की झलक दिखती। यह भी संभव था कि महिला नेतृत्व के आने से कई घरों की महिलाएं पहली बार चुनावी प्रचार में उतरतीं, पोस्टर बांधतीं, बहस करतीं और यही लोकतंत्र की असली ताकत होती। डुमरांव की गलियों में आज भी लोग कहते हैं, काश इस बार कोई महिला उम्मीदवार होती, तो शायद बात कुछ और होती। सवाल अब यही है कि कब तक आधी आबादी सिर्फ तालियां बजाने और वोट देने तक सीमित रहेगी।

2020 के चुनाव में पहली बार महिला को मिला था मौका

2020 में जनता दल यूनाइटेड ने महिला उम्मीदवार अंजुम आरा को मौका देकर क्षेत्र की राजनीति में नई उम्मीद जगाई थी, मगर इस बार उन्हें भी टिकट से वंचित कर दिया गया। 2020 के चुनाव में अंजुम आरा को सीपीआईएमएल के प्रत्याशी डॉ अजीत कुशवाहा के 24,415 वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, उस चुनाव में महिला उम्मीदवार के मैदान में उतरने को सामाजिक बदलाव की दिशा में एक अहम कदम माना गया था। डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में इस समय करीब 3.28 लाख मतदाता हैं, जिनमें 1.72 लाख पुरुष जो कुल मतदाता का 52 प्रतिशत और 1.56 लाख महिला मतदाता जो कुल मतदाता का 48 प्रतिशत शामिल हैं। आंकड़े बताते हैं कि महिला मतदाता संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है, लेकिन राजनीतिक प्रतिनिधित्व अब भी पुरुषों के कब्जे में है। डुमरांव क्षेत्र में कई शिक्षित, समाजसेवी और जनसंपर्क में सक्रिय महिलाएं हैं, जिन्हें मौका मिले तो वे पुरुष प्रत्याशियों से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। लेकिन राजनीतिक पार्टियां स्थानीय स्तर पर उनकी उपेक्षा कर रही हैं। विश्लेषकों का मानना है कि अगर आने वाले वर्षों में महिला नेतृत्व को वास्तविक रूप से बढ़ावा नहीं दिया गया, तो आधी आबादी की भागीदारी सिर्फ आंकड़ों और भाषणों तक सिमट कर रह जाएगी। डुमरांव की यह स्थिति बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में महिलाओं के सशक्तिकरण की अधूरी कहानी को फिर से उजागर करती है, जहां अभी भी जीत की चौखट तक पहुंचने का सफर बाकी है।

एक नजर

टुड़ीगंज स्टेशन के समीप ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

कृष्णाब्रह्म। दानापुर-डीडीयू रेलखंड के टुड़ीगंज रेलवे स्टेशन के समीप टेज्न से गिर एक युवक की मौत हो गई है। घटना बुधवार की दोपहर करीब 12 बजे डाउन लाइन की है। उइसकी जानकारी मिलते ही कृष्णाब्रह्म थाने की डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची तथा उसे उठाकर डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके पॉकेट में मिले आधार कार्ड के आधार पर पुलिस ने उसकी शिनाख्त झारखंड के गोडा जिला के लमतिया थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटा सिमरा गांव निवासी स्व. भईया हेम्ब्रम के 29 वर्षीय पुत्र मनोज हेम्ब्रम के रूप में की। पुलिस ने उसके मोबाईल से ही उसके स्वजनों से संपर्क स्थापित कर इस घटना की जानकारी दी तथा शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेजा। मिली जानकारी के अनुसार वह गुजरात में मजदूरी करता था तथा उसके परिवार के अन्य सदस्य भागलपुर में रहते है। वह गुजरात से भागलपुर जा रहा था, लेकिन टुड़ीगंज स्टेशन को पार करने के दौरान पश्चिमी रेलवे क्रासिंग के समीप वह अचानक टेज्न से गिर गया। आशंका जताई जा रही है कि गेट पर बैठ यात्रा करने के कारण यह हादसा हुआ है। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि स्वजनों के आने पर शव उन्हें सौंप दिया जाएगा।

शांतिपूर्ण माहौल में लक्ष्मी-गणेश के प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

केसठ। प्रखंड के नया बाजार स्थित लक्ष्मी-गणेश पूजा समिति द्वारा स्थापित प्रतिमाओं का बुधवार को श्रद्धा और भक्ति के माहौल में विसर्जन किया गया। तीन दिनों तक चले विशेष पूजन-अर्चन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद जुलूस निकालकर श्रद्धालुओं ने डुमरांव राजवाहा के मिठाईयां पुल समीप नहर में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रतिमा विसर्जन किया। महिलाओं ने खोईछा भरकर मां लक्ष्मी की विदाई की, जबकि मार्ग में लोगों ने जगह-जगह आरती और पूजन किया। जुलूस के दौरान जय मां लक्ष्मी और गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से पूरा क्षेत्र गुंज उठा। भक्तों ने भक्ति गीतों पर झूमते हुए उत्सव का समापन किया। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन और स्थानीय युवकों की टीम तैनात रही। कार्यक्रम में पूजा समिति के सदस्यों समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।

छठ पर्व की तैयारी में चौसा नगर पंचायत की सुस्ती, गंगा घाटों की दुर्दशा से श्रद्धालु चिंतित

चौसा। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा अब बस कुछ ही दिनों की दूरी पर है, लेकिन चौसा नगर पंचायत की सुस्ती और लापरवाही ने श्रद्धालुओं की चिंता बढ़ा दी है। छठ पर्व को लेकर गंगा घाटों की तैयारी बेहद धीमी है। चौसा बाजार घाट और मल्लाह टोली घाट की स्थिति फिलहाल बदहाल बनी हुई है। चौसा बाजार घाट पर जगह-जगह मिट्टी और कीचड़ जमा होने से रास्ते फिसलनभरे हो गए हैं, जिससे व्रतियों को आवाजाही में कठिनाई हो रही है। वहीं मल्लाह टोली घाट पर अब तक सफाई और मरम्मती कार्य शुरू नहीं हुआ है। स्थानीय लोग नगर पंचायत की इस उदासीनता से नाराज हैं। वार्ड पार्षद चंदन चौधरी ने कहा कि छठ महापर्व श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है। हर साल हजारों श्रद्धालु गंगा तट पर जुटते हैं, लेकिन इस बार नगर पंचायत की सुस्ती ने सबको निराश किया है। घाटों की सफाई, समतलीकरण और प्रकाश व्यवस्था तत्काल शुरू की जानी चाहिए। इस मौके पर वार्ड पार्षद आनंद रावत, प्रतिनिधि शैलेश कुशवाहा, राकेश चौधरी, रवीश जायसवाल, ज्योति चौरसिया और शंभू चौधरी समेत कई स्थानीय लोग मौजूद रहे। सभी ने एकस्वर में नगर पंचायत से तुरंत कार्रवाई की मांग की। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते घाटों की व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो त्योहार के दौरान अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि छठ व्रतियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं।

छठ घाटों की सफाई में नगर परिषद कर रहा कोताही, लोगों में नाराजगी



केटी न्यूज/डुमरांव

छठ पूजा के महज दो दिन रह गए हैं, लेकिन छठ घाटों की तैयारी अभीतक नहीं हो पाया है। जिस घाट को दस दिन पहले हो जाना चाहिए था, नहीं हुआ है। नगर के मशहूर छठिया पोखरा जिसमें चारो दिशा में घाट बना हुआ है। बावजूद इतने ब्रती हो जाते हैं, अतिरिक्त घाटों की आवश्यकता पड़ती है। अतिरिक्त घाट बनाए भी गए है, लेकिन उनकी स्थिति इतनी खराब है कि ब्रतियों के उतरने लायक नहीं है। कुछ छठ घाट के तलाब हैं, जिनकी सफाई तक नहीं हो पायी है, ऐसे में जलकुंभी और गाद से भरा हुआ है। पुराना और नया भोजपुर कोईलिया ताल सह भैंसही नदी के दोनों किनारे छठ पूजा होती है, लेकिन उसमें इतना पानी हो गया है कि घाट बह गए हैं। ऐसे में खेतों में घाट बनारक पूजा करना मजबूरी हो जाएगा। पानी अधिक होने के कारण छठ ब्रतियों को स्नान कर अर्घ्य देने में परेशानी होगी। प्रशासन भी इसे सही करने में असमर्थ है, ऐसे में ब्रतियों के परिवार पूजा करने के लिये सुरक्षित घाटों की तलाश में जुट गए हैं।

नया तलाब और घाट की नहीं हुई सफाई

मालूम हो कि डुमरांव शहर और विस्तारित क्षेत्र में कुल 18 छठ घाट हैं, जहां पूजा होती है। बहुत से ऐसे घाट हैं, जिनकी सफाई नहीं हुई है। कुछ घाटों की सफाई की खानापूर्ति की गई है। इसी में एक तलाब है नया थाना के पास डा. जगनारायण सिंह अस्पताल के पास का नया तलाब। इसकी नहीं बाहरी भाग की सफाई हुई है और नहीं भीतरी भाग का, भीतरी भाग पूरा गाद से भरा हुआ है, जिससे स्नान करने वाले ब्रतियों को परेशानी होगी। इस घाट की सीढ़ी गायब हो गई है, इतना ही नहीं घाट के उपरी भाग का अतिक्रमण तक कर लिया गया है। ऐसे ब्रतियों को परेशानी होगी या घर से स्नान कर आना पड़ेगा।

भैंसही नदी और कोईलिया ताल में भरा पानी

पुराना और नया भोजपुर के लोग काफी संख्या में छठ पूजा करते हैं। इस वर्ष उन्हें पूजा करने लायक घाट ही नहीं बचा है, क्योंकि इसमें इतना पानी भर गया है कि सभी घाट डूब चुके हैं। घाट बनाने लायक जगह भी नहीं बचा है। केवल खेत ही चारोतरफ दिखाई पड़ रहा है, ऐसे में खेत में ही कृत्रिम घाट बनाकर और घर से स्नान कर छठ पूजा करने के लिये आना

डुमरांव शहर का मशहूर छठिया पोखरा भी सही नहीं है

मालूम हो कि नगर का मशहूर छठिया पोखरा छठ पूजा के लिये पूरे जिले में जाना जाता है। बक्सर जिला ही नहीं बंगाल और झारखंड से लोग पूजा करने के लिये पहुंचते हैं। इसके चारो तरफ घाट बना हुआ है, उसके किनारे भर जाते हैं, ऐसे में कृत्रि घाट बनाए गए हैं और तलाब मे उतरने के लिये सीढ़ियां भी बनी हुई हैं। पहले के बने घाट टूटकर बिखर गए हैं, जिसके सहारे नीचे तलाब में उतरना खतरा को दावत देता है। उसकी मरम्मत आज से शुरू की गई है। अब सवाल यहां यह उठता है कि आज घाटों के सीढ़ियों की मरम्मत हो रही है तो क्या टीक पाएगा, यह और खतरनाक होगा। नगरवासियों का कहना है कि घाटों की मरम्मत बीस रोज पहले हो जाना चाहिए, जिससे उसमें मजबूती आ जाती। उसी तरह से सूरत राय का तलाब है, जो पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। घाटों को नहीं बनाकर केवल घासों को हटाने का आज से काम लगा है, ऐसे में समझा जा सकता है कि नप ने छठ ब्रत में ब्रतियों के लिये कितना काम किया है।

गोवर्धन पूजा पर निकला भव्य जुलुश युवाओं ने दिखाया शानदार करतब

- मुखिया और राजद नेता रहे अगुवाई, झांकियों ने लोगों का मोह लिया मन

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड मुख्यालय स्थित स्थानीय गोवर्धन पूजा समिति के तत्वावधान में बुधवार को भव्य झांकी व शोभायात्रा का आयोजन किया गया। गाजे-बाजे, वैदिक मंत्रोच्चारण और जय श्रीकृष्ण के जयघोष के बीच निकले इस जुलूस का नेतृत्व केसठ मुखिया अरविंद कुमार सिंह उर्फ गामा पहलवान ने किया।बस पड़ाव स्थित गोवर्धन भगवान की वैदिक रीति से पूजा-अर्चना और आरती के बाद शाम को जुलूस की शुरूआत हुई। शोभायात्रा ब्लॉक रोड, मां भवानी मंदिर पथ, नया बाजार होते हुए पुराना बाजार पहुंची, जहां चारों दिशाओं से निकले जुलूसों का मिलन हुआ। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन-पूजन के उपरांत कार्यक्रम संपन्न हुआ।इस दौरान पूरा बाजार जय श्रीकृष्ण के उद्घोष से गुंजायमान रहा। परंपरा के अनुसार बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने लाठी-डंडा से अद्भुत करतबों का प्रदर्शन किया। दर्जनों वाहनों पर राधे-कृष्ण, कंस व अन्य देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां सजी थीं, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। मुखिया और राजद नेता की ओर से गांव के बुजुर्गों को गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया, वहीं हजारों लोगों को पगड़ी बांधकर सम्मान दिया गया। झांकी में कंस-वध, पूतना राक्षसी, बालकृष्ण लीला जैसे जीवंत दृश्यों ने सभी का मन मोह लिया।इस अवसर पर राजद के वरिष्ठ नेता सुनिल कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव ने कहा, गोवर्धन पूजा लोक-आस्था, एकता और भाईचारे का पर्व है। यह समाज को जोड़ने और संस्कृति को संवारने का संदेश देता है।मौके पर मुकेश यादव, मुन्ना यादव, जितेंद्र पहलवान, विजय यादव, अजय कुमार, पूर्व मुखिया धनंजय यादव समेत हजारों लोग उपस्थित थे।इसके साथ ही रामपुर, धेनुआडीह, शिवपुर, कतिकनार, डिहरा, किरनी सहित कई गांवों में भी गोवर्धन पूजा और झांकी जुलूस का आयोजन किया गया, जिससे पूरा क्षेत्र धार्मिक माहौल में सराबोर रहा।

शांतिपूर्ण माहौल में लक्ष्मी-गणेश के प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के नया बाजार स्थित लक्ष्मी-गणेश पूजा समिति द्वारा स्थापित प्रतिमाओं का बुधवार को श्रद्धा और भक्ति के माहौल में विसर्जन किया गया। तीन दिनों तक चले विशेष पूजन-अर्चन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद जुलूस निकालकर श्रद्धालुओं ने डुमरांव राजवाहा के मिठाईयां पुल समीप नहर में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रतिमा विसर्जन किया। महिलाओं ने खोईछा भरकर मां लक्ष्मी की विदाई की, जबकि मार्ग में लोगों ने जगह-जगह आरती और पूजन किया। जुलूस के दौरान जय मां लक्ष्मी और गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से पूरा क्षेत्र गुंज उठा। भक्तों ने भक्ति गीतों पर झूमते हुए उत्सव का समापन किया। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन और स्थानीय युवकों की टीम तैनात रही। कार्यक्रम में पूजा समिति के सदस्यों समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।



पुलिस की सक्रियता से टैज्क्टर चालक का मोबाईल झपट भाग रहे दो उचक्के गिरफ्तार, बाइक जप्त

- डुमरांव थाना क्षेत्र के अहिबरन राय के डेरा (अकालुपुर) गांव के समीप की है घटना, पुलिस की त्वरित कार्रवाई की ग्रामीणों ने की प्रशंसा



केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव पुलिस की सक्रियता से एक टैज्क्टर चालक का मोबाईल झपट भाग रहे दो उचक्के पकड़े गए। पुलिस ने उनकी बाइक भी जप्त कर ली है। मामला स्थानीय थाना क्षेत्र के अहिबरन राय के डेरा (अकालुपुर) के समीप स्थित जवहरी मंदिर के पास की है।

मिली जानकारी अनुसार अहिबरन राय के डेरा निवासी व पेशे से टैज्क्टर चालक पंकज कुमार पिता बिरेन्द्र यादव दोपहर में अपनी टैज्क्टर लेकर डुमरांव की तरफ आ रहा था। जैसे ही वह जवहरी मंदिर के समीप पहुंचा कि उसके मोबाईल पर किसी को फोन आ गया। वह ट्रैक्टर की स्पीड कम कर फोन पर बात करने लगा, इसकी दौरान एक बाइक जिसका रजिस्टेज्शन नंबर बीआर 44 वाई 1714 था पर सवार दो उचक्के तेजी से टैज्क्टर के समीप पहुंचे, इस दौरान एक उचक्का बाइक स्टॉट रखा, जबकि दूसरे ने टैज्क्टर चालक का मोबाईल झपट लिया। इसके बाद दोनों अकालपुर की तरफ भागने लगे। इधर शोरगुल मचा टैज्क्टर चालक उनका पीछा करने लगा। संयोग से उसी समय डुमरांव थाने की गश्ती टीम उधर से गुजर रही थी। टैज्क्टर चालक ने गश्ती टीम को घटना से अवगत कराया। इसके बाद पुलिस ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। उनके पास से टैज्क्टर चालक का मोबाईल भी बरामद हुआ है। गिरफ्तार उचक्कों की पहचान मुरार थाना क्षेत्र के वैदा गांव निवासी मुकेश कुमार पिता मंगरू प्रसाद व पिंटू कुमार पिता सोहराई यादव के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि आगामी विस चुनाव को लेकर पुलिस काफी मुश्तैद है तथा थाना क्षेत्र के सभी मार्गों में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उचक्कों की गिरफ्तारी इसी का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि चोर-उचक्कों, तस्करों तथा अपराधियों के खिलाफ पुलिस विशेष अभियान चला रही है। दूसरी तरफ पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की पीड़ित पक्ष व ग्रामीणों में जमकर तारीफ की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पुलिस इसी तरह से मुश्तैदी दिखाए तो चोर-उचक्के हवालात में नजर आएंगे। थानाध्यक्ष ने बताया कि आवश्यक पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। इस घटना के बाद उचक्कों में भय व्याप्त हो गया है।



छठ पूजा के दौरान बदली रहेगी पटना की ट्रैफिक व्यवस्था, कई रास्तों पर वाहनों की आवाजाही रहेगी बंद

केटी न्यूज/रोहतास

छठ पूजा 2025 को लेकर पटना जिला प्रशासन ने ट्रैफिक व्यवस्था में व्यापक बदलाव किए हैं। 27 और 28 अक्टूबर को दो दिनों तक विशेष ट्रैफिक प्लान लागू रहेगा, ताकि घाटों पर भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिला प्रशासन ने छठ व्रतियों और आमजन से अनुरोध है कि प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें ताकि छठ महापर्व शांतिपूर्वक और सुरक्षित ढंग से संपन्न हो।

ये रहेगा ट्रैफिक रूट प्लान

27 अक्टूबरः दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक (या जब तक यातायात सामान्य न हो)

28 अक्टूबरः सुबह 2 बजे से सुबह 8 बजे तक (या जब तक यातायात सामान्य न हो)

यह प्रतिबंध फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस, मरीजों, शव वाहनों और छठ व्रतियों के वाहनों पर लागू नहीं होगा।अशोक राजपथ पर ट्रैफिक व्यवस्थाः

कारगिल चौक से दीदारगंज (पूरब) तक सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पर रोक (आपातकालीन और प्रशासनिक वाहनों को छोड़कर)।

अशोक राजपथ के सभी एंट्री पॉइंट बंद रहेंगे।

खजांची रोड से केवल छठ व्रतियों के वाहन पटना कॉलेज व साइंस कॉलेज परिसर तक जा सकेंगे (पार्किंग हेतु)।

कारगिल चौक से शाहपुर (पश्चिम) तक छठ व्रतियों के सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन अनुमत रहेगा।

गाय घाट जाने वाले व्रतियों की व्यवस्थाः

कंगन घाट/चौक थाना मोड़ जाने वाले वाहनों को सिटी स्कूल के पास रोककर वहीं परिसर में पार्क कराया जाएगा।

धनुकी मोड़, शीतला माता मंदिर, बिस्कोमान गोलंबर से व्रती गाय घाट की ओर जा सकेंगे।

पार्किंग स्थलः हथिया बागान, लोहा गोदाम, मेडाज हॉस्पिटल के सामने आदि

जेपी गंगा पथ (मरीन ड्राइव) का उपयोग वर्जित रहेगा।

घाटवार पार्किंग व्यवस्थाः

चौक शिकारपुर आरओबी से पूरबः मोर्चा रोड और पूरब दरवाजा की ओर जाने वाले वाहनों को गुरु गोविंद सिंह आरओबी के नीचे और पटना साहिब स्टेशन के पास पार्क किया जाएगा।

दीदारगंज से अशोक राजपथ तकः केवल व्रतियों के वाहन प्रवेश कर सकेंगे। कटरा बाजार समिति प्रांगण में पार्किंग होगी।

मारूफगंज, मंसूरगंज, जल्ला, मालसलामी क्षेत्र के स्थानीय व्रतीः मालसलामी टीओपी/ओपी साह के पास जेपी गंगा पथ के सिंगल लेन में पार्किंग। पैदल घाट तक जाएंगे।

जेपी सेतु पर प्रतिबंध

27 अक्टूबरः दोपहर 2 बजे से शाम 7:30 बजे तक सोनपुर/छपरा से पटना की ओर ट्रैफिक प्रतिबंधित

28 अक्टूबरः सुबह 3 बजे से 6 बजे तक ट्रैफिक प्रतिबंधित

भारी वाहन (बस, ट्रक, हाईवा, जेसीबी आदि) का प्रवेश निषेध

जेपी सेतु से पटना आने वाले वाहनः गंगा पथ पर नहीं उतर सकेंगे, वे सीधे अशोक राजपथ की ओर भेजे जाएंगे

आमजन को सलाह दी गई है कि महात्मा गांधी सेतु का उपयोग करें।

जेपी गंगा पथ (मरीन ड्राइव) पर रोकः

दीघा गोलंबर से दीदारगंज तक दोनों लेन पर सभी वाहनों की आवाजाही पर रोक रहेगी।

किसी भी वाहन को जेपी गंगा पथ पर पार्क करने की अनुमति नहीं होगी।

नोट करने योग्य बातेंः

वाहन घाट के पास निर्धारित पार्किंग में ही लगाए जाएं।

घाट से वापसी के समय पुलिस और मजिस्ट्रेट किसी वाहन को अंदर नहीं जाने देंगे।

आपातकालीन सेवाएं जैसे एंबुलेंस, अग्निशमन वाहन, मरीजों के वाहन आदि को छूट दी गई है।

भू माफिया ने हाईकोर्ट जमीन मामलें में सीओ से बोला केस लो वापस वरना मौत के लिए रहो तैयार

- **सीओ मधुसूदन ने नोखा थाना में आरोपियों के खिलाफ दर्ज कराई प्राथमिकी**
- **अवैध रूप से सरकारी जमीन पर कब्जे भूमि की कीमत है करीब 5 करोड़**

केटी न्यूज/रोहतास

सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर हाई कोर्ट में चल रहे एक मामले को वापस नहीं लेने पर अंचलाधिकारी नोखा को जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में सीओ मधुसूदन कुमार चौरसिया ने मामले में दो लोगों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराते हुए कहा है कि कोर्ट के आदेश पर जिलाधिकारी रोहतास द्वारा रजिस्ट्रार को जांच का निर्देश दिया गया है। इसकी जांच के लिए



रजिस्ट्रार के साथ वे स्थलीय जांच के लिए गए थे। अंचलाधिकारी मधुसूदन कुमार चौरसिया द्वारा इस मामले में जमीन की दलाली करने वाले जितेंद्र सिंह एवं बिक्रमगंज निवासी सौदागर द्वारा केस वापस नहीं लेने पर जान से मारने की धमकी दिए जाने की बात कही है। अंचलाधिकारी ने कहा है कि हाई कोर्ट में सरकारी जमीन पर कब्जे



को लेकर चल रहे एक विवाद में कोर्ट के आदेश पर जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार रजिस्ट्रार के साथ वे स्थल जांच के बाद वह कार्यालय में आकर विधानसभा चुनाव में वाहन उपलब्धता एवं अधिग्रहण संबंधी कार्य देख रहे थे। तभी दोनो जबरन कार्यालय में घुस आए एवं कोर्ट में चल रहे केस को वापस लेने की धमकी दी। दोनों ने सीओ को धमकी देते हुए कहा कि 5 करोड़ के जमीन का मामला है। केस वापस नहीं लोगे तो तुम्हें जान से मार देंगे। आरोपितों ने सीओ को निगरानी में फंसाने एवं बर्बाद करने की भी धमकी दी।सीओ ने एफआईआर में कहा है कि जितेंद्र सिंह द्वारा राजस्व कर्मचारी एवं स्थलीय जांच करने गए अंचल अमीन से भी सीओ को बर्बाद करने की धमकी दी गई है। उससे वे मानसिक रूप से सदमे में हैं। जबकि सीओ ने एफआईआर में कहा है कि छह माह से जितेंद्र सिंह द्वारा केस वापस लेने का दवाब बनाए जाने एवं ऐसा नहीं करने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी जाती रही है। सीओ द्वारा मामले में सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।इस संबंध में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालाकार ने बताया कि अंचलाधिकारी द्वारा सरकारी एवं चुनाव संबंधी कार्य में बाधा पहुंचाने एवं कोर्ट ने चल रहे जमीन संबंधी एक मामले में केस वापस नहीं लेने पर जान से मारने की धमकी दिए जाने के मामले में जितेंद्र सिंह एवं सौदागर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

विश्व सरीसृप जागरूकता दिवस पर बिहार स्नेक बाइट प्रिवेंशन से जुड़ी दी गई जानकारी

केटी न्यूज/रोहतास

विश्व सरीसृप जागरूकता दिवस के अवसर पर ग्राम इटढ़िया में ह्यूबिहार स्नेक बाइट प्रिवेंशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय समुदाय को सर्पों के महत्व,उनकी पहचान तथा सर्पदंश की स्थिति में अपनाए जाने वाले सही उपायों की जानकारी देना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रीन वाइल्ड फाउंडेशन के संस्थापक सह राष्ट्रीय स्वयंसेवक माय भारत रोहतास सासाराम शिवम कुमार ने की । उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सर्प हमारे पर्यावरण के संतुलन के लिए आवश्यक जीव हैं, डर या अंधविश्वास के कारण इन्हें मारना नहीं चाहिए,बल्कि इनके साथ सह- अस्तित्व का रास्ता अपनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या घरेलू उपायों पर भरोसा करने की बजाय तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र



में पहुंचना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों को चार प्रमुख विषैले सर्पों अंतर्गत कोबरा,करैत,रसेल वाइपर और सा-स्केल वाइपर की पहचान,व्यवहार और प्राथमिक उपचार के उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान ग्रीन वाइल्ड फाउंडेशन की टीम ने पोस्टर,चित्रों और मॉडल डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से सर्पों की प्रजातियां,उनके निवास स्थान और बचाव उपायों को समझाया । शिवम कुमार ने बताया कि अधिकांश सांप विषहीन होते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में लोग भयवश उन्हें मार देते हैं, लेकिन जागरूकता ही इसका समाधान है। मौके पर धनजी सिंह,ग्रीन वाइल्ड फाउंडेशन के सदस्य आकाश कुमार पाण्डेय तथा स्थानीय लोग मौजूद रहे ।

पटना में इन जगहों पर छठ पूजा करने पर रहेगी रोक जिला प्रशासन ने जारी की खतरनाक गंगा घाटों की सूची

केटी न्यूज/रोहतास

दिवाली के खत्म होने के साथ ही बिहार में छठ पूजा की तैयारियों तेज हो गई है। पटना में जिला प्रशासन ने छठ पर्व को शांतिपूर्व ढंग से संपन्न कराने के लिए कमर कस लिया है। जिला प्रशासन की तरफ से पटना के खतरनाक और वैसे छठ घाटों की सूची जारी की गई है, जहां छठ व्रत नहीं किया जा सकता है। दरअसल, पटना जिला प्रशासन ने छठ महापर्व को लेकर गंगा नदी के घाटों एवं जल-स्तर की वर्तमान स्थिति के अनुसार पटना शहरी क्षेत्र के खतरनाक तथा अनुपयुक्त घाटों की सूची जारी की है। जिला प्रशासन की तरफ से पटना के कंटाही घाट, राजापुर पुल घाट, पहलवान घाट, बाँस घाट, बुद्धा घाट एवं नया पंचमुखी चौराहा घाट को खतरनाक घोषित किया है। इन घाटों पर छठ पूजा करने पर पूरी तरह से पाबंदी रहेगी। कलेक्टोरेट घाट एवं महेंद्रू घाट के एप्रोच रोड में वर्तमान समय में पानी है। जिला



प्रशासन द्वारा रास्ता बनाने का कार्य किया जा रहा है। एलसीटी घाट पर नदी के कटाव, पानी की गहराई, घाटों की भौगोलिक स्थिति इत्यादि बिंदुओं पर आकलन किया जा रहा है। इसके सुरक्षित या खतरनाक होने के बारे में 1-2 दिन में निर्णय लिया जाएगा। वैकल्पिक व्यवस्था के तहत एलसीटी घाट पर तालाब का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा जिला प्रशासन ने टीएन बनर्जी घाट, मिश्री घाट, जजेज घाट, अदालत घाट एवं गुलबी घाट को छठ पूजा के लिए अनुपयुक्त बताया है। यह वैसे घाट हैं जहां जल-स्तर काफी कम होने तथा दलदल होने के कारण छठ अर्घ्य के लिए उपयोगी नहीं है। बता दें कि आगामी 25 अक्टूबर से छठ महापर्व का चार दिवसीय अनुष्ठान शुरू होने जा रहा है, जिसको लेकर पटना के घाटों पर जिला प्रशासन की तरफ से तमाम तरह की व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

मांग : काव नदी लंबे वर्षों से पुल निर्माण नहीं होने से सिकरियां गांव के लोगों करेंगे वोट

- **सूचना मिलते ही स्थानीय अधिकारी गांव पहुंच लोगों से मिल सुनी समस्या**

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास जिला क्षेत्र के बिक्रमगंज प्रखंड के नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड 26 सिकरियां गांव के लोगों ने बुधवार को रोड नहीं तो वोट नहीं, काव नदी पर पुल का निर्माण करो आदि नारे के साथ काव नदी पर बने चाचर के पास प्रदर्शन किया । इसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंची कार्यपालक पदाधिकारी कोमल कुमारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील कुमार गौतम,कनीय अभियंता श्रीवंश सिंह ने लोगों को समझाने का प्रयास किया । लेकिन ग्रामीण मानने को तैयार नहीं थे । आपको बता दें कि आजादी के सात दशक से अधिक समय गुजर



गया,लेकिन सिकरियां के लोगों को अपने नगर में पहुंचने के लिए आज भी चाचर का सहारा लेना पड़ता है । वह भी चाचर गांव के लोग अपने स्वयं के खर्च से निर्माण करते है । इसमें भी सरकार का कोई सहयोग नहीं होता है । सिकरियां निवासी मंटू सिंह,राजनारायण सिंह,राजबल्लम सिंह,भोला सिंह सहित कई लोग बताते है कि बरसात के दिनों में जब काव नदी में बाढ़ आती है,तो चाचर को बहा ले जाती है और फिर चाचर का निर्माण करना पड़ता है । प्रत्येक वर्ष हजारों रुपये खर्च कर बिक्रमगंज बाजार में आने जाने के लिए चाचर का निर्माण करना होता है । इस संबंध में कई बार सांसद,विधायक और संबंधित अधिकारियों से आग्रह किया गया । लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है । जिससे विवश होकर वोट बहिष्कार का निर्णय लेना पड़ा है । जब तक वरीय अधिकारी द्वारा काव नदी पर पुल और सिकरियां तक जाने के लिए पथ के निर्माण का आश्वासन नहीं दिया जाता यहां के लोग लोकतंत्र के महापर्व मतदान में भाग नहीं लेंगे।

बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र में श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई गोवर्धन पूजा

केटी न्यूज/रोहतास

अनुमंडल क्षेत्र के सभी कस्बों में बुधवार को गोवर्धन पूजा का पर्व श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत गोबर से गोवर्धन पर्वत का प्रतीक बनाकर पूजा-अर्चना की और भगवान श्रीकृष्ण से समृद्धि एवं सुख-शांति की कामना की,सुबह से ही लोगों में धार्मिक उत्साह देखा गया। महिलाओं ने आंगन एवं घर के सामने सुंदर रंगोली सजाई और गोवर्धन पूजा के लिए विविध प्रकार के पकवान तैयार किए। वहीं बच्चों में भी पर्व को लेकर काफी उत्साह देखा गया। ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरी मोहल्लों तक पूजा स्थल पर लोगों



की भीड़ उमड़ पड़ी । पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को प्रसाद वितरण कर पर्व की बधाई दी। इस अवसर पर जगह-जगह कीर्तन,भजन और आरती का आयोजन भी किया गया,जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बन गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि गोवर्धन पूजा का यह पर्व सामूहिक एकता और प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है लोगों ने कहा कि यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र के अहंकार को तोड़ने और लोगों की रक्षा करने की स्मृति में मनाया जाता है।

एक नजर

घर में घुसे कोबरा सांप का सफल रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा गया सुरक्षित



काराकाट। काराकाट नगर पंचायत क्षेत्र गोड़ारी निवासी मंगलेश पाण्डेय के घर से एक वयस्क स्पेक्टिकल कोबरा के प्रवेश की सूचना समाज सेवी पप्पू तिवारी के द्वारा मिली। सूचना मिलते ही ग्रीन वाइल्ड फाउंडेशन के संस्थापक शिवम कुमार ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय वन विभाग टीम की सहायता से उस सर्प का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के बाद सर्प को सुरक्षित रूप से उसके प्राकृतिक आवास क्षेत्र में रिलीज किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों को शिवम कुमार ने बताया कि कोबरा भारत के चार प्रमुख विषैले सर्पों में से एक है, लेकिन यह कभी भी मनुष्यों पर आक्रमण नहीं करता,जब तक उसे उकसाया न जाए। ऐसे मामलों में तुरंत वन विभाग या प्रशिक्षित रेस्क्यूअर से संपर्क करें। स्थानीय लोगों ने इस साहसिक और जिम्मेदार पहल के लिए ग्रीन वाइल्ड फाउंडेशन की टीम का आभार व्यक्त किया। मौके पर ग्रीन वाइल्ड फाउंडेशन के सदस्य आकाश कुमार पाण्डेय तथा स्थानीय ग्रामीण लोग मौजूद थे।

सासाराम विधानसभा प्रत्याशी आशुतोष सिंह को आंख निकाल जान से मारने की मिली धमकी



सासाराम। जिला मुख्यालय सासाराम विधानसभा क्षेत्र 208 राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी विधायक उम्मीदवार आशुतोष सिंह को मिली दोनों आंख निकाल कर जान लेनें की धमकी सासाराम विधानसभा 208 के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी विधायक उम्मीदवार आशुतोष सिंह ने नगर थाना में जन सुराज पार्टी प्रत्याशी बिनय कुमार सिंह पर आंख निकालने तथा हत्या करने की धमकी की शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले में एनसीपी प्रत्याशी आशुतोष सिंह ने रोहतास एसपी रौशन कुमार से सुरक्षा की मांग तथा कारवाई की गुहार लगाई। एसपी रौशन कुमार ने एनसीपी प्रत्याशी को सुरक्षा मुहैया कराने के लिए आश्वासन भी दिया है। एनसीपी प्रत्याशी आशुतोष सिंह ने बताया कि सासाराम में स्क्रटुनी के दौरान जन सुराज के प्रत्याशी विनय कुमार सिंह के दो जगह वोटर लिस्ट में नाम होने की शिकायत पर उन्होंने एसडीएम कार्यालय गेट के समीप आग बबूला हो उठे और दोनों आंख निकाल कर निर्मम हत्या करने की धमकी दी है। जिसकी शिकायत नगर थाना सासाराम में दर्ज कराते हुए रोहतास एसपी से मुलाकात कर जानकारी दी। जिस पर एसपी रौशन कुमार ने आवेदन पर जांच कर कड़ी कार्रवाई करने और सुरक्षा मुहैया कराने की आश्वासन दी है।

गोवर्धन पूजन पर सांस्कृतिक एवं दंगल कार्यक्रम का आयोजन

राजपुर । प्रखंड क्षेत्र के राजपुर पंचायत में बकस बाबा स्थित भगवान श्रीकृष्ण की मंदिर में मंत्र उच्चारण के साथ भव्य पूजन की गई। जिसकी अध्यक्षता नन्हकु सिंह एवं संचालन मनोज कुमार ने की। अवसर पर गोवर्धन पूजन के बाद विभिन्न प्रदेशों सहित अन्य जिलों से आए हुए पहलवान पुरुषों के साथ दंगल का कार्यक्रम आयोजित हुई। आयोजित दंगल प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के झांसी से महिला प्रतिभागियों के बीच दंगल का खेल प्रस्तुत किया गया। जो महिला प्रतियोगिता राजपुर प्रखंड में पहली बार आयोजन होने से उसे देखने के लिए जनता की भी भीड़ उमड़ पड़ी। जिसे देख लोगों ने भी इसे काफी सराहा। मौके पर राजपुर प्रखंड प्रमुख कुंती देवी, मुखिया रंजू देवी, सोमेश्वर सिंह, बाबू राम सिंह, कालिका सिंह, संतोष सिंह, गोलू तिवारी, अजय सिंह, मदन तिवारी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

बिहार चुनाव से पहले भाजपा की जोरदार तैयारी, जेपी नड्डा और अमित शाह कल से संभालेंगे चुनावी मोर्चा

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कल बिहार दौरे पर पटना आ रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर औरंगाबाद के गोह और वैशाली के पातेपुर विधानसभा क्षेत्र में वो चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे। वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव प्रचार अभियान की शुरूआत करने से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी कल 23 अक्टूबर को पटना पहुंचेंगे। अमित शाह तीन दिवसीय बिहार दौरे पर रहेंगे। पटना पहुंचने के बाद अमित शाह बीजेपी के प्रमुख नेताओं के साथ बैठक करेंगे। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कल 23 अक्टूबर की सुबह 11 बजे पटना एयरपोर्ट पहुंचेंगे। पटना एयरपोर्ट से वो औरंगाबाद स्थित गोह के लिए रवाना होंगे। जेपी नड्डा दोपहर 12 बजे गोह विधानसभा के हाई स्कूल खेल मैदान (बड़ी फील्ड) हसपुरा में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद जेपी नड्डा वैशाली के पातेपुर विधानसभा के लिए रवाना होंगे। जेपी नड्डा 2 बजे पातेपुर में श्री रामचंद्र सिंह उच्च विद्यालय के खेल मैदान में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। वही केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी 23 अक्टूबर से तीन दिवसीय बिहार दौरे पर रहेंगे। 23 अक्टूबर को पटना पहुंचने के बाद अमित शाह पार्टी के प्रमुख नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे।

बिहार के भागलपुर से बड़हरवा 2 नई रेलवे लाइनें बिछाने की तैयारी

■ खर्च होंगे कुल 4879 करोड़



एजेंसी। पटना

बिहार के रेल नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया जा रहा है। पूर्वी रेलवे ने बड़हरवा से भागलपुर के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाने का प्रस्ताव मंत्रालय को भेजा है, जिसकी कुल लंबाई 256 किलोमीटर (128-128 किमी) होगी। इस परियोजना पर अनुमानित खर्च 4879.63 करोड़ रुपये है, जिसमें जमालपुर-भागलपुर के बीच तीसरी लाइन (53 किमी) के लिए 1156 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। यह राशि भूमि अधिग्रहण और निर्माण के लिए होगी और काम को तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य है। रेलवे के आकलन के मुताबिक, इससे सालाना 538 करोड़ रुपये का वित्तीय लाभ और 1341 करोड़ का व्यावसायिक लाभ होगा, यह कोसी-सीमांचल और उत्तर बिहार के लिए वरदान साबित होगा।यह परियोजना बिहार के पूर्वी हिस्से में माल ढुलाई की रफ्तार को दोगुना कर देगी। अभी दो लाइनों पर सवारी और मालगाड़ियां चलती हैं, जिससे ट्रेनें अक्सर रुकती रहती हैं, सवारी गाड़ियां या तो माल गाड़ी को रोकती हैं या उल्टा मालगाड़ियां ही पैसेंजर ट्रेनों को लेट कर देती हैं। नई लाइनों से ट्रेनें आसानी से पार हो सकेंगी, खाद्य सामग्री, कोयला और अन्य सामान को समय पर पहुंचाया जा सकेगा। व्यापारियों को अब कोल्ड स्टोरेज या वेयरहाउस में माल रखने का खर्च नहीं उठाना पड़ेगा, क्योंकि लोडिंग तुरंत हो सकेगी। जमालपुर के लोकोमोटिव वर्कशॉप और भागलपुर के इंडस्ट्रियल बेल्ट को इससे सीधा फायदा मिलेगा और सहरसा, पूर्णिया जैसे इलाकों की कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी। रेलवे ने इस प्रोजेक्ट को ढट गति शक्ति योजना से जोड़ा है, यह प्रोजेक्ट मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी पर फोकस करती है। जमालपुर-भागलपुर थर्ड लाइन को कैबिनेट ने अगस्त 2025 में मंजूरी दे दी है और अब फोर्थ लाइन का प्रस्ताव फाइनल स्टेज में है। इससे तेजस एक्सप्रेस जैसी सेमी-हाई स्पीड ट्रेनों का रूट साफ होगा और वंदे भारत, अमृत भारत जैसी नई ट्रेनें चलाने का रास्ता बनेगा। ट्रैक किनारों पर फेसिंग का काम भी चल रहा है, ताकि स्पीड बढ़ सके। पूर्वोत्तर राज्यों के लिए माल ढुलाई में समय की बचत से रेलवे का राजस्व बढ़ेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

छठ से पहले बिहार सरकार का कर्मचारियों-पेंशनर्स के लिए खास तोहफा, अक्टूबर माह की सैलरी जल्द होगा जारी



एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने वित्त विभाग के माध्यम से सभी विभागों के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए अक्टूबर 2025 का वेतन 21 अक्टूबर से अग्रिम भुगतान करने का आदेश जारी किया है। यह निर्णय राज्य में आने वाले प्रमुख त्योहारों और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। सरकारी आदेश के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को वित्तीय राहत देना और उन्हें समय पर आर्थिक सुविधा प्रदान करना है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, यह अग्रिम वेतन भुगतान दीपावली और छठ पर्व जैसी महत्वपूर्ण त्योहारी आवश्यकताओं को देखते हुए किया गया है। दोनों पर्व बिहार में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इस दौरान पारिवारिक खर्चों में वृद्धि हो जाती है। इसलिए सरकार ने यह निर्णय लिया कि कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को आर्थिक सुविधा पहले ही उपलब्ध कराई जाए। वहीं, इस संबंध में निर्वाचन आयोग ने भी सरकार के इस कदम पर सहमति दी है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि वेतन अग्रिम भुगतान किया जा सकता है, बशर्ते कि इसके माध्यम से किसी भी राजनीतिक लाभ का प्रयास न किया जाए और आचार संहिता का पूर्ण पालन किया जाए। आयोग ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले किसी भी कदम की अनुमति नहीं दी जाएगी। वित्त विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के खाते में अक्टूबर 2025 का वेतन 21 अक्टूबर से सुनिश्चित करें। अधिकारियों ने यह भी बताया कि वेतन भुगतान में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए और सभी तकनीकी एवं प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। साथ ही, बिहार सरकार ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के माध्यम से एक महत्वपूर्ण आदेश भी जारी किया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि राज्य के माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत सभी शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मियों की संख्यात्मक जानकारी तीन दिनों के भीतर अपलोड करें। यह जानकारी गूगल शीट लिंक या दफ कोड के माध्यम से भेजी जानी है। निदेशक सज्जन आर. ने इस संबंध में पत्र जारी करते हुए कहा कि यह आंकड़ा संग्रहण प्रक्रिया राज्य के शिक्षा ढांचे को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी समय पर और सटीक आंकड़े अपलोड करें, ताकि शिक्षा विभाग को कर्मचारियों की वास्तविक स्थिति का स्पष्ट और अद्यतन डेटा प्राप्त हो सके। ,विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता लाने में मदद करेगा। इसके अलावा, यह उपाय शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की संख्या, उनके कार्यक्षेत्र और उपलब्ध संसाधनों के उचित प्रबंधन में भी सहायक होगा। इससे पहले भी बिहार सरकार ने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए समय पर वेतन भुगतान को सुनिश्चित करने के कई कदम उठाए हैं। अब जब त्योहारों का मौसम है और विधानसभा चुनाव करीब है, सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की वित्तीय समस्याओं का समाधान समय रहते किया जाए।

शिक्षा विभाग का आदेश

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत सभी शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मियों की संख्यात्मक जानकारी तीन दिनों के भीतर गूगल शीट लिंक या दफकोड के माध्यम से अपलोड की जाए। निदेशक सज्जन आर. ने इस संबंध में पत्र जारी किया है।

मेडिकल कालेज अस्पताल में अवकाश रद्द

जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कालेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अविलेस कुमार ने राज्य मुख्यालय के निर्देश पर सभी चिकित्सक, पदाधिकारी और कर्मचारियों का अवकाश रद्द कर दिया है। पत्र में कहा गया है कि यदि किसी को विशेष अवकाश की आवश्यकता होगी तो उस पर विचार किया जा सकता है। यह निर्णय आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए लिया गया है।

एक नजर

बिहार में दर्दनाक सड़क हादसा, खड़े ट्रक में तेज रफ्तार पिकअप वैन ने मारी टक्कर, तीन लोगों की मौत

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय में एनएच-31 फोरलेन पर एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के शिवचंद्रपुर ढाला के पास हुआ, जहां एक लोडेड पिकअप ने सड़क किनारे खड़ी ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि पिकअप का आधा हिस्सा ट्रक के अंदर घुस गया। हादसे में पिकअप ड्राइवर समेत तीनों की मौत मौके पर ही हो गई। मृतकों की पहचान भागलपुर जिले के बीरबन्ना गांव निवासी मो. तनवीर (18), मो. कमाल (45) और मो. नवाब (20) के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, तीनों मृतक बोरिंग गाड़ने का काम करते थे। एक सप्ताह पहले वे काम के सिलसिले में बनारस गए थे। वहां से लौटते वक्त हादसे का शिकार हो गए। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर वाहन लेकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही साहेबपुर कमाल थाना अध्यक्ष सिंटू कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पिकअप के केबिन में फंसे शवों को बाहर निकाला और वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर जांच शुरू की। थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजनों को सूचित कर दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

हायाघाट में बीजेपी विधायक रामचंद्र साहू के खिलाफ फूटा जनता का गुस्सा, ग्रामीणों ने गांव से बाहर जाने को कहा

हायाघाट। हायाघाट विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एवं स्थानीय विधायक रामचंद्र साहू को जनता के गुस्से का सामना करना पड़ गया। क्षेत्र के अटहर पंचायतों के अटहर चौक पर ग्रामीणों ने जमकर नारेबाजी की और उन्हें गांव से बाहर जाने को मजबूर कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पिछले पांच साल में क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं हुआ है। सड़क, नाला, बिजली, पानी और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं की हालत बद से बदतर है। लोगों का कहना है कि विधायक रहते हुए साहू ने क्षेत्र की समस्याओं पर कभी ध्यान नहीं दिया। ग्रामीण का कहना है कि इनकी जीत सिर्फ बीजेपी के नाम पर होती है। जनता पार्टी को देखकर वोट दे देती है, लेकिन ये उसका फायदा उठाते हैं। वही विधायक ने अपना पक्ष रखने से इनकार कर दिया।

जहानाबाद में जदयू प्रत्याशी चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी का ग्रामीणों ने किया विरोध, युवाओं ने मांगा 5 साल का हिसाब जहानाबाद जिले में दूसरे चरण

जहानाबाद। नवंबर को मतदान होना है, जिसको लेकर प्रत्याशियों का लगातार प्रचार प्रसार जारी है. जहानाबाद विधानसभा से जदयू प्रत्याशी चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को बनाया गया है, जो जहानाबाद जिले से जदयू के पूर्व सांसद भी रह चुके हैं. एक बार फिर से जदयू इन पर भरोसा जताते हुए जहानाबाद विधानसभा का प्रत्याशी बनाया है। जदयू प्रत्याशी के रूप में नामांकन करने के बाद चंदेश्वर चंद्रवंशी लगातार गांव गांव का दौरा कर रहे हैं और लोगों से अपने पक्ष में वोट देने का अपील भी कर रहे हैं। इसी क्रम में चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी का आज जहानाबाद बिधान सभा के रतनी फरीदपुर प्रखंड अंतर्गत पोखमा गांव में जमकर विरोध हुआ। वो अपने पक्ष में वोट मांगने गए थे और प्रचार प्रसार कर रहे थे। इसी बीच में पोखमा गांव के ग्रामीणों ने विरोध करना शुरू कर दिया। गांव के युवा इनसे पिछले 5 साल का हिसाब मांग रहे थे। चंद्रवंशी के सांसद कार्यकाल के दौरान किये गये विकास कार्यों का लेखा-जोखा मांगने लगे। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि युवा वर्ग इनका जमकर विरोध कर रहे थे।

पटना में दीपावली के दौरान 80+ लोग घायल : एम्स, पीएमसीएच, IGIIMS में मरीजों की भारी भीड़



एजेंसी। पटना

बिहार के पटना में दीवाली जश्न के बीच पटाखों से 80 से ज्यादा लोग घायल। एम्स, पीएमसीएच, क्क्क्क्क्र में मरीजों की भारी भीड़, नेत्र विभाग में भी कई लोगों को करना पड़ा भर्ती.दीवाली के दौरान बीते दो दिनों में पटाखों, दीयों और आतिशबाजी से पटना में 80 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। शहर के प्रमुख अस्पतालों एम्स, पीएमसीएच और क्क्क्क्क्र में रात भर मरीजों की लाइन लगी रही। अधिकांश मामलों में हाथों पर जलन, चेहरे पर चोटें और आंखें बारूद की चपेट आई, हालांकि, अस्पतालों ने साफ किया कि किसी की जान नहीं गई है।सबसे गंभीर मामला एम्स पटना का रहा, जहां एक युवक के पटाखे फोड़ते समय दोनों हाथ बुरी तरह से झुलस गए। प्लास्टिक सर्जरी विभाग की प्रमुख डॉ. वीणा सिंह ने बताया कि सर्जरी के दौरान उसकी एक उंगली काटनी पड़ी। अस्पताल में पटाखों से घायल करीब 30 मरीज पहुंचे, जिनमें से 6 को भर्ती करना पड़ा। नेत्र विभाग में भी हड़कंप मचा, बारूद की चिंगारियों से 15 मरीजों की आंखें प्रभावित हुईं, जिनकी उम्र 8 से 40 साल के बीच थी। डॉक्टरों का कहना है कि कुछ मामलों में रोशनी पर असर पड़ा है, लेकिन समय पर इलाज से बचाव संभव हो पाया। पीएमसीएच में सोमवार रात 15 मरीज पटाखों और दीयों की चपेट में आकर पहुंचे। अधीक्षक डॉ. आई.एस. ठाकुर ने बताया कि एक महिला के कपड़े दीए की आग से जल गए, जिसके कारण उसे भर्ती करना पड़ा। बाकी मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। इसी तरह, क्क्क्क्क्र में 11 घायल आए, जिनमें हाथ, चेहरा और अन्य अंगों पर चोटें थीं। नेत्र रोग विभागों में पीएमसीएच और क्क्क्क्क्र मिलाकर 15 मरीजों का इलाज चला।

पत्नी चंदा के साथ खेसारी लाल यादव ने किया रोड शो



एजेंसी। पटना

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और सिंगर खेसारी लाल यादव और उनकी पत्नी चंदा देवी ने आज बुधवार को छपरा विधानसभा क्षेत्र के प्रभुनाथ नगर में भव्य रोड शो किया। इस दौरान हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उमड़े और अपने चहेते कलाकार को देखने के लिए उत्साहित नजर आए। लेकिन देखना यह होगा कि यह भीड़ वोट मे कितना परिवर्तित होता है। उरोड शो के दौरान खेसारी लाल यादव ने वहां की जनता को संबोधित करते हुए कहा, मैं छपरा का बेटा हूँ। मुझे आप लोगों से कुछ नहीं चाहिए, सिर्फ आपका आशीर्वाद चाहिए। उन्होंने कहा कि भोजपुरी सिनेमा से उन्हें जो भी प्रसिद्धि और दौलत मिली है, वह सब जनता की कृपा का नतीजा है। अपने गानों को लेकर उठने वाले विवादों पर उन्होंने कहा कि हां, हमसे गाने में गलतियाँ हुई हैं, लेकिन हमारे गीतों की वजह से छपरा में नाले नहीं भरे, जलजमाव नहीं हुआ, सड़कें नहीं टूटीं और न ही कोई विकास रुका। उन्होंने यह भी कहा कि अब समय छपरा को बदलने का है इसलिए हम राजनीति में कदम रख रहे हैं। खेसारी लाल ने कहा कि छपरा उनका घर है और वे इसे साफ-सुथरा, सुंदर और विकसित शहर बनाना चाहते हैं। उन्होंने लोगों से भावनात्मक अपील करते हुए कहा कि वे राजनीति में सेवा के उद्देश्य से आए हैं, न कि पद या लाभ के लिए। उनका लक्ष्य युवाओं को रोजगार, महिलाओं को सुरक्षा और शहर को बुनियादी सुविधाएं देना है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक सवार युवक को टक्कर मारी, दो की मौत

एजेंसी। पटना

भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के तेंदूनी मोड़ के पास शुक्रवार की सुबह एक भयानक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही इलाके में कोहराम मच गया और सड़क पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कॉर्पियो की रफ्तार बेहद अधिक थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के तुरंत बाद वाहन चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया, जिससे स्थानीय लोगों में गुस्सा और आक्रोश उत्पन्न हो गया। जगदीशपुर थाना पुलिस ने सूचना मिलते ही तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। सड़क पर जमा भीड़ को नियंत्रित किया गया और दुर्घटना स्थल से मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेजा गया। मृतकों की पहचान राजा कुमार (24 वर्ष), पुत्र छोटक राम, निवासी खपटहां गांव, वार्ड संख्या 5, जगदीशपुर थाना क्षेत्र, और रोहित कुमार (25 वर्ष), पुत्र विनोद साह, निवासी गहबर टोला, पीरो थाना क्षेत्र के रूप में हुई। दोनों मृतक गहरे दोस्त थे और निजी काम से बाइक पर जा रहे थे। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सड़क पर गिरते ही युवकों की जान चली गई। स्थानीय लोग बताते हैं कि दोनों हमेशा एक-दूसरे के साथ रहते थे और उनकी अचानक मौत ने गांवों में मातम छा दिया है। खपटहां और गहबर टोला के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस हादसे के बाद करीब दो घंटे तक तेंदूनी मोड़ पर यातायात पूरी तरह ठप रहा। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त स्कॉर्पियो को कब्जे में ले लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के प्रति गंभीर कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि तेज रफ्तार वाहन और सड़क पर लापरवाही की वजह से आए दिन हादसे होते रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए और तेज रफ्तार वाहनों पर कड़ाई से कार्रवाई हो। जगदीशपुर थाना प्रभारी ने कहा, ह्महमने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम आरोपी वाहन चालक की खोज में लगी है। हादसे की सारी जानकारी जुटाकर जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हम लोगों से अपील करते हैं कि सड़क पर हमेशा सतर्क रहें और यातायात नियमों का पालन करें। सड़क हादसे की यह घटना सिर्फ परिवारों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे इलाके के लिए एक चेतावनी है। स्थानीय लोग कहते हैं कि सड़क पर अक्सर वाहन अत्यधिक रफ्तार में चलते हैं, जिससे सामान्य लोग भी सुरक्षित नहीं रह पाते। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क पर सुरक्षा बंप, चेतावनी बोर्ड और वाहन रफ्तार को नियंत्रित करने के लिए कैमरों की स्थापना की भी मांग की है। विशेषज्ञों का कहना है कि सड़क सुरक्षा की उपेक्षा और तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। उन्हें निर्देशित करना, वाहन चालकों के लिए यातायात नियमों का पालन करना और जागरूकता फैलाना अति आवश्यक है।

बिहार : सुल्तानगंज ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण के लिए 472.72 करोड़ रुपये किया जारी



एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए सुल्तानगंज ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण के लिए 472.72 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। यह राशि जिला प्रशासन के खाते में एक सप्ताह पहले ही हस्तांतरित हो चुकी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कैबिनेट ने अक्टूबर की शुरूआत में ही इसकी मंजूरी दी थी और अब धनराशि के साथ परियोजना ने गति पकड़ ली है। यह सपना रातोंरात साकार नहीं हुआ। भागलपुर हवाई जहाज सेवा संघर्ष समिति ने 2022 से आंदोलन की कमान संभाली, जिसमें संयोजक कमल जायसवाल ने दीप नारायण सिंह स्मारक घंटाघर पर 33 दिनों तक उपवास किया। डॉ. आनंद मिश्रा, प्रो. सुरेश यादव, प्रो. मनोज सिन्हा, ब्रजेश साह जैसे सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई, जबकि महिलाओं ने संगीता तिवारी, सुनंदा रक्षित, पिंकी बगुरिया की अगुवाई में मोर्चा संभाला। सांसद अजय मंडल ने केंद्र में, विधायक पवन यादव ने विधानसभा में, जबकि अजीत शर्मा, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने विभिन्न स्तरों पर पहल की। मीडिया और यूट्यूब पत्रकारों की लगातार कवरेज ने भी सरकार का ध्यान खींचा। समिति ने दीवाली की पूर्व संध्या पर मिठाई बांटकर और आतिशबाजी करके खुशी का इजहार किया और साथ ही मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी और सभी नेताओं का आभार माना। 931 एकड़ जमीन पर बनने वाला यह एयरपोर्ट वऊअठ स्कीम के तहत विकसित होगा और भागलपुर को बिहार का प्रमुख हवाई केंद्र बना देगा। सुल्तानगंज की रणनीतिक लोकेशन देवघर, अजगैबीनाथ धाम जैसे तीर्थस्थलों के करीब होने से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही निर्माण से रोजगार सृजन होगा, लॉजिस्टिक्स, रिटेल और ट्रांसपोर्ट सेक्टर मजबूत होंगे। यह एयरपोर्ट पटना, गया और दरभंगा के मौजूदा एयरपोर्ट्स के बोझ को कम करेगा। राज्य सरकार ने सहरसा एयरपोर्ट विस्तार के लिए भी 147.76 करोड़ मंजूर किए हैं।

निर्दलीय प्रत्याशी की गाड़ी से पिस्टल और राइफल बरामद, चुनाव आयोग ने मांगी रिपोर्ट

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान सीवान जिले से बड़ी खबर सामने आई है। यहां एक निर्दलीय प्रत्याशी के वाहन से हथियार बरामद होने का मामला सामने आया है। यह बरामदगी वाहन चेकिंग के दौरान हुई। जानकारी के मुताबिक, जिले के महाराजगंज अनुमंडल के पुरानी बाजार निवासी राज किशोर गुप्ता, जो महाराजगंज से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, उनकी स्कॉर्पियो गाड़ी की पुलिस द्वारा जांच की गई। इस दौरान वाहन से एक पिस्टल और एक राइफल बरामद की गई है। बताया जा रहा है कि ये दोनों हथियार बिना परमिशन के ले जाए जा रहे थे।चुनाव को देखते हुए प्रशासन पहले से ही अलर्ट मोड में है। टू व्हीलर से लेकर फोर व्हीलर तक सभी वाहनों की सघन जांच की जा रही है। इसी क्रम में राज किशोर गुप्ता की गाड़ी की तलाशी ली गई थी।पुलिस ने बताया कि यह जांच मलमलिया मेन रोड पर की जा रही थी। उसी दौरान जब प्रत्याशी से हथियार के कागजात मांगे गए तो वे दस्तावेज नहीं दिखा सके। इसके बाद पुलिस ने हथियार को जब्त कर लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। आपको बता दें कि चुनाव आयोग ने सभी जिलों को सख्त निर्देश दिए हैं कि चुनाव शांतिपूर्ण और स्वच्छ माहौल में कराया जाए।

सुभाषितम्

शिक्षा सबसे अच्छी मित्र है। एक शिक्षित व्यक्ति हर जगह सम्मान पता है। -चाणक्य

बहुत ही नाजुक डोर से बंधा पाक-अफगान सीजफायर

दुनियां आज उस दौर से गुजर रही है, जहां चारों ओर बारुद के ढेर पर खड़े होकर आग का तमाशा दिखाने और देखने वालों का मजमा लगा हुआ है। ऐसे में शांतिप्रिय देशों और उनके लीडरों को आगे आना चाहिए, ताकि तृतीय विश्वयुद्ध की आशंकाओं से दुनियां को बाहर निकाला जा सके। यह अलग बात है कि जो देश और लीडर शांति स्थापित करने में अहम भूमिका अदा कर सकते हैं वो भी किसी न किसी रुप में युद्ध में उलझे नजर आते हैं। चिंता की बात तो यह भी है, कि जो शक्तिसंपन्न राष्ट्र हैं वो भी बात तो शांति की करते हैं, लेकिन युद्ध को जारी रखने और ज्यादा भयावह बनाने के लिए जरुरत से ज्यादा जंग का साजो-सामान मुहैया कराने से गुरेज भी नहीं कर रहे हैं। नतीजा यह, कि विकासशील और अविकसित छोटे-छोटे देश भी कर्ज लेकर खुद को सामरिक तौर पर मजबूत बनाने में लगे हुए हैं। इस स्थिति में शांति के साथ दुनियां को बेहतर भविष्य देने वालों का हाल क्या होगा, आसानी से समझा जा सकता है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि बारुद के ढेर को उड़ाने के लिए माचिस की एक तिली ही काफी होती है, लेकिन उस आग को काबू पाने में तमाम कोशिशें नाकाम साबित हो जाती हैं। इसलिए बारुद का ढेर बनाने और उस पर नाचने वालों को रोकना होगा। इसके लिए सबसे पहले जरुरी हो जाता है कि पड़ोसी मुल्क जंग में उतरने की बजाय मानवता के नाम पर शांति और सहअस्तित्व को अपनाते हुए शांतिपथ पर अग्रसर हों। फिर चाहे वह रुस और यूक्रेन की जंग हो या फिर गाजा में इजराइल और हमास के बीच शांति समझौते के बाद हो रहे हमले हों, इन्हें रुकना ही चाहिए। जहां तक पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष की बात है तो इसे भी समय रहते रोका जाना चाहिए, क्योंकि इसकी आंच पड़ोसी देशों तक पहुंचने में देर नहीं करेगी। राहत की बात यह है, कि हाल ही में हुए खूनी संघर्ष के बाद दोनों देशों ने एक अस्थायी युद्धविराम (सीजफायर) पर सहमति तो बना ली है, लेकिन यह समझौता उतना ही कमजोर और अस्थिर है जितनी कि किसी नाजुक डोर पर तेज हवा में अठखेलियां करती पतंग। पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया है कि यह सीजफायर बहुत नाजुक लाइन पर टिका हुआ है। वहीं अफगानिस्तान ने साफ शब्दों में कहा है, कि पाकिस्तान अपने ही राजनीतिक विरोधियों को आतंकवादी कहकर बदनाम करता है और अपने अंदर झांकने को तैयार नहीं है। दरअसल, इस्लामाबाद और काबुल के बीच का समझौता तुर्की और कतर की मध्यस्थता में हुआ, जिसमें यह तय हुआ कि दोनों देश एक-दूसरे की सीमाओं का उल्लंघन नहीं करेंगे और किसी भी प्रकार की घुसपैठ को रोकेंगे। इस समझौते के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, कि यह सीजफायर तभी कायम रहेगा जब अफगान की तालिबान सरकार पाकिस्तान पर हमला करने वाले समूहों पर सख्ती से लगाम लगाएगी। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, अफगानिस्तान से आने वाली कोई भी चीज इस समझौते का उल्लंघन होगी। सब कुछ इसी एक लाइन पर टिका है। कुल मिलाकर ख्वाजा आसिफ का यह बयान बताता है कि पाकिस्तान को तालिबान पर भरोसा नहीं है। एक वजह यह हो सकती है कि पाकिस्तान डरा हुआ है, कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल उसके खिलाफ करने की साजिशें फिर से शुरू हो सकती हैं। खासकर पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) जैसे संगठन, जो वर्षों से इस्लामाबाद के लिए सिरदर्द बने हुए हैं, उनकी गतिविधियों पर पाकिस्तान की चिंता लाजमी है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान ने भी पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने चेताते हुए कहा, सभी पक्षों को समझौते के हर प्रावधान का पालन करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा, काबुल इन शर्तों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है, लेकिन अगर पाकिस्तान अपने दायित्वों को पूरा नहीं करता है, तो इससे समस्याएं पैदा होंगी।

चिंतन-मनन

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं। महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया। भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं। अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं।

भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक भाई दूज

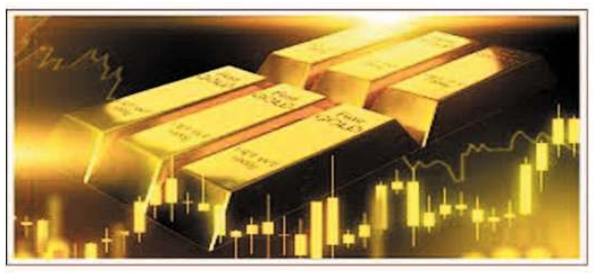
-किशन सनमुखदास भावनानी



वैश्विक स्तरपर भाई दूज,यह पर्व न केवल दीपावली के पांच दिवसीय महोत्सव का समापन करता है,बल्कि पारिवारिक संबंधों में निहित स्नेह, प्रेम और सुरक्षा की भावना का दिव्य उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। जहां धनतेरस से दीपावली की शुरूआत होती है,वहीं भाई दूज उस श्रृंखला का भावनात्मक चरम है, जब बहन अपने भाई की दीघार्यु और समृद्धि की मंगल कामना करती है। 21अक्टूबर 2025, मंगलवार को मनाया जाने वाला यह पर्व केवल भारतीय समाज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आज यह विश्वभर में प्रवासी भारतीयों के बीच पारिवारिक एकता, आत्मीयता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बन चुका है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं, कि भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के संबंध को सबसे पवित्र और आत्मीय रिश्ता माना गया है। रक्षाबंधन और भाई दूज,दोनों पर्व इस रिश्ते की गरिमा को दशार्ते हैं, किंतु दोनों में एक सूक्ष्म अंतर है।रक्षाबंधन पर बहन अपने भाई को रक्षा सूत्र बांधकर उसकी रक्षा की कामना करती है और भाई वचन देता है कि वह अपनी बहन की हर परिस्थिति में रक्षा करेगा। इस दिन भाई अपनी बहन को अपने घर बुलाता है।वहीं भाई दूज पर परंपरा उलट जाती है,बहन अपने भाई को अपने घर आमंत्रित करती है, उसका स्वागत करती है, तिलक लगाती है,भोजन कराती है और उसकी लंबी उम्र व समृद्धि की मंगलकामना करती है। यह भूमिका का परिवर्तन इस बात का प्रतीक है कि रिश्तों की गरिमा एकतरफा नहीं, बल्कि परस्पर है। जैसे भाई बहन की रक्षा करता है, वैसे ही बहन भी अपने स्नेह और शुभकामनाओं से भाई के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और संतुलन भरती है।भारत के विविध प्रांतों में तथा वैश्विक स्तरपर भाई दूज को अलग-अलग नामों और रीति- रिवाजों से मनाया जाता है।उत्तर भारत में इसे ह्यभाई दूजह्न कहा जाता है, जहां बहनें अपने भाई को तिलक लगाकर भोजन कराती हैं। महाराष्ट्र और गोवा में इसे ह्यभाऊबीजह्न कहा जाता है,जहां बहनें आरती कर भाई को पान, सुपारी और मिठाई देती हैं।बंगाल में इसे ह्यभाई फोटाह्न कहा जाता है,और यहां बहनें अपने भाइयों को चंदन का तिलक लगाती हैं तथा विशेष मंत्र का उच्चारण करती हैं।नेपाल में इसे ह्यभाई टीकाह्न कहा जाता है, जो वहां का राष्ट्रीय त्योहार है और पाँच दिन तक चलने वाले तिहार उत्सव का हिस्सा है।21वीं सदी में जब दुनियाँ तकनीकी रूप से जुड़ रही है लेकिन भावनात्मक रूप से दूर हो रही है,तब भाई दूज जैसे पर्व वैश्विक समाज को यह सिखाते हैं कि मानवता की सबसे बड़ी शक्ति रिश्ते हैं अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और खाड़ी देशों में बसे प्रवासी भारतीय आज इस पर्व को धूमधाम से मनाते हैं। वहां की भूमि पर यह केवल भारतीयता का प्रतीक नहीं बल्कि संस्कृति के अंतरराष्ट्रीय संवाद का माध्यम बन चुका है।भाई दूज आज विश्व समुदाय को यह संदेश देता है कि सच्चे संबंध स्वार्थ से नहीं, बल्कि आत्मीयता से बनते हैं। यह पर्व वैश्वीकरण की दौड़ में पारिवारिक मूल्यों के संरक्षण का जीवंत उदाहरण है।सभी परंपराओं में भाव एक ही है,भाई की सुरक्षा और बहन के स्नेह का सम्मान। यही विविधता भारतीय संस्कृति की एकता में अनेकता का सबसे चूँकि भाई दूज 2025-दीपावली रूपी माला का पांचवा और अंतिम चमकता मोती,स्नेह, सौहार्द और प्रीति का अंतिम दीप हैं,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से व इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगेभाई दूज 2025-भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के प्रेम और कर्तव्य का वैश्विक प्रतीक हैं। साथियों बात अगर हम, भाई दूज के सामाजिक और पारिवारिक आयाम को समझने की करें तो,आधुनिक समाज में जहां परिवार छोटे होते जा रहे हैं और रिश्तों में दूरी बढ़ रही है, वहां भाई दूज जैसे पर्व सामाजिक एकता और पारिवारिक पुनर्संयोजन का अवसर प्रदान करते हैं। इस दिन बहनें अपने मायके जाती हैं, पुराने संबंधों को फिर से जीवित करती हैं और भावनात्मक संवाद का सेतु बनाती हैं।भाई दूज का पर्व हमें यह सिखाता है कि परिवार केवल रक्त संबंध नहीं, बल्कि भावनाओं की बुनावट है। जिस घर में यह पर्व मनाया जाता है, वहां स्नेह, आस्था और संवाद का वातावरण स्वतः निर्मित हो जाता है।यह पर्व विशेष रूप से महिलाओं के सम्मान और उनकी भूमिका की पहचान का भी अवसर है। बहन को ह्यसद्भावना की वाहकह्न और ह्यआशीर्वाद की प्रदात्रीह्न के रूप में देखा जाता है, जो अपने भाई के लिए प्रेम का दीप जलाती है। साथियों बात अगर हम भाई दूज 2025 आध्यात्मिकता, परंपरा और आधुनिकता का संगम को समझने की करें तो, भाई दूज 2025 के आगमन के साथ दीपावली की श्रृंखला पूर्ण होती है, लेकिन उसके साथ ही यह पर्व एक नवीन आरंभ का प्रतीक भी है। यह दिन केवल भाई और बहन के मिलन का नहीं, बल्कि परिवार, समाज और संस्कृति के पुनर्संयोजन का भी अवसर है।आधुनिक समाज में जहां रिश्ते डिजिटल माध्यमों तक सीमित हो रहे हैं,वहां भाई दूज हमें सिखाता है कि स्पर्श, स्नेह और साथ का कोई विकल्प नहीं।जब बहन तिलक लगाती है, तब वह केवल प्रतीकात्मक क्रिया नहीं कर रही होती, बल्कि वह भाई के जीवन में संरक्षण, आशीर्वाद और शुभता का संचार कर रही होती है। यही उस प्रेम की शक्ति है जो न समय, न दूरी और न मृत्यु से बंधी होती है। साथियों बात अगर हम,भाई दूज का वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक पहलू को समझने की करें तो, भारतीय त्यौहार केवल धार्मिक न होकर वैज्ञानिक और मनो वैज्ञानिक दृष्टि से भी गहरे अर्थ रखते हैं। भाई दूज का पर्व दीपावली के बाद आता है,जब वातावरण में ठंड का आगमन होता है, खेतों में नई फसलें आने लगती हैं और परिवार एक साथ समय बिताते हैं। यह मौसम सामाजिक एकत्रीकरण और मानसिक नवजीवन के लिए उपयुक्त होता है।भाई दूज पर तिलक लगाने की परंपरा का भी वैज्ञानिक आधार है। चंदन, कुमकुम और अक्षत का प्रयोग मस्तक के उस भाग (अज्ञा चक्र) पर किया जाता है जो मन की शांति और सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र है। इस तिलक से शरीरमें ऊर्जा संतुलित होती है और भावनात्मक जुड़ाव का अनुभव गहरा होता है।इसके अतिरिक्त, भाई- बहन का मिलन और आत्मीय संवाद सामाजिक मानसिक स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ करता है। यह पर्व परिवार में संवाद, संवेदना और समर्थन की भावना को प्रबल तथा सटीक बनाता है। साथियों बात अगर हम भाई दूज का पौराणिक आध्यात्मिक आधार व नारी सशक्तिकरण के संदेश को समझने की करें तो भाई दूज का मूल आधार यमराज और उनकी भगिनी यमुना की पौराणिक कथा से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि यमराज, जो मृत्यु के देवता हैं, एक बार लंबे समय बाद अपनी बहन यमुना के घर पहुंचे। यमुना ने अपने भाई का आदरपूर्वक स्वागत किया, तिलक लगाया,आरती उतारी और उन्हें स्वादिष्ट भोजनकराया। यमराज बहन की इस आत्मीयता से अत्यंत प्रसन्न हुएऔर वरदान दिया कि जो भी इस दिन अपनी बहन के घर जाकर तिलक ग्रहण करेगा और स्नेहपूर्वक भोजन करेगा, उसे यमलोक का भय नहीं रहेगा।

दीपावली के त्यौहारी मौसम में भारतीय अर्थव्यवस्था को लगे पंख

-प्रहलाद सबनानी



वैसे तो प्रतिवर्ष ही भारत में धनतेरस एवं दीपावली के शुभ अवसर पर भारतीय नागरिकों द्वारा विभिन्न उत्पादों विशेष रूप से स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों की खरीद को शुभ माना जाता है। अतः इस त्यौहारी मौसम में विभिन्न उत्पादों की भारत में बिक्री बहुत बढ़ जाती है। परंतु, इस वर्ष तो केंद्र सरकार द्वारा लिए गए कुछ निर्णयों के चलते भारतीय बाजार में सोने एवं चांदी सहित विभिन्न उत्पादों की बिक्री में बेतहाशा वृद्धि दर्ज हुई है। केंद्र सरकार द्वारा आयकर योग्य राशि की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख कर दिया गया है। यदि आज किसी नागरिक की आय 12 लाख रुपए तक प्रतिवर्ष है तो उसकी आय पर आयकर नहीं लगने वाला है। साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर की दरों को भी तर्कसंगत बनाया गया है जिसे जीएसटी2.0 का नाम दिया जा रहा है। अब 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दर से ही वस्तु एवं सेवा कर लागू होगा। पूर्व में, 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरें लागू होती थी। अब 12 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरों को समाप्त कर दिया गया है। इससे उपभोक्ताओं को वस्तु एवं सेवा कर की दरों में लगभग 10 प्रतिशत तक का लाभ मिला है। चार पहिया वाहनों पर तो लगभग 60-70,000 रुपए प्रति वाहन तक की बचत हुई है। इस तरह, इस वर्ष दीपावली के त्यौहारी मौसम में भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़े हुए उपभोग का सहारा मिला है। भारतीय इतिहास में, दीपावली के त्यौहारी मौसम में, इस वर्ष सबसे अधिक रिकार्ड कारोबार सम्पन्न हुआ है। भारत में नागरिक अब बाजार में दुकानों पर आकर उत्पादों की पूछ परख कर ही उत्पादों की खरीद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी कारण से इस वर्ष के दीपावली त्यौहारी मौसम में भारतीय बाजारों में दुकानों पर बहुत अधिक भीड़ दिखाई दी है। कनफेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) द्वारा सम्पन्न किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के 35 नगरों के वितरण केंद्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष लगभग 5.4 लाख करोड़ रुपए का व्यापार दीपावली के त्यौहारी मौसम में सम्पन्न हुआ है। वर्ष 2021 में इसी त्यौहारी मौसम में 1.25 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2022 में 2.50 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2023 में 3.75 लाख करोड़ रुपए एवं वर्ष 2024 में 4.25 लाख करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न हुआ था। इस वर्ष अभी आगे आने वाले समय में गोवर्धन पूजा, भाई दूज, छठ एवं तुलसी विवाह आदि त्यौहार भी उत्साह पूर्वक मनाए जाने हैं। ऐसा अनुमान किया जा रहा है कि इस वर्ष इस दौरान भी लगभग 80,000 करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। इस प्रकार इस वर्ष भारत में त्यौहारी मौसम में कुल व्यापार का आंकड़ा 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने की प्रबल सम्भावना है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में सम्पन्न हुए व्यापार के आंकडें की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है। इस वर्ष भारत के नागरिकों में स्वदेशी उत्पाद खरीदने की होड़ सी रही हैं। इसी प्रकार, एक अनुमान के अनुसार, इस वर्ष धनतेरस त्यौहार के दौरान सोने चांदी के गहनों, सिक्कों एवं अन्य वस्तुओं के कारोबार का स्तर भी 60,000 करोड़ रुपए के आसपास रहा है। बाजार में हालांकि इस वर्ष सोने एवं चांदी के भाव आसमान छू रहे हैं। वर्ष 2024 की दीपावली पर सोने का भाव लगभग 80,000 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो इस वर्ष बढ़कर 130,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, अर्थात लगभग 62 प्रतिशत अधिक। चांदी का भाव भी वर्ष 2024 में 98,000 रुपए प्रति किलोग्राम था जो इस वर्ष बढ़कर 180,000 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है, अर्थात लगभग 83 प्रतिशत अधिक। एक अन्य अनुमान के अनुसार, दीपावली के इस त्यौहारी मौसम में भारत में स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों की कुल मिलाकर 1.35 लाख करोड़ रुपए की बिक्री हुई है। भारतीय बाजारों में लगभग 46 टन सोने की बिक्री हुई है। दीपावली के पावन पर्व पर इस वर्ष 600,000 वाहन एक दिन में बिके हैं। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। इससे यह भी सिद्ध हो रहा है कि है कि भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प कह रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था डेड है, भारतीय अर्थव्यवस्था में लगातार तेज हो रही विकास दर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयानों को झुठला रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम तिमाही, अप्रेल-जून 2025, में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7.3 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है। जबकि, द्वितीय तिमाही जुलाई-सितम्बर 2025 में एवं तृतीय तिमाही अक्टोबर-दिसम्बर 2025 में भी भारतीय अर्थव्यवस्था के रिकार्ड स्तर पर आर्थिक विकास दर हासिल करने की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। भारत में द्वितीय तिमाही में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम (दुर्गा उत्सव, दशहरा, धनतेरस एवं दीपावली, आदि) में विभिन्न उत्पादों की रिकार्ड वृद्धि दर्ज होती हुई दिखाई दी है। यह प्रवाह तीसरी तिमाही में भी जारी रहने की प्रबल सम्भावना दिखाई दे रही है क्योंकि त्यौहारी मौसम अभी इस अवधि में भी जारी रहेगा जो 25 दिसम्बर (क्रिसमस) एवं 31 दिसम्बर (नव वर्ष) तक जारी रहेगा। साथ ही, शादियों का मौसम भी आने वाला है, इस मौसम में भारत में लाखों की संख्या में शादियां सम्पन्न होती हैं, और शादियों के इस मौसम में विभिन्न उत्पादों (स्वर्ण, चांदी, कार, टीवी, रेफ्रीजरेटर, एसी, आदि) की मांग में बेतहाशा वृद्धि दर्ज होती है।

बिहार चुनाव में गठबंधन में कलह से कैसे होगी सुलह

- कांतिलाल मांडोत

बिहार में विधानसभा चुनाव ज्यादा दूर नही है।बिहार में इंडिया गठबंधन में अंदरूनी खींचतान समाप्त होने का नाम नही ले रही है।पहले कांग्रेस और राजद में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान हई थी।परंतु अब तेजस्वी के नाम पर पेंच फसने के बाद बिहार में इंडिया गठबंधन को मार्ग नही सूझ रहा है।प्रयास तेज हो गए है,लेकिन आगामी दिनों में बड़ी चुनौती से पार्टी भी इंकार नही कर सकती है।कांग्रेस और सीपीआईएमएल ने अभी तक मुख्यमंत्री के नाम पर सहमति नही दी है।जिससे पार्टी में अंदरूनी लड़ाई तेज है और यह लड़ाई सड़क पर नही उतरे,उसके लिए सभी दल विचार विमर्श कर आगे का मार्ग प्रशस्त करने में लगे है।दिवाली के बाद तस्वीर साफ होने का कयास लगाया जा रहा है। विवाद को हवा दी जा रही है इन दलों के बीच विभाजक रेखा खींची दिखाई दे रही है।राजद के सुप्रीमो तेजस्वी यादव के नाम पर की गई घोषणा को इमोशनल करार दिया गया है।तेजस्वी और राहुल गांधी ने वोटनीति के बदले बिहार में अन्याय यात्रा में शामिल होने पर राहुल ने तेजस्वी के नाम मुख्यमंत्री की घोषणा की गई थी।लेकिन दूसरे दलों से सलाह मशविरा नही की गई।इसलिए अब बिहार में चुनाव के दरमियान लोगो के मिजाज भांप कर कांग्रेस और सीपीआईएमएल के मन मे परिवर्तन की लहर दौड़ती दिखाई दी है।कांग्रेस का अभी भी कहना है कि तेजस्वी की अगुवाई में कोई अस्पष्टता नही है।क्योंकि वे विपक्ष के नेता और गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी के प्रमुख है।लेकिन अभी तक आधिकारिक घोषणा नही हुई है।राजद के कई नेताओं को पार्टी में फिर रिपीट मौका दिया जाना और जिनको रिपीट थ्योरी से बाहर का रास्ता बताये जाने पर राजद से नाराज है।पूर्व पूर्वी चंपारण जिले की मधुबनी विधानसभा सीट के राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व प्रत्याशी मदन शाह का दर्द राबड़ी आवास के बाहर फुट पड़ा।उनको पार्टी टिकट नही मिलने से फुट फुट कर रोने लगें।इस दौरान तेजस्वी यादव के राजनीतिक सलाहकार संजय यादव पर टिकट बेचने का गम्भीर आरोप लगाया।जो अपने कार्यकाल में अच्छा प्रदर्शन नही कर सके।विकास का कोई कार्य नहीं किया,ऐसे प्रत्याशियों को नो रिपीट थ्योरी के तहत घर बैठाने का कार्य बिहार में हर पार्टियां कर रही है।यह जरूरी भी है।इस बीच कांग्रेस और आरजेडी के मध्य लम्बे समय से चला आ रहा सीट बंटवारे को लेकर विवाद खत्म नही हुआ है।कई सीटों को लेकर महागठबंधन में ही लड़ाई की स्थिति बनी हुई है।बिहार चुनाव में विवादों,संघर्ष का रास्ता छोड़कर एक मंच में आते नही दिखते है तो फिर महागठबंधन की गांठ कोई खोल नही सकेगा।उनके प्रयास से पार्टी, संगठन फिर पटरी पर लौट सकते है। बिहार में मतभेद भुलाकर सभी घड़े एक साथ आने को तैयार है।कांग्रेस की मजबूरी है,नही तो, कांग्रेस के तेवर टेढ़े मेढ़े थे।कांग्रेस किसी भी दल को तवज्जों देने वाली पार्टी नही थी।लेकिन अब ऊंट पहाड़ के नीचे आ गया है।अब जाए तो जाए कहा ?कांग्रेस बिहार में कई वर्षों से राजनीति के गलियारों से बाहर थी।लेकिन इस बार भी कांग्रेस के पास कोई विकल्प नही था।तेजस्वी और अन्य दल महागठबंधन का हिस्सा बनने के बाद राहुल की सक्रियता बढ़ गई है।बिहार में राजद पार्टी में उथल पुथल से तेजस्वी और लालू के लिए मुसीबत बढ़ गई है।

आज का राशिफल

मेष संबंधों को लेकर सावधान रहने की जरूरत है। इससे जुड़ी कोई बात छिपाने की स्थिति बन सकती है।

वृषभ साथी और सहयोगियों की मदद मिलेगी। हालांकि, उन पर पूरी तरह से निर्भर होना जोखिम भरा हो सकता है।

मिथुन आपके पक्ष में नहीं दिख रही हैं। करियर में बदलाव की आपकी कोशिश सफल नहीं होंगी।

कर्क आज नए अवसर लेकर आ रहा है। किसी नए प्रोजेक्ट में आपकी रुचि बढ़ सकती है।

सिंह आज दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आज सैर-सपाटे की योजना बना सकते हैं।

कन्या व्यवस्था करनी हो या जरूरी वस्तु की खरीदारी, सभी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

तुला आज तीर्थ यात्रा पर जाने का योग बनता दिख रहा है। धन खर्च की आज संभावना भी दिख रही है।

वृश्चिक फिलहाल ज्यादा दबाव नहीं दिख रहा है छोटी-मोटी देनदारियां चुकाने का आज मौका मिलेगा।

धनु आज परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता सता सकती है।

मकर आज जातकों दिन अच्छा रहने वाला है। शारीरिक थकान और अस्वस्थता में कमी आएगी।

कुंभ आज जातकों के लिए दिन शुभ रहने वाला है। आपके कार्यस्थल का वातावरण बेहतर रहेगा।

मीन आज आज का दिन थोड़ा सुस्त रहने वाला है। इस दौरान आपका मूड कुछ उदास रह सकता है।

विशेष

कीर्ति चिदंबरम को कोर्ट से राहत

चिदंबरम परिवार की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री शाह से लगता है, दोस्ती हो गई है। ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर उन्होंने इंदिरा गांधी को निशाने पर लिया। इसका तत्काल फल उन्हें मिला भी। चिदंबरम के बेटे कीर्ति चिदंबरम को अदालत से बड़ी राहत मिल गई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने विदेश जाने पर जो रोक लगा रखी थी। अब उसे हटा लिया है।सीबीआई ने हाई कोर्ट में विरोध नहीं किया।कांग्रेस की मिट्टी पलीत जरूर चिदंबरम ने कर दी। कीर्ति चिदंबरम को इससे राहत मिल गई है। पी चिदंबरम के यदि गृहमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में लिए गए निर्णय की बात की जाए। उन्होंने जो भी निर्णय लिए, वह निजी फायदे के थे। अभी भी जो बोल वचन कर रहे हैं।वह निजी फायदे के लिए कर रहे हैं। यह बात सबको समझ आ रही है।

भाजपा के मुख्यमंत्रियों ने डाला डेरा

भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव बड़ी शिद्दत के साथ लड़ती है। जाति और धार्मिक समीकरणों का ध्यान भी रखती है। इस बार का बिहार विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए अहम है। भाजपा ने अपने सभी मुख्य मंत्रियो की ड्यूटी बिहार विधानसभा चुनाव में लगाई है। भाजपा के सभी सांसद और हिंदी भाषी राज्यों के विधायक बिहार पहुंच रहे हैं। सभी सांसद मंत्री और विधायकों को अपनी लोकेशन भाजपा मुख्यालय में शेयर करनी पड़ रही है।मुख्यमंत्रियों से कहा गया है, वह उम्मीदवारों के नामांकन मे शामिल हों।सभी मुख्यमंत्री उम्मीदवारों का नामांकन कराने रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंच रहे हैं।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1596: मोहम्मद तृतीय के नेतृत्व में तुर्की के सैनिकों ने आस्ट्रियाई सैनिकों को शिकस्त दी। 1641: ब्रिटेन के खिलाफ साजिश का भंडाफोड़ होने के बाद आयरिश लोगों का संहार हुआ था। 1764: मीर कासिम बक्सर की लड़ाई में पराजित हुआ। 1917: अमरीकी सैनिकों ने प्रथम विश्व युद्ध में पहली बार भाग लिया था। 1942: द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश सेना ने मिस्त्र में दुश्मन पर जबरदस्त हमले किए। 1943 :आजाद हिंद फौज की रानी झांसी ब्रिगेड की स्थापना नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने की थी। 1943: आजाद हिंद सरकार ने अमरीका और ब्रिटेन के खिलाफ जंग का ऐलान किया। 1953: रोडेशिया और न्यासालैंड का संविधान प्रभावी हुआ। 1954: ब्रिटेन, फ्रांस, अमरीका और सोवियत संघ जर्मनी से हटने के लिए सहमत हुए।

दैनिक पंचांग

23 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.54 ब.से
चंद्र	तुला में	धनु	10.10 बजे से
मंगल	तुला में	मकर	12.15 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	14.02 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.34 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	17.05 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.45 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.43 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.57 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		सिंह	01.13 बजे से
		कन्या	03.25 बजे से
		तुला	05.35 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 296 वा दिन दिशाशूल दक्षिण ऋतु शरद। विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947 मास कार्तिक पक्ष शुक्ल तिथि द्वितीया 22.47 बजे को समाप्त। नक्षत्र विशाखा 04.51 बजे प्रातः को समाप्त। योग आयुष्मान 05.00 बजे प्रातः को समाप्त। करण बालव 09.32 बजे तदनन्तर कौलव 22.47 बजे को समाप्त। चन्द्रायु 01.5 घण्टे रवि क्रान्ति दक्षिण 11° 25' सूर्य दक्षिणायन कलि अहर्गण 1872506 जूलियन दिन 2460971.5 कलियुग संवत् 5126 कल्पारंभ संवत् 1972949123 सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123 वीरनिर्वाण संवत् 2552 हिजरी सन् 1447 महीना रबी उस्सानी तारीख 30 विशेष चंद्र दर्शन, भैया दूज, यम द्वितीया, चित्रगुप्त पूजा।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	ब

संक्षिप्त समाचार

मंत्री ने 8.1 किमी की दो सडकों का किया शिलान्यास

जामताडा, एजेंसी। मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने दीपावली और छठ पर्व के पावन अवसर पर जामताडा के करमाटांड़ और नारायणपुर प्रखंड में 8.1 किलोमीटर की दो सड़कों का शिलान्यास किया। इनमें करमाटांड़ प्रखंड (रिंगो-चिंगो मोहनपुर मुख्य पथ) रतनुडीह से गुणीडीह आदिवासी टोला तक कुल 3.6 किमी लंबाई और नारायणपुर प्रखंड के नावाटांड़ जंगलपुर मुख्य पथ से खरयोडीह आदिवासी ग्राम होते हुए एकसिंघा मुख्य पथ तक 4.5 किमी शामिल है। मौके पर मंत्री ने कहा कि दोनों सड़कों की मांग आदिवासी समाज और क्षेत्रीय ग्रामीणों की ओर से लंबे समय से की जा रही थी। मंत्री ने कहा कि इस सड़क क्षेत्र के आदिवासी, मूलवासी, अल्पसंख्यक और मंडल समाज के लोगों को काफी सुविधा होगी। मंत्री ने कहा कि पूर्व की भाजपा सरकार ने आदिवासी समाज को हमेशा विकास से वंचित रखा। उन्होंने कहा कि विधायक बनने के उन्होंने लोगों से वादा किया था कि जहां-जहां विकास की रोशनी नहीं पहुंची है वहां वे सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं पहुंचाएंगे। मौके पर बड़ी संख्या में आदिवासी समाज, ग्रामीण प्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि, पार्टी के कार्यकर्ता और अधिकारी मौजूद थे।

लोगों ने हर्षोल्लास से मनाई दीपावली, जमकर लोगों ने की आतिबाजी

दुमका, एजेंसी। लोगों ने दीपों का महापर्व दीपावली को हर्षोउल्लास से मनाया। पूरा शहर पारंपरिक मिट्टी के दीये, रंग-बिरंगी लछेदार सजावटी लाईटों इमारते जगमगा रही थीं। लोगों ने मंगलवार की तडके सुबह तक पटाखे फोडे और एक-दूसरे को मिठाईयां खिलाकर खुशियां मनाई। वहीं छोटी दीपावली पर लोगों ने दीए जलाए और पटाखे फोडे। दीपों की जगमगाहट के बीच क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में माता काली की पूजा बड़े ही विधि-विधान और श्रद्धा भाव से संपन्न आयोजित हुई। बंगला कार्तिक माह की अमावस्या पर काली मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने माता काली को दूध, दही, फूल, बेलपत्र, आरवा चावल, फल और मिष्ठान अर्पित कर विधिवत पूजा-अर्चना किया। कई मंदिरों में पारंपरिक रीति के अनुसार बकरा बली की प्रथा भी निभाई गई। पूजा के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। रातभर मंदिरों में घंटी और मंत्रोच्चारण की गूंज से वातावरण पवित्र बना रहा। श्रद्धालुओं ने माता काली से अपने परिवार और पूरे क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति की कामना किया।

मां शक्ति काली पूजा पंडाल का उद्घाटन, भक्तों ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

रांची, एजेंसी। दीपोत्सव और काली पूजा के शुभ अवसर पर मेन रोड स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर के समीप मां शक्ति काली पूजा समिति के भव्य पंडाल का उद्घाटन मंगलवार को विधिवत मंत्रोच्चारण और फीता काटकर किया गया। पंडाल के उद्घाटन संकट मोचन मंदिर के केशव बाबा, ओमप्रकाश मिश्रा, ऋषिनाथ शाहदेव, मुख्य संरक्षक कुणाल अजमानी, शंकर दूबे, महेश सोनी और समिति अध्यक्ष श्यामानंद पांडेय ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मुख्य संरक्षक कुणाल अजमानी ने कहा कि धर्म और संस्कृति के प्रति भक्ति और समर्पण से मां शक्ति का आशीर्वाद सदैव बना रहता है। ऋषिनाथ शाहदेव ने समिति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सनातन धर्म की पताका को विश्वभर में लहराते हैं। अध्यक्ष श्यामानंद पांडेय ने अतिथियों का चुनरी से सम्मान कर सहयोग के लिए आभार जताया। वहीं शाम को मां काली की संध्या आरती के बाद सामूहिक हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। इसमें भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मौके पर समिति के मीडिया प्रभारी गोपाल कृष्ण दूबे, मनीष केशरी, अभिषेक पाठक, जीतेंद्र वैष्णव, नंद राज सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

रांची में दिव्यांग युवक की मिली अधजली लाश:घर से 30 रुपए लेकर निकला था बाहर, सुबह जंगल में मिला शव

रांची, एजेंसी। रांची में मंगलवार को एक युवक की जंगल से अधजली लाश बरामद की गई। घटना बेड़ो थाना क्षेत्र के घाघरा की है। युवक दीपावली की रात पिता से अंडा खाने के लिए 30 रुपए लेकर निकला था पर वापस नहीं लौटा। मृतक की पहचान जयु कुजुर के पुत्र सोमरा कुजुर (23) के रूप में की गई। परिजनों के अनुसार, वो दिव्यांग था। शव देखने से पता चलता है कि हत्यारों ने डंडे से पीटकर और जलाकर कर सोमरा की हत्या की है। मृतक के भाई जलहा कुजूर ने ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर को बताया कि मंगलवार की सुबह लगभग आठ बजे चरका पत्थर के ग्रामीण ने मवेशी को चराने ले जाने के क्रम में जंगल में एक शव पड़ा देखा। इसकी जानकारी उसने ग्रामीणों को दी। जलहा कुजूर ने बताया कि सोमवार दीपावली की रात खाना खाने के बाद सोमरा कुजुर पिता से अंडा खाने के नाम पर 30 रुपए लेकर घर से लगभग नौ बजे बाहर निकला था। उसके बाद से ही वह वापस घर नहीं लौटा। इधर, हत्याकांड की जांच के लिए घटनास्थल पर फोरेंसिक व डॉग स्क्वायड की टीम पहुंची।

जमशेदपुर में नाबालिग के साथ आपत्तिजनक हरकत की, आरोपी घाघीडीह जेल में कक्षपाल, लोगों ने कर दी पिटाई

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के सीतारामडेरा में 9 साल की बच्ची के साथ 53 साल के अधेड़ ने तीन मंजिला फ्लैट की छत पर ले जाकर उसके साथ आपत्तिजनक हरकत की। आरोपी संजय कुमार सिंह घाघीडीह जेल में कक्षपाल है। घटना की जानकारी बच्ची के परिजनों को होने के बाद उन्होंने पहले भालूबासा चौक सागर साइकिल दुकान के फुटेज की जांच की। फुटेज में बच्ची को साथ ले जाने की तस्वीर दिखने के बाद परिजनों ने कॉलोनी के लोगों के साथ मिलकर आरोपी को उसके फ्लैट से पकड़ा। उसकी जमकर पिटाई की। उसकी पत्नी ने विरोध किया तो उसे भी पीटा। हंगामा की सूचना पर सीतारामडेरा थाना की पुलिस पहुंची। वहां हंगामा करने वालों को समझाने का प्रयास किया तो भीड़ ने पुलिस जीप पर पथराव किया।

इस दौरान पुलिस के साथ भी हाथापाई हुई। जिसके बाद पुलिस लोगों के चंगुल से आरोपी और उसकी पत्नी को छुड़ाकर थाने ले गई। वहीं पीड़ित पक्ष के कुछ लोग पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर



दास के घर पहुंचे। वहां से फोन पर थानेदार को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इधर, सूचना पाकर सिटी एसपी कुमार शिवाशीष और डीएसपी भोला प्रसाद सिंह भी थाना पहुंच गए। सभी बिंदु पर जांच कर बच्चे और बच्चे के परिजनों के बयान पर मामला दर्ज किया गया। आरोपी कक्षपाल को गिरफ्तार कर लिया गया।

मैं कक्षा चार में पढ़ाई करती हूं। सुबह 11.45 बजे के लगभग मैं घर से कुछ सामान लाने के लिए जा रही थी। तभी एक अंकल ने मुझे रोका। बस्ती के आस-पास का होने की वजह से मैं उनको पहचानती हूं। अंकल ने चॉकलेट खिलाने के बहाने स्कूटी पर बैठा कर अपने घर भालूबासा चौक की तरफ ले गए। वहां साइकिल दुकान के पास स्कूटी खड़ी की। फिर मुझे अपने साथ फ्लैट की तीन तल्ला छत पर ले गए। वहां मेरे साथ आपत्तिजनक हरकत की। 10 मिनट तक वहां जबरन रोक कर रखा। धमकी दी कि यदि किसी को बताई तो वे उसके माता-पिता को बदनाम कर देंगे। मैं वहां से किसी तरह से बाहर निकली। पीछे-पीछे अंकल आए और मुझे स्कूटी पर बैठाकर घर के सामने छोड़ा।

शाम साढ़े चार बजे के लगभग अंकल फिर मेरे घर के सामने आए। वहां मैं अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी। अंकल ने मुझे बुलाया पर मैंने अनसुना कर दिया। फिर एक सहेली को बुलाने भेजा। सहेली के कहने पर भी मैं नहीं गई तो वे वहां से चले गए। फिर मैंने सहेली को बताया कि अंकल सुबह अपने साथ ले गए थे और गलत हरकत की।

उसने मेरे भाई को बताया। जिसके बाद मां को जानकारी होने पर मैंने पूरी घटना बताई। शाम छह बजे के लगभग पिता ड्यूटी से घर लौटे। सभी परिजन और बस्ती के लोगों के साथ जाकर मैंने अंकल का घर बता दिया। इसके बाद पुलिस उनको पकड़कर ले गई।

छह साल से जेल में कक्षपाल का काम करता हूं। भालुबासा चौक पर किराए के फ्लैट में पत्नी के साथ रहता हूं। सुबह में बच्ची के अलावा लड़कों को भी साथ ले गया था। सभी को मैंने किस किया, लेकिन जो आरोप लगाया जा रहा है वह गलत है। आसपास के लोगों से पूछने पर सच्चाई का पता चल जाएगा।

पाकुड़ में टोटो पलटने से पांच लोग घायल

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र में काली पूजा के दिन एक यात्रियों से भरा टोटो पलट गया। इस दुर्घटना में चालक सहित कुल पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज स्वास्थ्य उपकेंद्र में किया जा रहा है। घायलों में 45 वर्षीय कोकिला देवी, 62 वर्षीय फूलो देवी, 26 वर्षीय दुलाल साहा, 11 वर्षीय शंका कुमारी और 26 वर्षीय चालक सुबल साह शामिल हैं।

यह घटना बिचामहल से बगदबरा गांव जा रहे टोटो के साथ हुई। टिकलूगढ़ के पास स्थित एक मोड़ पर टोटो चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया, जिससे टोटो अचानक सड़क किनारे पलट गया। टोटो पलटने के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। मौके से गुजर रहे लोगों ने तुरंत दौड़कर टोटो में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। इसके बाद सभी घायल यात्रियों को इलाज के लिए हिरणपुर स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

फुलवरिया गांव में पहली बार मनी बिजली वाली दिवाली



कोडरमा, एजेंसी। शहर से सटे फुलवरिया गांव के लोगों ने पहली बार बिजली वाली दिवाली मनायी।

लोगों ने इस मौके पर पटाखे छोडे पर पहली बार बिजली के बल्ब भी जलाए। उल्लेखनीय है कि कोडरमा के वार्ड नंबर- एक स्थित फुलवरिया गांव में अभी तक बिजली नहीं पहुंची थी। कुछ दिनों पहले ही पोल गाड़े गए और बिजली के तार पहुंची। मौके पर बिजली विभाग की ओर से लोगों से एलईडी बल्ब बांटे गए और कई घर में बिजली के कनेक्शन भी दिया गया।

यहां 102 घर हैं जिनमें अभी तक 92 घरों में बिजली पहुंच गई है। गांव में बिरहोर जनजाति मुख्य रूप से निवास करती है। दिवाली को फुलवरिया का माहौल बिल्कुल अलग था और निवासियों में उत्साह दिखाई दे रहा था। गांव को बल्बों से जगमगाता देखकर बुजुर्ग और बच्चे, सभी खुश थे। यहां की सोबरी बिरहोरनी (70) ने कहा कि घर में बिजली जलते देखा तो काफ़ी संतोष मिला। मीना बिरहोरनी ने इसे बहुत लंबे इंतज़ार को खत्म होना बताया और कहा कि इस दिवाली से अंधेरा हमेशा के लिए छंट गया है। फुलवरिया के युवा निवासी भी उतने ही रोमांचित थे, छोटी बच्चियां अपने बनाए दीये और मिट्टी के खिलौने दिखा रही थीं।

बिजली पहुंचाना चुनौतीपूर्ण रहा

फुलवरिया के दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र को देखते हुए, वहां बिजली पहुंचाना काफी चुनौतीपूर्ण रहा। कोडरमा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से लगे इस गांव में बिजली कनेक्शन की अनुमति लेने में काफी कठिनाई हुई। गांव तक जाने वाले रास्ते अभयारण्य के अधिकार क्षेत्र में आते थे और अनापत्ति प्रमाण पत्र हासिल करना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया थी। स्थानीय विधायक डॉ नीरा यादव और सांसद अन्नपूर्णा देवी की मदद से ज़िला प्रशासन के लगातार प्रयासों से गांव में बिजली पहुंची। कई वर्षों के बाद वन विभाग ने बिजली के खंभे लगाने की अनुमति दी, जो महत्वपूर्ण सफलता थी।

विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता रणधीर कुमार ने बताया कि अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त होने के बाद उज्ज्वला योजना के तहत लगभग 100 घरों का विद्युतीकरण हो चुका है। उन्होंने सुरक्षा पर ज़ोर देते हुए कहा कि ग्रामीणों को सभी एहतियाती उपाय समझा दिए गए हैं।

वहीं डीसी ऋतुराज ने इस उपलब्धि पर कहा कि ग्रामीणों के सपने आखिरकार पूरे हो गए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि बिजली उन्हें बेहतर जीवन जीने में महत्वपूर्ण रूप से मदद करेगी। इस इलाके के निवर्तमान वार्ड पार्षद सचिन कुमार बताते हैं कि फुलवरिया में बिजली का पहुंचना किसी चमत्कार से कम नहीं है। सचिन ने बताया कि गांव में फुलवरिया के लोग न केवल अंधकार के अंत का जश्न मना रहे हैं, बल्कि उनके लिए यह एक नए युग की शुरुआत भी है।

गुमला में ब्राउन शुगर की बड़ी खेप पकड़ी गई:21.75 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त, 1.93 लाख रुपए कैश के साथ युवक-युवती गिरफ्तार



गुमला, एजेंसी। गुमला पुलिस ने ब्राउन शुगर की खरीद-फरोख्त के आरोप में एक युवक और एक युवती को गिरफ्तार किया है। उनके पास से कुल 21.75 ग्राम ब्राउन शुगर, 1,93,290 रुपए नगद, 9 मोबाइल फोन और एक वजन मशीन बरामद की गई है। पुलिस को ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की सूचना मिली थी, जिसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने एक छापामारी दल का गठन किया। टीम लक्ष्मण नगर नदी पुल के पास पहुंची, जहां एक युवक भागने लगा जिसे दौड़ाकर पकड़ लिया गया।पकड़े गए युवक की पहचान गुमला के दुर्गा नगर निवासी रोहित सिंह (22) के रूप में हुई। उसकी तलाशी लेने पर पैंट की जेब से 13 पुड़िया ब्राउन शुगर मिली, जिसका वजन 2 ग्राम था। पूछताछ में रोहित ने बताया कि उसने यह ब्राउन शुगर लक्ष्मण नगर निवासी अर्पित कुमार और उसकी बहन राखी कुमारी से खरीदी थी। उसने यह भी बताया कि अर्पित और राखी के पास बड़ी मात्रा में ब्राउन शुगर है। रोहित सिंह की गिरफ्तारी के बाद, पुलिस टीम उसे लेकर अर्पित कुमार के लक्ष्मण नगर स्थित घर पहुंची और घेराबंदी की। घर पर मौजूद राखी कुमारी (पिता स्व0 पप्पू साहू) से पूछताछ की गई। नियमानुसार तलाशी लेने पर घर के एक कमरे से पारदर्शी प्लास्टिक में रखी ब्राउन शुगर और अलग से 19 पुड़िया ब्राउन शुगर मिली। इनका कुल वजन 15 ग्राम और 4.75 ग्राम (पुड़ियों सहित) था, जिससे कुल बरामदगी 21.75 ग्राम हो गई।

बोकारो स्टील प्लांट में इलेक्ट्रिकल फ्लैश हादसा

एसएमएस-1 में कार्य के दौरान एक्सीडेंट, दो मजदूर झुलसे

बोकारो, एजेंसी।

बोकारो स्टील प्लांट में एक गंभीर हादसा हुआ, जिसमें दो मजदूर इलेक्ट्रिकल फ्लैश की चपेट में आ गए। यह घटना स्टील मेल्टिंग शॉप-1) के एरिया रिपेयर शॉप में कार्य के दौरान हुई। झुलसे मजदूरों को तत्काल बोकारो जनरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

इलेक्ट्रिकल पैनल की मरम्मत कर रहे थे दोनों

हादसे में झुलसे मजदूरों में बीएसएल कर्मी देवव्रत यादव और ठेका मजदूर शक्ति पद वाउरी शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों एक इलेक्ट्रिकल पैनल की मरम्मत कर रहे थे, तभी अचानक पैनल में फ्लैश हुआ। इसके चलते दोनों मजदूरों को तेज झटका लगा और वे झुलस गए। इस दौरान प्लांट में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई।



बीएसएल ने दी बर्न इंजरी की जानकारी

बोकारो स्टील प्लांट के संचार प्रमुख मणिकांत धान ने बताया कि दोनों कर्मचारियों को मामूली बर्न इंजरी हुई है। उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। उनका इलाज हॉस्पिटल में जारी है। हादसे की सूचना मिलने के बाद दोनों मजदूरों के परिजन तुरंत अस्पताल पहुंचे और लगातार प्रबंधन से उनकी स्थिति की जानकारी लेते रहे। अस्पताल में डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ ने उन्हें समय पर उचित उपचार मुहैया कराया। प्लांट प्रबंधन ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

सेवानिवृत्त फौजी की मौत पर न्यास ने जताया आक्रोश



रांची, एजेंसी। अखिल राजपूताना कल्याण न्यास ने सेवानिवृत्त फौजी की मौत पर आक्रोश व्यक्त किया है। न्यास के लोगों ने मामले में खेलगांव थाना पहुंचकर आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि बीते 20 अक्टूबर को दोपहर में सैनिक कॉलोनी, बूटी मोड़ (रांची) के पास सड़क दुर्घटना में बक्सर (बिहार) निवासी सेवानिवृत्त फौजी कन्हैया सिंह की मृत्यु हो गई।

घटना के अनुसार, ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो (जेएच10ए-3366) वाहन को हिमालय साहू नामक व्यक्ति तेज़ रफ़्तार (लगभग 80 किमी/घं) से चला रहा था, जिसमें तीन अन्य साथी भी सवार थे। टक्कर के बाद वाहन सवार सभी आरोपित मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले किया, लेकिन उसे रात में थाने से छोड़ दिए जाने से क्षेत्र के लोग और न्यास के सदस्यों में भारी आक्रोश है।

मामले में मंगलवार को घटना के विरोध में अखिल राजपूताना कल्याण न्यास के दर्जनों सदस्य् खेलगांव थाना पहुंचे और थाना प्रभारी अभिषेक राय से मुलाकात की। उन्होंने तीनों आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

बैठक के दौरान वातावरण अत्यंत तनावपूर्ण रहा, जिसकी सूचना वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भी दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अखिल राजपूताना कल्याण न्यास के अध्यक्ष ने तीनों आरोपितों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की।

थाना से मिले आश्वासन के आधार पर, न्यास ने दो दिनों की मोहलत दी है। यदि दो दिनों के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो बूटी मोड़ जाम करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है।

इस दौरान न्यास मनीष सिंह, कर्नल बीके सिंह, संजीत सिंह, विनोद सिंह, रंजन कुमार सिंह, श्रीराम सिंह (प्रवक्ता), अमरजीत सिंह, राजकुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

राजकीयकृत उर्दू प्राथमिक विद्यालय खिजुरटोली : कार्यक्रम मे दिखी बच्चों की सृजनशीलता



रांची, एजेंसी। राजकीयकृत उर्दू प्राथमिक विद्यालय, खिजुरटोली, कांके में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों की सृजनशीलता और आत्मविश्वास देखने लायक था। किसी ने मुख्य अतिथि की चित्र बनाई, तो किसी ने झरनों के शहर रांची पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का उद्घाटन कांके विधायक सुरेश बैठा ने किया।

उन्होंने विद्यालय पुस्तकालय का शुभारंभ करते हुए लगभग 200 छात्रों को आई-कार्ड वितरित किया। विधायक ने विद्यालय की गतिविधियों की सराहना की।। प्रधानाध्यापक नसीम अहमद ने विद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी और दो नए कक्ष निर्माण व परिसर सौंदर्यीकरण की मांग रखी।

कार्यक्रम में कक्षा 5 की साजिया परवीन ने विधायक की चित्र बनाकर भेंट किया, जिसके लिए उन्हें 500 रुपए का पुरस्कार मिला। कार्तिक मुंडा, सादिया परवीन और मनताश परवीन की प्रस्तुतियां भी सराही गईं। मौके पर बिजेंद्र चौबे, विनोद कुमार रजक, मनोज महतो, शादाब कैसर आदि उपस्थित रहे।

एथलेटिक्स चैंपियनशिप अनुशासन और उत्कृष्ट प्रबंधन का बने उदाहरण : उपायुक्त

रांची, एजेंसी। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने चौथे सीनियर एथलेक्टिक्स चैंपियनशिप, 2025 के फुटबॉल स्टेडियम मोरहाबादी में चल रही तैयारियों का तैयारियों का निरीक्षण मंगलवार को किया। इस दौरान खेल निदेशक शेखर जमुआर, एसएसपी राकेश रंजन सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मौके पर उपायुक्त ने कहा कि यह आयोजन न केवल झारखंड ही नहीं बल्कि पूरे भारत के लिए गौरव की बात है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि हर खिलाड़ी, अधिकारी और अतिथि रांची की अतिथि देवो भवः की भावना को महसूस करे। उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य है कि यह आयोजन अनुशासन, सौहार्द और उत्कृष्ट प्रबंधन का उदाहरण बने।

कई देशों के खिलाडी पहुंचेंगे

मौके पर उपायुक्त ने अधिकारियों को आयोजन में सुरक्षा, विधि-व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण, पार्किंग, खिलाड़ियों के आवास और परिवहन एवं चिकित्सा सहित अन्य सुविधाओं को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को लेकर दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को



सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया।

उल्लेखनीय है कि यह खेल आयोजन 24 से 26 अक्टूबर तक बिरसा मुण्डा फुटबॉल स्टेडियम, मोरहाबादी में होगा। इस प्रतियोगिता में दक्षिण एशियाई देशों भारत, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, भूटान और अफगानिस्तान के शीर्ष एथलीट हिस्सा लेंगे।

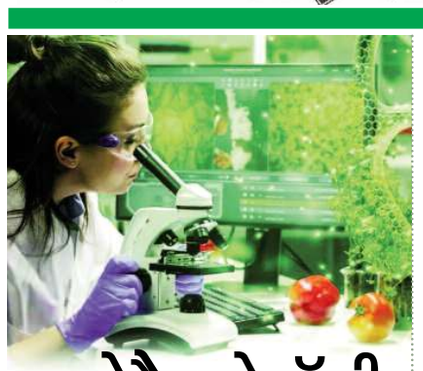
इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और खेल विभाग की ओर से तैयारियां जारी हैं। निरीक्षण के दौरान अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक, अनुमंडल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार, सिविल सर्जन, जिला नजारत उपसमाहर्त्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग, नगर निगम अधिकारी, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और आरामदायक आवास व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिया। साथ ही जिला परिवहन पदाधिकारी को एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और होटल से स्टेडियम तक विशेष वाहनों की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया।

आयोजन को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्टेडियम परिसर में 24 घंटे और सातों दिन मेडिकल यूनिट, एम्बुलेंस और फर्स्ट एड सेंटर की व्यवस्था की जा रही है। रिम्स, सदर अस्पताल में आपातकालीन बेड और एंबुलेंस आरक्षित रखने के निर्देश भी दिया गया है।

मौके पर उपायुक्त ने नगर निगम के संबंधित पदाधिकारी को परिसर की सफाई, कचरा निष्पादन, पेयजल आपूर्ति और शौचालयों की नियमित निगरानी का निर्देश दिया। विद्युत विभाग को बैकअप जनरेटर, हाई-मास्ट लाइटिंग और पावर सप्लाई की निरंतरता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

इसके अलावा ट्रैक एंड फील्ड, इलेक्ट्रॉनिक टाइमिंग सिस्टम, डिजिटल स्कोर बोर्ड, मीडिया गैलरी, वीआईपी एरिया और खिलाड़ी वार्मअप जोन के लिए की जा रही तैयारियों का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त निर्देश दिया।



बायोटैक्नोलॉजी में अवसरों की कमी नहीं

बायोटैक्नोलॉजी की शिक्षा प्राप्त के बाद देश के साथ-साथ विदेश में भी काम करने के ढेरों अवसर हैं । मैडीसिन एंड हैल्थकेयर, पशुपालन, कृषि तथा पर्यावरण इंडस्ट्री में आप मार्कीटिंग, रिसर्च और प्रोडक्शन के क्षेत्र में काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में देशी-विदेशी कई कम्पनियां मौजूद हैं जो बायोटैक्नोलॉजिस्ट्स को अनुसंधान और विकास में रोजगार प्रदान करती हैं । सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में भी अवसरों की कमी नहीं है ।

क्या है बायोटैक्नोलॉजी?

बायोटैक्नोलॉजी रिसर्च आधारित विज्ञान है जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक सिद्धांतों और तकनीक का प्रयोग करते हुए बायोलॉजिकल सिस्टम में सुधार करना है । बायोलॉजी और टैक्नोलॉजी को मिलाकर बने इस फील्ड में बायोकैमिस्ट्री, जैनेटिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, कैमिस्ट्री, इम्युनोलॉजी, इंजीनियरिंग, पेड़-पौधे, हैल्थ और मैडीसिन, क्रॉपिंग सिस्टम व मैनेजमैंट, मृदा-विज्ञान और संरक्षण, इकोलॉजी, बायोस्टैटिस्टिक्स, सैल बायोलॉजी, सीड टैक्नोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी आदि शामिल हैं। आज के दौर का सबसे विवादास्पद विषय है बायोटैक्नोलॉजी जिसे मुख्यत- शोध आधारित विज्ञान माना जाता है। यह एक विस्तृत फील्ड है जिसके विस्तृत दायरे ने इसे एक बेहतरीन करियर विकल्प बना दिया है । इसका संबंध स्वास्थ्य, चिकित्सा, कृषि, पशुपालन, उद्योग, पर्यावरण से लेकर अनुसंधान तक है ।

योग्यता

बायोटैक्नोलॉजी में स्नातक स्तर पर आप बी.एससी., बी.ई. और बी.टैक कर सकते हैं तो पोस्ट ग्रैजुएट स्तर पर एम.एससी., एम.टैक या एम.बी.ए. के विकल्प आपके लिए मौजूद हैं । बायोटैक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए विज्ञान का अभ्यर्थी होना जरूरी होगा । बायोलॉजी, फिजिक्स, कैमिस्ट्री एवं कृषि की जानकारी जरूरी है। आई.आई.टी. संस्थानों में 5 वर्षीय इंट्रीग्रेटेड एम.टैक कोर्स भी उपलब्ध है जो12वीं के बाद किया जा सकता है ।

विदेशों में भी अवसर

बायोटैक्नोलॉजी की शिक्षा प्राप्त के बाद देश के साथ-साथ विदेश में भी काम करने के ढेरों अवसर हैं । मैडीसिन एंड हैल्थकेयर, पशुपालन, कृषि तथा पर्यावरण इंडस्ट्री में आप मार्कीटिंग, रिसर्च और प्रोडक्शन के क्षेत्र में काम कर सकते हैं।

सम्भावनाएं

इस क्षेत्र में देशी-विदेशी कई कम्पनियां मौजूद हैं जो बायोटैक्नोलॉजिस्ट्स को अनुसंधान और विकास में रोजगार प्रदान करती हैं । सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में भी अवसरों की कमी नहीं है । लैबोरेटरीज और रिसर्च इंस्टीच्यूट्स में बतौर साइंटिस्ट और असिस्टैंट काम कर सकते हैं । कृषि और बागवानी के संस्थानों में भी इनकी मांग है ।



क्या आप कॉमर्स लेने जा रहे हैं...

अगर आप बारहवीं में कॉमर्स लेने जा रहे हैं लेकिन आपको पता नहीं कि इसके बाद आप कौन-कौन से करियर अपना सकते हैं तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं। आज हम आपको बताएंगे कि कॉमर्स के छात्रों के लिए बेहतर करियर विकल्प क्या हैं

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

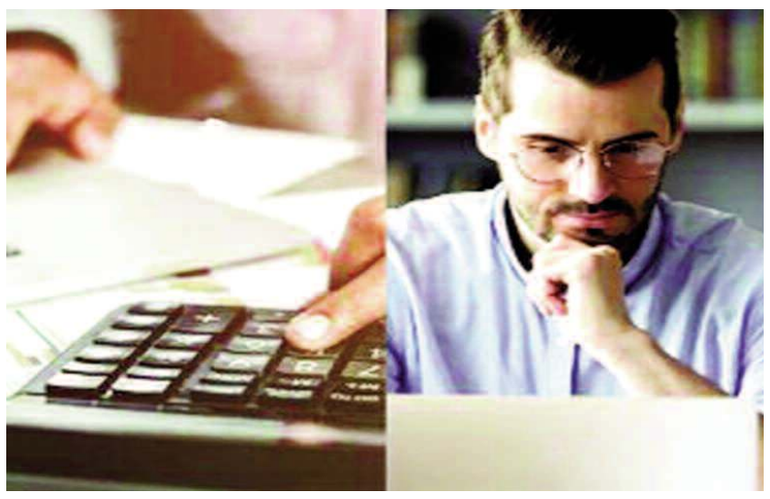
जो छात्र 10+2 में वाणिज्य लेते हैं, उनकी पहली प्राथमिकता चार्टर्ड अकाउंटेंसी होती है। आपको शायद यह जानकर हैरानी होगी कि भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी की मांग कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देशों में है। अंतरराष्ट्रीय अवसरों के कारण भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी युवाओं के लिए अग्रिम कैरियर विकल्प बन गया है। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, जो भारत सरकार के अधीन पंजीकृत संस्था है, को भारत में इस क्षेत्र में पाठ्यक्रम चलाने का एकाधिकार प्राप्त है।

कंपनी सेक्रेटरीशिप

वाणिज्य से 10+2 पूरा करने वाले छात्रों का एक बड़ा वर्ग कंपनी सेक्रेटरी बनना चाहता है। आज हर उस कंपनी में, जिसका पेड-अप पूंजी 1 करोड़ से अधिक है, एक कंपनी सेक्रेटरी होना अनिवार्य है। तीन स्तरों में होने वाले इस पाठ्यक्रम सह परीक्षा की विस्तृत जानकारी के लिए आफ इंस्टीट्युट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आईसीएस आइ डॉट इडीयू पर संपर्क करें।

कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंट

फाइनेंस के क्षेत्र में एक नया क्षेत्र उभर कर आया है, जिसे कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंसी के नाम से जाना जाता है। चार्टर्ड अकाउंटेंसी या कंपनी सेक्रेटरीशिप की तरह तीन स्तरों- फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा को उत्तीर्ण कर कॉस्ट अकाउंटेंट की योग्यता प्राप्त कर सकता है। कॉस्टअकाउंटेंट किसी कंपनी का वह पदाधिकारी होता है, जिसे अपनी तकनीकी दक्षता से कंपनी की पूंजी व लागत का



उचित इस्तेमाल करना होता है। विस्तृत जानकारी के लिए आप इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंसी ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएमआइ डॉट इन पर संपर्क करें।

लॉ

वाणिज्य से बारहवीं के बाद छात्रों का एक बड़ा तबका लॉ के क्षेत्र में जाता है। 10+2 के बाद 5 वर्षीयलॉइंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम पूरा करकानून के क्षेत्र में कैरियर को एक नयी दिशा दी जा सकती है। पहले इस इंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम में केवल बीएएलएलबी पाठ्यक्रम ही होता था। परंतु समय की मांग को देखते हुए बीएएलएलबी के अतिरिक्त व्यापार प्रबंधन की चाह रखने वाले छात्रों के लिए बीबीएएलएलबी, विज्ञान के छात्रों के लिए बीएससीएलएलबी या कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉमएलएलबी पाठ्यक्रमों की भी घोषणा कर दी गयी है।इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आपको एक विशेष प्रवेश जांच परीक्षा देनी होगी, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट यानी क्लैट कहा जाता है। इस प्रवेश जांच परीक्षा के माध्यम से आपको देश के प्रतिष्ठित लॉ विश्वविद्यालय में दाखिले का अवसर प्राप्त होगा।

बैंकिंग

यदि हम यह कहें कि आनेवाले कुछ वर्ष बैंकिंग के क्षेत्र में नयी नौकरियों की चाह रखने वाले छात्रों के नाम होंगे, तो कुछ गलत न होगा। आगामी कुछ वर्षो में लगभग 1 लाख से अधिक छात्रों के लिए बैंकिंग सेक्टर के दरवाजे खुले रहेंगे। यदि आप 10+2 के बाद इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो क्लर्क लेवल के लिए आवेदन करें। हालांकि कई बैंकों में अब क्लर्क के लिए भी स्नातक आवश्यक योग्यता के रूप में मांगी जाती है। परंतु कुछ विकल्प अभी भी 10+2 के बाद इस पद के लिए उपलब्ध हैं। यदि आप प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप में इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो वाणिज्य से स्नातक करें और प्रवेश जांच परीक्षा में बैठने की रणनीति बनायें।

बिजनेस मैनेजमेंट

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था ने जहां एक ओर कॉरपोरेट दुनिया को नया आयाम प्रदान किया, वहीं दूसरी ओर बिजनेस मैनेजरों की भारी मांग ने युवाओं के लिए कैरियर द्वार खोल दिया। 10+2 वाणिज्य के बाद 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम आपको बिजनेस मैनेजमेंट की दुनिया में प्रवेश दिलासकते हैं। इन पाठ्यक्रमों को अलग-अलग विश्वविद्यालय में कई बार अलग-अलग नाम से जाना जाता है, परंतु इनके कोर्स कंटेंट लगभग एक जैसे होते हैं। कहीं इसे बीबीए यानी बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कहा जाता है, तो कहीं इसे बीबीएमयानी बैचलर इन बिजनेस मैनेजमेंट कहा जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय में इसे बैचलर इन बिजनेस स्टडीज का नाम दिया गया है। इन पाठ्यक्रमों में स्नातक करने के बाद किसी अच्छे संस्थान से एमबीए करने वाले छात्रों को पीछे मुड़ कर देखने की जरूरत नहीं पड़ती।

पत्रकारिता

वाणिज्य से पढ़ाई करने के बाद पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सपना देखने वाले छात्र बिजनेस स्टैंडर्ड, इंडियन इकनोमी, सीएनबीसी आवाज जैसे चैनलों में रोजगार खोज सकते हैं। इन चैनलों में वाणिज्य के जानकार को आर्थिक या बिजनेस पेज या प्रोग्राम का उत्तरदायी बनाया जाता है।

कंप्यूटर साइंस

एक समय था जब केवल गणित के छात्र ही इस क्षेत्र में प्रवेश करते थे। समय के साथ बढ़ती मांग को देखते हुए कई विश्वविद्यालय वाणिज्य या आर्ट्स के छात्र को भी इस क्षेत्र में प्रवेश देते हैं। बीसीए यानी बैचलर इन कंप्यूटर अप्लीकेशन के लिए 10+2 पर आर्ट्स, साइंस या कॉमर्स की कोई बाध्यता नहीं है, लेकिन इसी प्रकार के अन्य पाठ्यक्रम जैसे बीएससी (कंप्यूटर साइंस) या बीएससी (आइटी) में प्रवेश के लिए ज्यादातर विश्वविद्यालय 10+2 में गणित मांगते हैं। यदि आपकी रुचि कंप्यूटर साइंस में है, तो निःसंकोच बीसीए पाठ्यक्रम को चुन सकते हैं। केवल एक बात का ध्यान रखें कि उक्त पाठ्यक्रम रेग्युलर हो, दूरशिक्षा के अंतर्गत नहीं, अन्यथा आपको पूरा व्यावहारिक ज्ञान नहीं मिल पायेगा, जो इस क्षेत्र में सफल होने का आधार है।



कॉलेज की ये डिग्रियां आपको दिला सकती हैं सबसे ज्यादा सैलरी



हम सब एक बेहतर नौकरी की तलाश में रहते हैं। जहां हमारी सैलरी बेहतर हो और हमें एक अच्छा लिविंग स्टैंडर्ड मिले, इतना ही नौकरी पाने के बाद हमारा सोसाइटल स्टेटस भी बढ़ जाए। इन सभी बेहतर चीजों के लिए हमें जरूरत होती है, एक बेहतर सैलरी वाली नौकरी। ऐसे में हमें स्कूल पास करते ही यह सोच लेना चाहिए कि हम आगे क्या करना चाहते हैं। ताकि उसी के मुताबिक हम अपने ऊपर काम कर सकें। ऐसे में हमें कॉलेज से उस डिग्री की पढ़ाई करनी चाहिए, जिससे कॉलेज के बाद नौकरी के लिए ज्यादा भटकना ना पड़े। खैर भारत में बेरोजगारी के हालात को देखते हुए यह दावा नहीं किया जा सकता कि कोई कोर्स करके आप निश्चित ही नौकरी पा सकते हैं। पर आप इन कोर्सको करने के बाद थोड़े ही एफर्ट में एक अच्छी सैलरी वाली नौकरी पा सकते हैं तो आइए जानते हैं, कि आखिर कौन से हैं वो कोर्सेज।

एमबीबीएस, मेडिकल

मेडिकल की शिक्षा को लेकर भारत में सबसे ज्यादा मुकाबला है। एमबीबीएस का फुल फॉर्म बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी है'। मुट्ठी भर कॉलेजों के लिए लाखों बच्चे परीक्षा में बैठते हैं। यह डिग्री पूरी कर लेना अपने आप में ही बड़ी बात होती है, क्यों कि आधे से ज्यादा बच्चे कॉलेज के लिए परीक्षा क्वालीफाई ही नहीं कर पाते। यह कोर्स 5.5 साल का होती है मगर इसे पास करने में और भी साल लग जाते हैं। इसके लिए आपको नीट की परीक्षा देनी पड़ती है, अगर आप क्वालिफाई होते हैं तब ही आपको कॉलेज मिलेंगे।

बीबीए, मैनेजमेंट

ज्यादातर कॉमर्स स्टूडेंट बीबीए का ऑप्शन चुनते हैं। इस कोर्स के साथ करियर बनाने के लिए आपकी मैनेजमेंट की स्किल बहुत अच्छी होनी चाहिए। आज के इस कॉम्पिटेटिव माहौल में हर कंपनी मैनेजर रखना चाहती है, जिस कारण इस कोर्स को पढ़ने से आपकी अच्छी खासी जॉब लग सकती है। यह कोर्स करने के बाद आपको बिजनेस और मैनेजमेंट से जुड़ी हर अहम बात बताई जाती हैं। बीबीए तीन साल का कोर्स होता है, आप को बता दें कि ये कोर्स काफी महंगा है, अगर आप सरकारी कॉलेज निकालते हैं तब तो बजट फ्रेंडली है, मगर प्राइवेट कॉलेज में ये फीस और भी ज्यादा है। पर अगर आपको यहां एक अच्छी प्लेसमेंट मिल जाए, तो आपका करियर सेट हो जाएगा।

बीटेक, इंजीनियरिंग

आज हर फील्ड में आधुनिकता की जरूरत है, जिस कारण इंजीनियर्स के लिए जॉब हमेशा रहेगी। देश में ही नहीं बल्कि विदेशी मुल्कों में भी भारतीय इंजीनियर्स बड़े-बड़े पदों पर काम करते हैं। अगर आप टेक्निकल फील्ड में इंटरेस्ट रखते हैं तो आपको बीटेक करने के बारे में सोचना चाहिए, हालांकि पिछले कई सालों से प्राइवेट कॉलेज के चलन के कारण इसमें जॉब के लिए और भी ज्यादा कॉम्पिटिशन बढ़ता जा रहा है। अगर आपको आईआईटी या एनआईटी के कॉलेज में पढ़ने का मौका मिलता है, तो ये कोर्स करना आप के लिए फायदेमंद है।

मर्चेंट नेवी

समुद्र के बीच बड़ी बड़ी नावों में आने जाने वाले समान को सुरक्षित रखने का काम मर्चेंट नेवी का होता है। यह वैश्विक व्यापार की रीढ़ के रूप में काम करता है। यह प्राइवेट कंपनियों और सरकार दोनों के लिए ही काम करता है। आप चाहें तो बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद ही इस जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यहां शुरुआती पोस्ट की भी सैलरी 50000 के ऊपर है, जो कई अन्य नौकरियों के मुकाबले काफी ज्यादा है।

एलएलबी

अगर आपको देश विदेशों के नियम-कानून के बारे में जानने में दिलचस्पी है तो आप लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं। जिसके लिए भारत में कई सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के कॉलेज मौजूद हैं, इस डिग्री को अगर अच्छे कॉलेज से किया जाए, तो सैलरी का पैकेज 8,00,000 सालाना हो। अगर आप एलएलबी कर रहें हैं तो मन लगाकर करें, जिससे जल्द से जल्द नौकरी लगने आसार हों।

दोस्त रूस को धक्का देकर भारत मंगाएगा अमेरिका से मक्का!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर व्यापक बातचीत चल रही है। सूत्रों के मुताबिक इस डील के बाद भारत से अमेरिका जाने वाले सामान पर लगने वाला 50 प्रतिशत का भारी टैक्स घटकर 15 प्रतिशत से 16 प्रतिशत रह सकता है। यह भारत के निर्यातकों के लिए बहुत बड़ी राहत की बात होगी। मिंट की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेड डील के तहत भारत रूस से तेल का आयात धीरे-धीरे कम करने पर सहमत हो सकता है। साथ ही अमेरिका से नॉन-जीएम मक्का और सोयाबीन खली का आयात बढ़ाने की अनुमति दे सकता है। रूस से कच्चे तेल की खरीद और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद रहे हैं।

रूस से कच्चा तेल खरीदने की वजह से अमेरिका ने भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है। रूस भारत का सबसे बड़ा क्रूड सप्लायर है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 34 प्रतिशत कच्चा तेल रूस से आयात करता है। हाल के दिनों में रूस से तेल की खरीद में गिरावट आई है जबकि अमेरिका से तेल और गैस की सप्लाई बढ़ी है। भारत की कुल तेल और गैस की जरूरत का लगभग 10 प्रतिशत अमेरिका से आता है।

टैरिफ विवाद जल्द सुलझने की उम्मीद



चीन का विकल्प

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका से नॉन-जीएम मक्का और सोयाबीन का इम्पोर्ट बढ़ाया जा सकता है। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब अमेरिका चीन से मक्के के निर्यात में आई भारी गिरावट के बाद नए खरीदार तलाश रहा है। साल 2022 में जहां चीन ने अमेरिका से 5.2 अरब डॉलर का मक्का खरीदा था, वहीं 2024 में यह आंकड़ा घटकर सिर्फ 331 मिलियन डॉलर रह गया है। कुल मिलाकर अमेरिका के मक्के के निर्यात में भी 2022 में 18.57 अरब डॉलर से घटकर 2024 में 13.7 अरब डॉलर रह गया है। माना जा रहा है कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील की घोषणा इस महीने के अंत में होने वाले आसियान समिट के दौरान हो सकती है। इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्सा लेने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत इथेनॉल के आयात की अनुमति देने और रूस से तेल की खरीद कम करने पर विचार कर रहा है। इसके बदले में अमेरिका से एनर्जी ट्रेड में कुछ रियायतें मिलने की उम्मीद है।

रूसी तेल पर डिस्काउंट

सरकारी तेल कंपनियों को कच्चे तेल की सोर्सिंग डाइवर्सिफाई करने और अमेरिका की ओर रुख करने की सलाह दी जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय अधिकारियों ने इस बारे में रूस को बता दिया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार रूसी तेल पर मिल रही छूट और कच्चे तेल के बेंचमार्क मूल्य के बीच का अंतर काफी कम हो गया है। 2023 में यह 23 डॉलर प्रति बैरल से अधिक था जो अक्टूबर में सिर्फ 2-2.5 डॉलर प्रति बैरल रह गया है। इससे मिडिल ईस्ट और अमेरिकी कच्चे तेल अधिक प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। रूसी तेल पर डिस्काउंट के कारण भारत को वित्तीय वर्ष 2025 में 3.8 अरब डॉलर की बचत हुई।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट है। उसके साथ भारत आमतौर पर ट्रेड सरप्लस में रहता है। वित्तीय वर्ष 2025 में अमेरिका को भारत का निर्यात 86.51 अरब डॉलर रहा। इससे पहले भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के जल्द सुलझने की उम्मीद जताई थी। उन्होंने यह भी बताया था कि दोनों देशों के बीच 25 प्रतिशत के रेसिप्रोकल टैरिफ को घटाकर 10 से 15 प्रतिशत के बीच लाने पर बातचीत चल रही है।

दीवाली पर शॉपिंग का नया रिकॉर्ड, सरकारी खर्च से भी भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में दीवाली पर हुई शॉपिंग का नया रिकॉर्ड बन गया है। लोगों ने इस साल दीवाली पर कुल 6.05 लाख करोड़ रुपये किए, जो पिछले साल के मुकाबले 42 फीसदी अधिक है। यह आंकड़ा इसलिए खास है क्योंकि केंद्र सरकार का बजट 50 लाख करोड़ रुपये के



करीब है। केवल वित्त और रक्षा मंत्रालय का बजट छह लाख करोड़ से अधिक है, बाकी मंत्रालयों के बजट से दीवाली पर खर्च की गई रकम आगे निकल गई है।

पांच लाख करोड़ से अधिक के उमाद बिके- व्यापारियों के संगठन कैट ने मंगलवार को त्योहारी सीजन पर खरीद-बिक्री की रिपोर्ट जारी की। इसके अनुसार इस साल दीवाली पर 6.05 लाख करोड़ रुपये की बिक्री हुई है, जिसमें से 5.40 लाख करोड़ रुपये उत्पादों की बिक्री, जबकि 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं से आए। पिछले साल दिवाली पर बिक्री 4.25 लाख करोड़ रुपये रही थी। कैट ने यह आंकड़ा देशभर के 60 प्रमुख वितरण केंद्रों में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर जारी किया। इनमें राज्यों की राजधानियां और दूसरी एवं तीसरी श्रेणी के शहर शामिल हैं।

जीएसटी कटौती का दिखा असर- कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) कैट के मुताबिक, हाल ही में जीएसटी दरों में की गई कटौती का साफ असर उपभोक्ताओं के रुझान पड़ा है। जरूरी सामान के दाम घटने से उपभोक्ता त्योहार के दौरान अधिक खर्च के लिए प्रोत्साहित हुए। सर्वे में शामिल 72 प्रतिशत व्यापारियों ने दैनिक उपयोग की वस्तुओं, जूते, परिधान, कन्फेक्शनरी, घरेलू साजसज्जा और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों पर जीएसटी की दरों में कटौती को उच्च बिक्री का मुख्य कारण बताया।

गौतम अडानी का मास्टरस्ट्रोक! इस कंपनी ने किया एफडीआई में बड़ा योगदान

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल (सीडब्ल्यूआईटी) ने इस वर्ष पहले नौ महीनों में श्रीलंका के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह में सबसे अधिक योगदान किया। इसने अत्याधुनिक बंदरगाह



बुनियादी ढांचे में 22.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। निवेश बोर्ड ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सीडब्ल्यूआईटी, अडानी इंटरनेशनल पोर्ट होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (भारत) और जॉन कील्स होल्डिंग्स पीएलसी द्वारा श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी के साथ साझेदारी में किया गया निवेश है।

क्या है डिटेल- निवेश बोर्ड (बीओआई) ने घोषणा की, '' बीओआई-अनुमोदित उद्यमों में निवेश के लिए विदेशी वाणिज्यिक ऋण सहित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह जनवरी से सितंबर 2025 की अवधि के दौरान 82.7 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया जो 2024 की इसी अवधि में 138 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है।''

छोटे पैक में ज्यादा माल लेकिन दाम वही, अगले महीने से हो जाएगा ऐसा, सरकार की मिल गई हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। रोजमर्रा के कामकाज के दौरान आप कहीं दूसरे शहर गए हैं। सुबह नहाना है तो बाजार से एक या दो रुपये के शैम्पू के पाउच ले आए। दफ्तर से बाहर सड़क पर चाय पीने निकले तो साथ में 5 रुपये का बिस्कुट का छोटा पैक खरीद लिए। या फिर पांच या 10 रुपये वाला नमकीन का पैक ले लिए। आप भी ऐसा करते हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। इन सब पैक में अब पहले के मुकाबले ज्यादा सामान होंगे। जी हां, इनका वजन बढ़ा हुआ होगा। इसके पीछे जीएसटी दर में कटौती का सरकार का फैसला शामिल है।

सरकार से मिली है हरी झंडी- दरअसल, सकार ने बीते 22 सितंबर से जीएसटी के दरों में काफी कटौती की है। इससे छोटी पैकिंग वाले एफएमसीजी सामानों के दाम घट गए हैं। उदाहरण के लिए पहले पांच रुपये में जो क्ह्ह्द्यद्व-त्त का पैक मिलता था, वह अब 4.45 रुपये का हो जाएगा। एक रुपये की कैंडी का दाम अब 88 पैसे रह जाएगी। इसी तरह दो रुपये का शैंपू पाउच का दाम अब 1.77 रुपये रह जाएगा। ऐसे में सामान बेचने वाले के साथ साथ आम जनता को भी दिक्त होगी। इसलिए एफएमसीजी कंपनियों ने सरकार के



अधिकारियों से मुलाकात की थी। सरकार ने कुछ बड़े एफएमसीजी कंपनियों को यह साफ कर दिया है कि वे दाम कम करने के बजाय अपने पैकेट का वज़न या मात्रा बढ़ा सकते हैं। यह फैसला गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स की दरें कम होने के बाद लिया गया है।

जीएसटी विभाग की हरी झंडी- हमारे सहयोगी ईटी की एक खबर के मुताबिक सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स के अधिकारियों ने एफएमसीजी कंपनियों के साथ हुई मीटिंग्स में मौखिक रूप से यह साफ कर दिया है कि वे पैकेट का वज़न या मात्रा बढ़ा सकते हैं। इस जानकारी के बाद, कंपनियां अगले एक-दो हफ्तों में नए पैकेट का उत्पादन शुरू कर देंगी। इन नए पैकेटों में उत्पादों की मात्रा 6-12 प्रतिशत तक बढ़ाई जाएगी, लेकिन दाम वही पुराने 2, 5, 10 और 20 वाले ही रहेंगे।

अगले महीने आ जाएगा नया पैक- भारत की सबसे बड़ी बिस्कुट बनाने वाली अग्रणी कंपनी पारले के वाइस प्रेसिडेंट मयंक शाह ने बताया, आने वाले कुछ दिनों में, कंपनियां पुराने दामों पर ही बढ़े हुए वज़न वाले नए पैकेट बाज़ार में ले आएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि स्नैक्स इंडस्ट्री में तो नए उत्पादन के साथ बढ़े हुए वज़न वाले पैकेट पहले से ही बनने शुरू हो गए हैं, क्योंकि इन उत्पादों के पैकेट में ज्यादा बदलाव की जरूरत नहीं पड़ती। मयंक शाह ने आगे कहा, दूसरी तरह के उत्पादों के लिए, पैकेट के साइज़ में कुछ बदलाव करने होंगे। उस पर काम चल रहा है और उसके बाद नया उत्पादन शुरू होगा। उन्होंने बिस्कुट के बारे में बताया कि उनके पैकेट का वज़न 11-12 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा।

पानी की बोतलें भी होंगी सस्ती

देश की सबसे बड़ी पैक्ड पानी बनाने वाली कंपनी, बिसलेरी इंटरनेशनल के चीफ एग्जीक्यूटिव एंजेलो जॉर्ज ने कहा कि यह बस कुछ ही समय की बात है जब कंपनियां बढ़े हुए वज़न के साथ पुराने दामों पर वापस आ जाएंगी। उन्होंने कहा, अभी के दाम ग्राहकों के लिए सुविधाजनक नहीं हैं। यह भी बताया गया है कि जीएसटी दरें कम होने के बाद सभी कंपनियों ने अपने उत्पादों के दाम कम कर दिए थे। पार्ले का 5 वाला पार्ले-जी बिस्कुट का पैकेट 4.45 का हो गया था। भारत की सबसे बड़ी कन्फेक्शनरी कंपनी, मोंडेलेज़ ने भी अपने सभी उत्पादों के दाम बदले थे। जैसे, बॉर्नविटा 30 से 26.69 का हो गया था, ओरियो कुकीज़ 10 से 8.90 की हो गई थीं, और 20 वाले जेम्स और 5स्टार के पैकेट 17.8 के कर दिए गए थे। बिसलेरी ने भी 500 द्रव्य पानी की बोतल 10 से 9 की कर दी थी और एक लीटर वाली बोतल 20 से 18 की कर दी थी।

किराना दुकानों का हाल

हालांकि, कई किराना दुकानों ने इन नए दामों को संभालने में थोड़ी मुश्किल दिखाई। कुछ दुकानों ने तो दाम को राउंड ऑफ कर दिया, यानी 4.45 की जगह 4 या 5 ले लिए। कुछ ने तो बदले में टॉफी या बिस्कुट जैसी छोटी चीजें दे दीं। लेकिन, जो लोग यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसे डिजिटल पेमेंट सिस्टम से भुगतान कर रहे थे, उनसे दुकानों ने सही दाम ही लिए। बड़े रिटेल चेन और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने भी अपने दाम अपडेट कर दिए थे।

ज्वेलरी, केमिकल और एनर्जी सेक्टर...7 कंपनियों के आईपीओ को सेबी ने दी हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में कई कंपनियों के आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। ये कंपनियां ज्वेलरी से केमिकल और एनर्जी सेक्टर की हैं। ये कंपनियां- पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी, सुदीप फार्मा, रेजोन सोलर, शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज, सेफेक्स केमिकल्स, एग्कॉन इक्विप्मेंट्स इंटरनेशनल और एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (एआरसीआईएल) हैं। आइए डिटेल में जान लेते हैं।

पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी का आईपीओ- पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी ने 450 करोड़ के अपने नियोजित आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी प्राप्त कर ली है। इस आईपीओ में केवल एक नया इश्यू शामिल होगा। पुणे स्थित यह कंपनी पूरे महाराष्ट्र और दक्षिण भारत में अपनी प्रीमियम हीरे और सोने की खुदरा उपस्थिति का विस्तार करना चाहती है। इसके अलावा, गुजरात स्थित सुदीप फार्मा को भी अपने आईपीओ के लिए नियामकीय मंजूरी मिल गई है। इस पेशकश में लगभग 95 करोड़ के नए शेयर जारी करने के साथ-साथ मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री पेशकश भी शामिल है।



लॉजिस्टिक्स फर्म को मंजूरी

दूसरी ओर, लॉजिस्टिक्स फर्म शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज, जिसे फ्लिपकार्ट और मिराए एसेट का समर्थन प्राप्त है, ने इस महीने की शुरुआत में सेबी को अपने प्री-आईपीओ दस्तावेज जमा किए थे। इसके अतिरिक्त, एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड भी शामिल है, जो पूरी तरह से बिक्री-प्रस्ताव जारी करने का इरादा रखती है। मुंबई स्थित और भारतीय स्टेट बैंक तथा आईडीबीआई बैंक द्वारा समर्थित इस कंपनी में मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी कम करेंगे, जो कई वर्षों में भारत के संकटग्रस्त परिसंपत्ति प्रबंधन क्षेत्र का पहला आईपीओ हो सकता है।

एनर्जी कंपनी का भी आ रहा आईपीओ

रेजोन सोलर ने अपने 1,500 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी से मंजूरी प्राप्त कर ली है, जिससे यह इस साल स्वच्छ ऊर्जा निर्माण क्षेत्र में सबसे बड़े आईपीओ में से एक बन गया है। नियामक ने बनयानट्री कैपिटल द्वारा समर्थित एक प्रमुख कृषि रसायन उत्पादक, सेफेक्स केमिकल्स इंडिया के लिए एक नए-सह-बिक्री-प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। गुरुग्राम की एक कंपनी, एग्कॉन इक्विप्मेंट्स इंटरनेशनल को 330 करोड़ के आईपीओ के लिए मंजूरी मिल गई है, जिसका उपयोग नई मशीनरी खरीदने और कर्ज कम करने के लिए किया जाएगा।

सत्य नडेला को मिली रिकॉर्ड 849 करोड़ सैलरी, एआई ग्रोथ के बीच ऐतिहासिक उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्य नडेला की कुल सैलरी 96.5 मिलियन डॉलर (करीब 849 करोड़) तक पहुंच गया। यह उनके अब तक के करियर का सबसे ऊंचा स्तर है। कंपनी ने इस वृद्धि का श्रेय कृत्रिम बुद्धिमत्ता में अभूतपूर्व प्रगति को दिया है।

प्रदर्शन-आधारित वेतन का रिकॉर्ड- ब्लूमबर्ग के मुताबिक कंपनी के नए प्रॉक्सी फाइलिंग में बताया है कि नडेला का वेतन पिछले वर्ष के 79.1 मिलियन डॉलर से 22 प्रतिशत बढ़ा है। इसमें से लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा शेयरों के रूप में दिया गया है। उनका बेसिक



वेतन 2.5 मिलियन डॉलर है, जबकि करीब 9.5 मिलियन डॉलर नकद बोनस के रूप में मिला। माइक्रोसॉफ्ट के निदेशक मंडल ने कहा कि नडेला के कुल पारिश्रमिक का 95 प्रतिशत हिस्सा परफॉर्मेंस-आधारित है, जो कंपनी के मुनाफे और शेयर रिटर्न से जुड़ा है।

माइक्रोसॉफ्ट की आय वर्ष 2025 में 15 प्रतिशत बढ़कर 281.7 बिलियन डॉलर पहुंच गई, जबकि शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 101.8 बिलियन डॉलर रहा। कंपनी के शेयर भी इस साल अब तक 23 प्रतिशत उछले हैं, जो स×क्क500 इंडेक्स की 15 प्रतिशत बढ़त से अधिक है।

नडेला का जीवन परिचय

हैदराबाद में जन्मे सत्य नडेला ने 1988 में मैंगलोर यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया। इसके बाद उन्होंने अमेरिका जाकर यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिनङ्कमिलवॉकी से 1990 में कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स किया। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सन माइक्रोसिस्टम्स से की, लेकिन 1992 में माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ने के बाद उन्होंने ऑपरेटिंग सिस्टम में योगदान दिया। धीरे-धीरे वे क्लाउड और सर्वर डिवीजन के प्रमुख बने और फिर 2014 में माइक्रोसॉफ्ट के तीसरे सीइओ बने। उनके नेतृत्व में माइक्रोसॉफ्ट ने न केवल अपनी खोई प्रतिस्पर्धा फिर पाई बल्कि दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में से एक बन गई। इस वर्ष उनकी आय का रिकॉर्ड यह दिखाता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश ने कंपनी को नए युग में पहुंचा दिया है।

स्विगी से मंगाया मटर मशरूम डिलीवर हुआ तंदूरी चिकन क्लासिक

नई दिल्ली, एजेंसी। आप शाकाहारी । दिवाली के दिन आप किसी अच्छे स्टोरेंट का खाना मंगाना चाहते हैं। स्विगी । आर्डर भी प्लेस कर देते हैं। लेकिन ापको डिलीवरी ब्वॉय जो खाना डलीवर किया वह शाकाहारी नहीं ांसाहारी हो, तो फिर क्या हो ऐसा ही कुछ ोलकाता में रहने वाले सुमित अग्रवाल साथ हुआ। उन्होंने इस बावत लिंक्डइन र एक पोस्ट लिखा है।

पूरा परिवार हिल गया- पश्चिम ंगाल के एक लिंक्डइन यूजर, सुमित ग्रवाल, ने दिवाली के मौके पर स्विगी । हुए एक ऑर्डर की गलती के बारे में ताया है। उसका कहना है कि स्विगी की ह गलती उनके परिवार को हिलाकर रख ्या। सुमित ने बताया है कि उन्होंने रंग दे संती ढाबा से मटर मशरूम ऑर्डर किया ा। लेकिन, उन्हें तंदूरी चिकन क्लासिक डलीवर हुआ। सुमित ने यह भी बताया क उनका परिवार मारवाड़ी है और उन्होंने ताया कि इस घटना से उनके परिवार ालों पर क्या बीती।



उन्होंने लिखा, यह सिर्फ एक डिलीवरी की गलती नहीं है। यह भावनात्मक आघात है। मेरी मां, जो शादी के बाद से शुद्ध शाकाहारी रही हैं, वे बुरी तरह हिल गईं। सोचिए, पूजा के बाद आप अपना खाना खोलें, एक शाकाहारी व्यंजन की उम्मीद कर रहे हों - और आपको मांस मिले। वह सदमा। वह अविश्वास। और उसके बाद दिया कि यह घटना इसलिए गंभीर है क्योंकि खाना सिर्फ खाना नहीं होता। उन्होंने कहा, हममें से कई लोगों के लिए, खाना सिर्फ खाना नहीं है। यह आस्था, पवित्रता और परंपरा की अभिव्यक्ति है। यह वह तरीका है जिससे हम अपनी मान्यताओं का सम्मान करते हैं। मैं समझता हूँ कि गलतियाँ होती हैं। लेकिन पहुँचाती हैं - क्योंकि वे भावनात्मक और सांस्कृतिक सीमाओं को पार कर जाती हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं यह गुस्से में नहीं बता रहा हूं। मैं यह इसलिए बता रहा हूँ क्योंकि मुझे उम्मीद है कि स्विगी और रंग दे बसंती ढाबा इसे गंभीरता से लेंगे।

भोजन बेहद व्यक्तिगत मामला- सुमित ने इस घटना को भारत में खान-पान और आहार संबंधी परंपराओं के बड़े संदर्भ से भी जोड़ा। उनके अनुसार, ऐसी गलतियों का व्यक्तिगत स्तर पर गहरा असर पड़ता है, जिसके कई कारण हैं। उन्होंने समझाया, हम एक विविध देश में रहते हैं - जहाँ आस्था और भोजन बहुत व्यक्तिगत होते हैं, और उस विविधता का सम्मान करना महत्वपूर्ण है। समावेशिता सिर्फ पहुंच के बारे में नहीं है। यह सांस्कृतिक संवेदनशीलता के बारे में भी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसा किसी और परिवार के साथ न हो। उन्होंने कहा, क्योंकि कभी-कभी, जो आपकी प्लेट में परोसा जाता है, वह स्वाद से कहीं ज़्यादा चोट पहुंचा सकता है। यह सिर्फ़ खाने की बात नहीं है। यह आस्था और सम्मान की

रेस्टोरेंट ने क्या जवाब दिया

इस पोस्ट पर ज़िंग रेस्टोरेंट्स , जो रंग दे बसंती ढाबा का संचालन करती है, ने लिंक्डइन पर कमेंट सेक्शन में माफ़ी मांगी। उन्होंने कहा, हाय सुमित, हम आपके और आपके परिवार के अनुभव के लिए सचमुच माफ़ी चाहते हैं। हम समझते हैं कि यह सिर्फ़ एक गड़बड़ नहीं है; यह बहुत व्यक्तिगत है और इसमें भावनात्मक वजन है। उन्होंने आगे बताया कि ऑर्डर डिटेल्स चेक करने के बाद, उन्हें पता चला कि यह एक बैच ऑर्डर डिस्पैच का हिस्सा था। इसमें एक ही डिलीवरी एग्जीक्यूटिव दोनों ऑर्डर ले जा रहा था, और गलती एग्रीगेटर के स्तर पर हुई थी। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने स्विगी से संपर्क किया है ताकि भविष्य में ऐसी गलतियां न हों। उन्होंने सुमित और उनके परिवार से एक बार फिर माफ़ी मांगी और बताया कि उन्होंने सारी डिटेल्स के ज़रिए साझा

3 बार बोनस शेयर का तोहफा, नवरत्न कंपनी ने 1 लाख रुपये के बना दिए 1 करोड़ रुपये



नई दिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने 10 साल में ही अपने शेयरधारकों को मालामाल कर दिया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों ने पिछले 10 साल में 1 लाख रुपये के निवेश को 1 करोड़ रुपये से ज्यादा बना दिया है। कंपनी के शेयरों ने यह कमाल बोनस शेयरों के दम पर दिखाया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने दस साल से थोड़े ज्यादा बोनस शेयर का तोहफा दिया है। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 31 जुलाई 2015 को 40.27 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 31 जुलाई 2015 को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते तो उसे कंपनी के 2480 शेयर मिलते। नवरत्न कंपनी ने साल 2015 से लेकर अब तक अपने शेयरधारकों को 3 बार बोनस शेयर

पेरिस मास्टर्स

पेरिस मास्टर्स में हिस्सा नहीं लेंगे नोवाक जोकोविच

● चोट बनी वजह? अगले सप्ताह होना है टूर्नामेंट

पेरिस, एजेंसी। जोकोविच इस सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। मई से लेकर सितंबर के अंतिम सप्ताह तक जोकोविक ने सिर्फ तीन ग्रैंडस्लैम में ही हिस्सा लिया था। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से हट गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिये इसकी जानकारी दी है। जोकोविज इससे पहले पैर में



चोट के कारण मैत्री टूर्नामेंट से भी हट गए थे। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच इस सीजन लगातार नहीं खेल सके हैं। उन्होंने चार ग्रैंडस्लैम के अलावा सिर्फ आठ एटीपी टूर इवेंट में ही हिस्सा लिया है।

इस सीजन चारों ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच- 38 साल के जोकोविच इस सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। मई से लेकर सितंबर के अंतिम सप्ताह तक जोकोविक ने सिर्फ तीन ग्रैंडस्लैम में ही हिस्सा लिया था। हाल ही में शांघाई मास्टर्स के सेमीफाइनल के दौरान उन्हें कूछ दिक्कत लगी थी। पिछले सप्ताह सऊदी अरब में सिक्स किंग्स स्लैम में उन्हें आमंत्रित किया गया था। ओपनिंग दौर में बाई मिलने के बाद जोकोविच यानिक सिनर से हार गए थे। तीसरे स्थान पर रहने के लिए उनका टेलर फ्रिट्ज से हुआ, लेकिन एक सेट के बाद ही उन्होंने मैच रोक दिया। जोकोविच एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने के बाद 2024 में इस टूर्नामेंट में नहीं खेले थे। इस बार ये टूर्नामेंट नौ से 16 नवंबर तक इटली के तुरिन में होगा।

सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेगा पाकिस्तान

भारत उतारेगा दल; समरदीप पर नजरें

रांची, एजेंसी। रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में होने जा रही इस चैंपियनशिप में छह देशों के तकरीबन 300 एथलीट शिरकत करने जा रहे हैं। मेजबान भारत ने भी इस चैंपियनशिप के लिए अपने प्रमुख एथलीटों की बजाय युवा एथलीटों को मौका देने का फैसला लिया है। बीते एक वर्ष में दो बार स्थगित होने के बाद 24 अक्तूबर से रांची में आयोजित होने जा रही सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पाकिस्तान भाग नहीं लेगा। पाकिस्तान ने इस चैंपियनशिप के लिए प्रवेश ही नहीं भेजा है। इससे पहले यह चैंपियनशिप दो बार पाकिस्तानी एथलीटों को वीजा नहीं दिए जाने के चलते स्थगित की गई थी। 26 अक्तूबर तक रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में होने जा रही इस चैंपियनशिप में छह देशों के तकरीबन 300 एथलीट



शिरकत करने जा रहे हैं। मेजबान भारत ने भी इस चैंपियनशिप के लिए अपने प्रमुख एथलीटों की बजाय युवा एथलीटों को मौका देने का फैसला लिया है।

90 भारतीय एथलीट भाग लेंगे

चैंपियनशिप का आकर्षण शॉटपुटर समरदीप सिंह गिल होंगे। गिल पिछले तीन टूर्नामेंट से एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तेजिंदर पाल सिंह तूर को हराते आ रहे हैं। उन्होंने अंतरराज्यीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट में अगस्त माह में 19.82 मीटर गोला फेंका था। चैंपियनशिप में भारत के 90 के करीब एथलीटों के शिरकत करने की उम्मीद है। इनमें 400 मीटर में नीरू पाठक, डिस्कस थ्रो में किरपाल सिंह, 800 मीटर में लिली दास, 4 गुणा 400 मीटर रिले में एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता एमआर पूवम्मा, प्रिया मोहन, 4 गुणा 100 मीटर रिले में एमवी जिल्ना, पुरुष जेवलिन थ्रो में ऋषभ नेहरा, हिमांशु जैसे एथलीट शामिल हैं।



पर्थ में फ्लॉप रहे रोहित-कोहली

● बल्लेबाजी कोच ने इस तरह सपोर्ट किया

एडिलेड, एजेंसी। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने विराट कोहली और रोहित शर्मा का समर्थन किया है, जिन्होंने पर्थ में खेले गए पहले वनडे मैच में निराशाजनक प्रदर्शन किया था। कोटक का मानना है कि रो-को ने सीरीज के लिए पूरी तैयारी की थी, लेकिन मौसम ने खेल बिगाड़ दिया।

सितांशु कोटक के मुताबिक, पर्थ में मौसम की स्थिति बल्लेबाजों के लय हासिल करने में संघर्ष करने का एक प्रमुख कारण थी, जिसके कारण खिलाड़ियों को कई बार मैदान से बाहर जाना पड़ा। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के समापन के बाद पहली बार टीम इंडिया में वापसी की, लेकिन फैंस को निराश कर गए।

पर्थ में रोहित ने 14 गेंदों में 8 रन बनाए, जबकि विराट कोहली 8 गेंदों में खाता तक नहीं खोल सके। बारिश से प्रभावित इस मैच में भारत को डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सितांशु कोटक ने बुधवार को पत्रकारों से कहा, रोहित-कोहली काफी अनुभवी हैं। मुझे लगता है कि मौसम की वजह से ऐसा हुआ। अगर ऑस्ट्रेलिया पहले बल्लेबाजी करने उतरता, तो भी स्थिति ऐसी ही होती। जब चार-पांच बार रुकावट आती है और हर दो ओवर में आप अंदर जाकर मैदान पर वापस आते हैं, तो यह आसान नहीं होता।

बल्लेबाजी कोच ने रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर कहा, ऑस्ट्रेलिया आने से पहले, उन्होंने पूरी तैयारी की थी। मुझे लगता है कि अभी उनके बारे में किसी तरह की राय बनाना जल्दबाजी होगी। उन्होंने अभी-अभी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है। वे अभी भी आईपीएल खेल रहे हैं।

एकबार फिर टीम इंडिया ने पाक कप्तान से नहीं मिलाया हाथ

मैच में 81-26 से रौंदा!

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई युवा खेलों में भारत की युवा कबड्डी टीम ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने पूरे देश को गर्व से भर दिया. बहरीन में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 81-26 के विशाल अंतर से हरा दिया. इस मैच से पहले टॉस के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसने सबका ध्यान खींच लिया. भारतीय कप्तान ईशांत राठी ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से मना कर दिया.



पाकिस्तान की करारी हार

टॉस के वक्त हुए इस 'नो हैंडशेक' मोमेंट के बावजूद, भारतीय टीम ने मैदान पर शानदार खेल दिखाया. शुरू से ही भारत ने मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा. पाकिस्तान की टीम भारतीय खिलाड़ियों की गति और रणनीति के आगे टिक ही नहीं पाई. इससे पहले भारत ने बांग्लादेश को 83-19 और श्रीलंका को 89-16 से हार का स्वाद चखाया था. यानी टीम इंडिया अब तक टूर्नामेंट में अपराजित रही है और फाइनल की ओर मजबूती से बढ़ रही है.

कबड्डी में भारत का एकछत्र राज

पहली बार है जब कबड्डी को एशियाई युवा खेलों का हिस्सा बनाया गया है. सात देशों की टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से भिड़ रही हैं. इस फॉर्मेट में जो टीमें शीर्ष पर रहेंगी, वे 23 अक्टूबर को होने वाले फाइनल मुकाबले में आमने-सामने होंगी. मौजूदा प्रदर्शन देखकर ऐसा लगता है कि भारत फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर चुका है.

'नो हैंडशेक' से उठे सवाल, लेकिन मिला देश का समर्थन

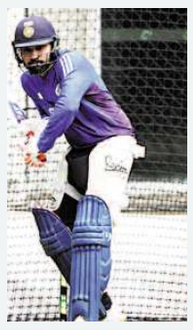
भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों के बीच हाथ न मिलाने का ट्रेंड अब बार-बार दिखने लगा है. कुछ महीने पहले एशिया कप क्रिकेट में भी सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम ने मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाने का फैसला किया था. महिला टीम ने भी इसी साल विश्व कप के दौरान ऐसा ही किया था. भारत की ओर से यह रुख हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से लिया गया है. इस हमले में 26 भारतीय मारे गए थे. कई खेल विश्लेषकों का मानना है कि यह 'नो हैंडशेक' पाकिस्तान के खिलाफ एक मूक विरोध है.



दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया के निशाने पर होंगे रोहित-कोहली

कंगारूओं ने Ro-Ko के लिए बनाई योजना

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज भी जानते हैं कि रोहित-कोहली पर एडिलेड में रन बनाने का दबाव होगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दोनों ही बल्लेबाजों की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। भारतीय टीम को दूसरे वनडे में घेरने के लिए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने साढ़े सात माह बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली को निशाना बनाने की योजना बनाई है। पहले वनडे में फ्लॉप रहे दोनों



दिग्गजों के लिए एडिलेड का मैच महत्वपूर्ण होगा। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज भी जानते हैं कि दोनों पर एडिलेड में रन बनाने का दबाव होगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दोनों ही बल्लेबाजों की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे गुरुवार को भारतीय समयानुसार सुबह नौ बजे से खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की कोशिश इन दोनों को एक बार फिर सस्ते में आउट करते हुए भारतीय टीम पर दबाव बनाकर एडिलेड में ही सीरीज जीतने की होगी। वहीं, भारतीय टीम की कोशिश पर्थ में मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पर पलटवार करने की होगी, लेकिन इसके लिए गुरुवार को होने वाले दूसरे वनडे में रोहित और विराट के बल्ले से रन निकलना अहम होगा। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट का कहना है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम जब भारत के खिलाफ एडिलेड में उतरेगी तो उसकी कोशिश विराट कोहली की ऑफ स्टंप के बाहर की कमजोरी का फायदा उठाने की होगी। पर्थ में भी मिचेल स्टार्क ने विराट को शून्य पर ऑफ स्टंप के बाहर स्विंग होती गेंद पर आउट किया था।

पाकिस्तान की करारी हार, बोर्ड में मचा बवाल!

लाहौर, एजेंसी। विश्व कप में लगातार हार के बाद पाकिस्तानी महिला क्रिकेट टीम आलोचनाओं के घेरे में आ गई है। मंगलवार को कोलंबो में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान को दक्षिण अफ्रीका के हाथों 150 रनों से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। यह हार टीम के लिए केवल एक मैच नहीं, बल्कि आत्ममंथन का समय बन गई है।



लगातार हार से डगमगाया आत्मविश्वास

पाकिस्तानी टीम अभी अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। अब तक टीम को बांग्लादेश, भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से हार मिली है, जबकि इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच बारिश के कारण अधूरे रहे। इस खराब प्रदर्शन ने खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बुरी तरह झकझोर दिया है।

बल्लेबाजी पर सवाल, गेंदबाजों ने किया संघर्ष

जहां बल्लेबाजों ने उम्मीदें तोड़ीं, वहीं गेंदबाजों ने कई मौकों पर टीम को मैच में बनाए रखने की कोशिश की। जावेरिया ने कहा कि गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया, भारत और इंग्लैंड जैसी टीमों के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन उन्हें बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला।

घरेलू ढांचे की कमी, नई प्रतिभाएं नहीं मिल रहीं- पूर्व तेज गेंदबाज और कोच कबीर खान ने टीम के कमजोर प्रदर्शन की जड़ में घरेलू क्रिकेट ढांचे की कमी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, हमारे पास नई प्रतिभाएं नहीं आ रहीं क्योंकि हमारा घरेलू सिस्टम बहुत कमजोर है। हमें जूनियर स्तर से शुरुआत करनी होगी। पाकिस्तान में बहुत सी लड़कियां क्रिकेट खेलना चाहती हैं, लेकिन उन्हें मंच नहीं मिलता। कबीर का मानना है कि अगर पाकिस्तान को भविष्य में मजबूत महिला टीम बनानी है तो उसे घरेलू टूर्नामेंट्स और प्रशिक्षण सुविधाओं पर बड़ा निवेश करना होगा।

पाकिस्तान भी वर्ल्ड कप से बाहर

अब एक स्पॉट के लिए तीन टीमों में जंग, दिलचस्प हुआ सेमीफाइनल का समीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में पाकिस्तानी टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें पूरी तरह ध्वस्त हो गई हैं. 21 अक्टूबर (मंगलवार) को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में हुए मुकाबले में पाकिस्तान को साउथ अफ्रीका ने डीएलएस नियम के तहत 150 रनों से हरा दिया. बारिश से प्रभावित मैच में पाकिस्तानी टीम को 20 ओवर्स में 234 रन बनाने थे, लेकिन वो सात विकेट पर 83 रन ही बना सकी. मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 40



ओवरों में 9 विकेट पर 312 रन बनाए थे. साउथ अफ्रीका इस जीत के साथ ही अंकतालिका में टॉप पर पहुंच गया. महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका की टीम्स पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं. वहीं पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश अंतिम-चार की रेस से बाहर हो चुका है.

न्यूजीलैंड को हराने पर मिलेगा सेमीफाइनल का टिकट

अगर भारतीय टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है वो सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी क्योंकि उसके 6 अंक हो जाएंगे. भारत सेमीफाइन की रेस में शामिल तीन टीम्स में ऐसी अकेली ऐसी टीम होगी, जिसने तीन मैच जीते होंगे. लेकिन अगर भारतीय टीम न्यूजीलैंड से हारती है और वो बांग्लादेश को हराती है, तो उसे उम्मीद करनी होगी कि इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को हराए, तभी भारत टॉप-4 में पहुंच पाएगा. अगर भारत अपने दोनों बचे मैच हारता है, तो उसका सफर यहीं खत्म हो जाएगा. न्यूजीलैंड के पांच मैचों से 4 अंक हैं और उसका नेट रनरेट -0.245 है. न्यूजीलैंड की टीम पांचवें नंबर पर है. अगर न्यूजीलैंड अपने दोनों मैच (बनाम भारत और इंग्लैंड) जीत लेता है, तो वह 8 अंकों के साथ सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा. अगर न्यूजीलैंड की टीम भारत को हराती है, लेकिन इंग्लैंड से हार मिलती है, तो उसे उम्मीद करनी होगी कि बांग्लादेश की टीम भारत को हराए. साथ ही उसका नेट रन रेट श्रीलंका से बेहतर रहे या पाकिस्तानी टीम श्रीलंका को हरा दे.

आईसीसी टेस्ट रैंकिंगः

जसप्रीत बुमराह के लिए मुसीबत बना पाकिस्तान का 39 साल का गेंदबाज, नंबर 1 रैंकिंग पर खतरा



नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बादशाहत पर खतरा मंडराने लगा है. 39 साल के स्पिनर उनके काफी करीब पहुंच गया है. ये स्पिनर साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए ये मुकाम हासिल किया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान के इस स्पिनर ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी और 10 विकेट हासिल किए थे. आईसीसी टेस्ट बॉलिंग की रैंकिंग में ये गेंदबाज दूसरे स्थान पर पहुंच गया है.

नुमान अली ने लगाई लंबी छलांग- पाकिस्तान के स्टार स्पिनर नुमान अली ने आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं. इस दौरान वो जसप्रीत बुमराह को कड़ी टक्कर दे रहे हैं.

सचिन से 5000 ज्यादा मेरे रन...

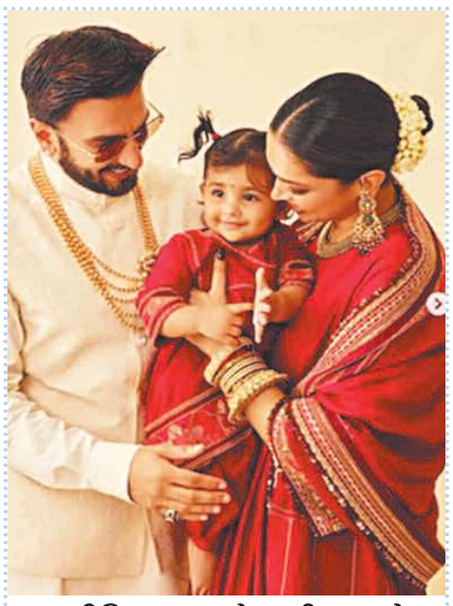
सबसे ज्यादा शतक भी मेरे होते, ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के बयान से सब हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। मिस्टर क्रिकेट के नाम से मशहूर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज माइक (माइकल) हसी का एक बयान खूब वायरल हो रहा है. हसी ने कहा है कि अगर उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट में ज्यादा मौके मिले होते या सही समय पर उनका डेब्यू हुआ होता तो फिर वह भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर से 5000 रन ज्यादा बना देते.



यू-ट्यूब चैनल पर माइक हसी ने कहा, मेरे टाइम पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में काफी प्रतिभा थी, जिस कारण मुझे देरी से मौका मिला. अगर मुझे सही समय पर मौका मिला होता तो यकीनन मैं सचिन तेंदुलकर से ज्यादा रन बना देता.

हसी ने आगे कहा, मैंने इसके बारे में बहुत सोचा है. मैं सचिन से 5000 रन पीछे रह जाऊंगा, जो इस खेल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. सबसे ज्यादा जीत, सबसे ज्यादा शतक, सबसे ज्यादा एशेज और सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप, हर चीज मेरे नाम. फिर बदकिस्मती से मैं सुबह उठता हूं तो यह सब सपना लगता है. फिर मैं सोचता हूं मुझे पहले मौका मिला होता तो ज्यादा अच्छा होता.



दीपिका पादुकोण की बहन ने भांजी दुआ को दिया नया नाम, सुन कर फैंस बोले- बहुत क्यूट है

हाल ही में रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने अपनी बेटी दुआ का चेहरा दिखाया है। ऐसे में दीपिका की बहन अनीशा पादुकोण ने दुआ को नया नाम दिया है। इस दिवाली पर दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अपनी बेटी दुआ का चेहरा दिखाकर फैंस को चौंका दिया है। इस खुशी को और बढ़ाते हुए, दीपिका की बहन अनीशा पादुकोण ने दुआ के लिए अपना प्यार दिखाया। यही नहीं उन्होंने दुआ को नया और प्यार सा नाम दिया है।

रणवीर-दीपिका ने दिखाया बेटी का चेहरा: मंगलवार को दीपिका और रणवीर ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी दुआ पादुकोण सिंह का चेहरा दिखाया। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि दुआ अपनी मां की गोद में हैं और काफी खुश हैं। एक तस्वीर में दुआ अपनी छोटी उंगली मुंह में दबाए हुए दिख रही हैं।

अनीशा पादुकोण ने दुआ को दिया नया नाम: इस पोस्ट को कई फैंस ने लाइक किया है और इस पर कमेंट किए हैं। आलिया भट्ट, कटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा जैसी अभिनेत्रियों ने दुआ को प्यार और शुभकामनाएं दीं। इस बीच दीपिका की बहन अनीशा पादुकोण के कमेंट ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने अपनी भांजी के लिए एक खास संदेश लिखा। उन्होंने प्यार से लिखा, मेरे दिल का छोटा सा टुकड़ा, मेरी टिंगू। इस कमेंट से फैंस काफी खुश हुए। उन्होंने इसे क्यूट बताया।



दीपावली के बाद दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने पर वाणी कपूर ने जताई चिंता

दीपावली के एक दिन बाद देश की राजधानी नई दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब हो गई। इस पर अभिनेत्री वाणी कपूर ने चिंता जताई।उन्होंने एक पोस्ट करते हुए उम्मीद जताई कि अगले साल हम वायु प्रदूषण को बढ़ाए बिना जश्न मनाने का कोई नया तरीका तलाश करेंगे। वाणी कपूर ने इंस्टाग्राम पर बताया कि जब वह सुबह उठीं तो नई दिल्ली में एक्यूआई का स्तर 447 तक पहुंच गया।

उन्होंने लिखा, सुबह उठी तो दिल्ली का एक्यूआई 447 था, जो आज दुनिया में सबसे अधिक है। शायद अगले साल, हम हवा को प्रदूषित किए बिना जश्न मनाने का तरीका खोज लें। उनका इशारा दीपावली की रात में फोड़े गए पटाखों से हुए प्रदूषण की तरफ था, जिसके चलते राजधानी की वायु गुणवत्ता का स्तर गिर गया। दीपावली के बाद अक्सर दिल्ली-एनसीआर का एक्यूआई लेवल बढ़ जाता है। इसके लिए अधिकतर लोग दीपावली में इस्तेमाल किए गए पटाखों को दोष देते हैं। फिल्मों की बात करें तो वाणी कपूर को पिछली बार 'द बुचर ऑफ बनारस' उपन्यास पर आधारित 'मंडला मर्डर्स' में देखा गया था। इसके साथ उन्होंने ओटीटी पर डेब्यू किया था। इसमें उत्तर प्रदेश के एक काल्पनिक शहर चरणदासपुर की कहानी है। यहां होने वाले मर्डर एक पुरानी लेकिन अजीब प्रथा से जुड़े थे।

इसकी जांच करने में जुटी पुलिस के सामने ऐसे भेद खुलते हैं जो कुछ लोगों की आस्था पर सवाल खड़े करते हैं। इस सीरीज में वैभव राज गुप्ता, सुरवीन चावला, रघुबीर यादव और श्रिया पिलगांवकर जैसे कलाकार भी हैं। वाणी कपूर अगली बार नवजोत गुलाटी द्वारा निर्देशित 'बदतमीज गिल' में दिखाई देंगी। इस फिल्म में अपारशक्ति खुराना, परेश रावल, शीबा चड्ढा, रिचर्ड क्लेन और मोनिका चौधरी भी हैं। इसकी रिलीज डेट अभी फाइनल नहीं हुई है।

फिर प्यार में पड़ीं

बिग बॉस फेम पवित्रा पुनिया



पवित्रा पुनिया ने एक ऐसे व्यक्ति से सगाई की है, जो मनोरंजन जगत से नहीं है। पवित्रा ने अपने पार्टनर और सगाई की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। ये है मोहब्बतें और गीत- हुई सबसे पराई जैसे टीवी शो के लिए मशहूर अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने सगाई कर ली है। उन्होंने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति से सगाई की है, जो मनोरंजन जगत से नहीं है। पवित्रा ने अपने पार्टनर और सगाई की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। आइए देखते हैं उनकी पोस्ट में क्या है?

पवित्रा ने दिखाई पार्टनर की झलक

पवित्रा पुनिया ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति उन्हें प्रपोज कर रहा है। कई तस्वीरों में पवित्रा उस व्यक्ति के साथ गले मिल रही हैं। यह तस्वीरें इस तरह से ली गई हैं कि तस्वीरों में उनके पार्टनर का चेहरा नहीं दिख रहा है। तस्वीरें शेयर करते हुए पवित्रा ने कैप्शन में लिखा प्यार में बंध गई। हमने इसे आधिकारिक बना दिया। पवित्रा पुनिया जल्द ही मिसेज एनएस बनने वाली हैं।

एजाज खान से था रिश्ता

हाल ही में एक इंटरव्यू में, पवित्रा ने दोबारा प्यार पाने के बारे में बात की। इससे पहले उनकी सगाई अभिनेता और बिग बॉस 14 के साथी प्रतियोगी एजाज खान से हुई थी। 2023 में अलग होने से पहले उन्होंने लगभग तीन साल तक एक-दूसरे को डेट किया।

नए पार्टनर के बारे में

बातचीत में पवित्रा ने कहा कि वह विदेश में अपने नए पार्टनर और उनके परिवार के साथ दिवाली मनाएंगी। एचटी से बात करते हुए पुनिया ने अपने रिश्ते की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हां, मुझे फिर से प्यार मिल गया है और इस साल दिवाली मेरे लिए और भी खास है क्योंकि मैं इसे अपने नए परिवार के साथ मना रही हूं। उन्होंने बताया वह अमेरिका के एक बिजनेसमैन हैं, कोई एक्टर नहीं। वह एक बेहतरीन इंसान हैं और दयालु हैं। हम पिछले कुछ समय से एक-दूसरे के साथ अच्छे रिश्ते में हैं।

बिग बॉस 9 फेम प्रिया मलिक दिवाली पर हादसे का शिकार

कपड़ों में लगी आग; बाल-बाल बची जान, सुनाई आपबीती

बिग बॉस 9 फेम प्रिया मलिक दिवाली के मौके पर हादसे का शिकार हो गईं। इस हादसे में वे बाल-बाल बची हैं। अभिनेत्री के कपड़ों और बालों में आग लग गई थी। हादसे की आपबीती प्रिया ने सोशल मीडिया पर शेयर की।

प्रिया मलिक बीती रात दिवाली के जश्न में डूबी थीं। इसी दौरान उनके साथ एक हादसा हो गया। वे आग की लपटों में झुलस गईं। हालांकि, वक्त रहते उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया। इस हादसे की आपबीती प्रिया मलिक ने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए बताया कि वे इस हादसे में बाल-बाल बची हैं।

पिता ने दिखाई तत्परता, बाल-बाल बचीं प्रिया

प्रिया मलिक ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर किए हैं। इसके जरिए उन्होंने बताया कि



हादसा उस वक्त हुआ, जब वे दिवाली सेलिब्रेट करते हुए फोटोज क्लिक करा रही थीं। हालांकि, उनके पिता ने तत्परता दिखाई और उन्हें बचा लिया, वरना हादसा गंभीर रूप ले सकता था।

दीये से कपड़ों में लगी आग

प्रिया मलिक ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर उस भयावह हादसे की घटना को याद करते हुए पोस्ट शेयर किया है। इससे वह और उनका परिवार स्तब्ध रह गए। प्रिया मलिक ने लिखा कि वह अपने पड़ोसियों के साथ तस्वीरें लेते हुए एक दीये के पास खड़ी थीं, तभी उनके आउटफिट में अचानक आग लग गई, जिसने उनकी पूरी पीठ, नीचे से कंधों तक और बालों के जूड़े तक को अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने आगे लिखा, इससे पहले कि मैं कुछ समझ पाती, मैंने अपने दाहिने कंधे से आग की लपटें उठती देखीं और महसूस किया कि मेरी पूरी पीठ में आग लग गई है।

सदमे में प्रिया और उनका परिवार

प्रिया के मुताबिक, मैं किसी छोटी-मोटी आग की नहीं, बल्कि भीषण लपटों की बात कर रही हूं। शुक्र है कि मेरे पिताजी जलते हुए कपड़ों को फाड़ने में कामयाब रहे, क्योंकि जलने से बचने का यही एकमात्र रास्ता था। लेकिन इस घटना से मैं और मेरा परिवार गहरे सदमे में हैं। प्रिया ने आगे बताया कि इस घटना ने उन्हें एहसास दिलाया कि एक साधारण लेकिन सामान्य सी लापरवाही जानलेवा हो सकती है। उन्होंने स्वीकार किया कि इस घटना ने उन्हें बहुत झकझोर दिया है। प्रिया ने लिखा, उस पल में मेरे पिताजी हीरो थे। मैं ठीक हूं। मेरे कंधों, पीठ और उंगलियों पर मामूली जलन है। बता दें कि प्रिया को नजर, क्राइम पेट्रोल और सावधान इंडिया जैसे शो में देखा जा चुका है।

चित्रांगदा सिंह की तबीयत बिगड़ी

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह की तबीयत ठीक नहीं है। उन्होंने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा की है। सोशल मीडिया पर लोग उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।चित्रांगदा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अस्पताल के बिस्तर से अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। इस फोटो में चित्रांगदा बिस्तर पर लेटी हैं और उनके हाथ में ड्रिप लगी हुई है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, जल्द ही खरगोश की तरह दौड़ने लगूंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने अस्पताल में भर्ती होने का कारण नहीं बताया। उनकी यह पोस्ट सोशल मीडिया पर छाई है। इसे देखने के बाद फैंस चित्रांगदा के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। फिल्मों की बात करें तो चित्रांगदा सिंह को पिछली बार हाउसफुल 5 में देखा गया था। इसमें अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप जैसे कलाकार हैं। फिल्म में वह विलेन के रोल में दिखाई दी थीं। उनकी एक्टिंग को बहुत ही सराहा गया था। यह फिल्म हाउसफुल फ्रेंचाइजी की पांचवीं फिल्म थी, जिसके दो भाग रिलीज किए गए थे।



मी नो पॉज मी प्ले में लीड किरदार निभा रही हैं काम्या पंजाबी

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री और लंबे समय से टेलीविजन पर अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली काम्या पंजाबी ने अभिनय की नई मिसाल पेश करते हुए मेनोपॉज जैसे विषय पर बेस्ड एक ऐसी फिल्म मी नो पॉज मी प्ले में काम किया है, जिस तरह के विषय को बड़े पर्दे पर शायद ही कभी दिखाया गया हो। इतना ही नहीं, मेनोपॉज पर भारत की यह पहली हिंदी फीचर फिल्म भी है। इसी वजह से भारतीय सिनेमा के लिए एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए मी नो पॉज मी प्ले का पोस्टर भी वर्ल्ड मेनोपॉज डे पर ही जारी किया गया। मी नो पॉज मी प्ले महिला-केंद्रित कहानी कहने की दिशा में एक साहसिक कदम भी है।



दबंग डायरेक्टर ने फिर साधा सलमान खान पर निशाना



एक बार फिर दबंग के निर्देशक अभिनव कश्यप ने सलमान खान पर कई इल्जाम लगाए हैं। इससे पहले सलमान खान ने उन्हें नसीहत दी थी।

दबंग के निर्देशक अभिनव कश्यप पिछले काफी समय से सलमान खान के खिलाफ चौंकाने वाले दावे करते आ रहे हैं। 2010 में आई यह फिल्म हिट साबित हुई, लेकिन कश्यप का कहना है कि पर्दे के पीछे सब कुछ ठीक नहीं था। हाल ही में, उन्होंने सेट पर तनावपूर्ण पलों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने सलमान खान पर कई हैरान करने वाले इल्जाम भी लगाए।

अभिनव कश्यप ने लगाए इल्जाम

बॉलीवुड ठिकाना के साथ बातचीत में कश्यप ने दावा किया कि सलमान ने एक बार फिल्म के एडिटर को किडनैप कर लिया था ताकि प्रोजेक्ट पर पूरा कंट्रोल पा सकें। कश्यप ने कहा सलमान ने मेरे एडिटर और एडिटिंग मशीन को किडनैप कर लिया और उसे अपने फार्म हाउस पर ले गए। फिर उन्होंने उसे कुछ समझाने के बाद ही वापस लौटने दिया। सलमान ने एक बार मेरे एडिटर को चेतावनी भी दी थी कि अगर डायरेक्टर ने फिल्म के साथ छेड़छाड़ की तो उसे सिलेंडर से मारेंगे।

सलमान ने दिया कश्यप को जवाब

बिग बॉस 19 के हालिया एपिसोड में सलमान खान ने कश्यप की पिछली टिप्पणी के बारे में कहा मेरे साथ उन्होंने आमिर को भी लपेटे में ले लिया। पिछले वीकेंड के वार पर मैंने ऐसे ही बोला था कि काम करो यार। किसी को कोई दिलचस्पी नहीं है। आज फिर से पूछना चाहता हूं, काम मिला क्या भाई? मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि ये जो नाम लेकर बुराई कर रहे हो, तो क्या ये लोग आपके साथ कभी काम करेंगे? आपके साथ जो लोग जुड़े हैं वह भी काम नहीं करेंगे।

सलमान ने कश्यप को दी सलाह

सलमान खान ने आगे कहा मुझे सिर्फ एक ही चीज बुरी लगी कि आपने खुद को बर्बाद कर लिया। अगर किसी परिवार के पीछे पड़ना है तो खुद के परिवार के पीछे पड़ो। वे आपके बारे में चिंतित हैं। मैं आपको आगे बढ़ते हुए देखना चाहता हूं।

सलमान खान का काम

सलमान खान आखिरी बार रश्मिका मंदाना के साथ फिल्म सिकंदर में नजर आए थे। यह फिल्म ईद 2025 पर रिलीज हुई थी। वह फिलहाल बैटल ऑफ गलवां की शूटिंग कर रहे हैं।

लगाया किडनैपिंग का आरोप

पहले भाईजान दे चुके ये भाईजान दे चुके ये नसीहत



इस दीपावली, ट्रॉफी, रोशनी और खुशियां सब घर में हैं



अभिनेता अर्जुन बिजलानी के लिए इस बार की दीपावली बहुत ही खास रही। इस बार उन्होंने रियलिटी शो राइज एंड फॉल की पहली ट्रॉफी अपने नाम की है।अर्जुन रोशनी के इस त्योहार को बहुत ही कृतज्ञता और खुशी के साथ मना रहे हैं। अभिनेता ने एक इंटरव्यू में कहा, इतने रोमांचक सफर के बाद अपने परिवार के साथ दीपावली मनाकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। पिछले कुछ महीने काफी तनावपूर्ण रहे हैं, लेकिन ऐसे पल इसे सार्थक बना देते हैं। अर्जुन का मानना है कि असली जश्न तब शुरू होता है जब वह अपने प्रियजनों के साथ होते हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए दीपावली का मतलब है सबके साथ होने का अहसास। दीये जलाना, पूजा करना और नेहा व अयान के साथ समय बिताना, यही मेरे दिल को सचमुच भर देता है। दीपावली से कुछ दिन पहले राइज एंड फॉल की ट्रॉफी घर लाने के बाद अर्जुन ने दावा किया कि यह समय इससे बेहतर और क्या हो सकता था। उन्होंने कहा, शो जीतना तो हमेशा से ही मेरी सूची में था, लेकिन दीपावली के दौरान ट्रॉफी घर लाना, यह एक आशीर्वाद है।